राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

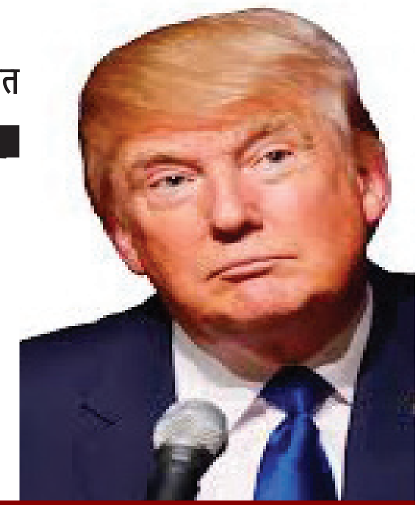

10 एपल ने फिर दिखाया भारत पर भरोसा...

रिवेंज पोर्न को लेकर अमेरिका में बना कानून.. 12

वर्ष : 13 | अंक : 40 | पटना, बुधवार, 21 मई, 2025 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य : 03.00 | www.pratahkiran.com

मुख्यमंत्री ने संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के पूर्व तैयारियों की समीक्षा की, अधिकारियों को दिये निर्देश

बाढ़ एवं सुखाड़ से निपटने के लिए पूरी तैयारी करें : नीतीश

सीएम की दो टूक - राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का

प्रातः किरण/एजेंसी

पटना। सूबे में संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ को लेकर राज्य सरकार पूरी तरह गंभीर है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को मुख्य सचिवालय स्थित सभा कक्ष में संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। राज्य सरकार बाढ़ और सुखाड़ की स्थिति में प्रभावितों को हरसंभव मदद करती है, इसे ध्यान में रखते हुये सभी संबद्ध विभाग और अधिकारी सतर्क रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवम्बर, 2005 से पहले आपदा प्रबंधन के लिए ठीक से काम नहीं होता था। नवम्बर, 2005 में हमलोगों की सरकार बनने के बाद आपदा प्रबंधन एवं आपदा पीड़ितों को शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने के लिए गंभीरता से काम किया गया। वर्ष 2007 में जो बाढ़ आई थी उससे 22 जिलों के लगभग 2.5 करोड़ लोग प्रभावित हुए थे। प्रभावित लोगों के लिए बड़े पैमाने पर राहत का कार्य किया गया था। वर्ष 2008 में कोसी त्रासदी के दौरान 5 जिलों सुपौल,

सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया एवं अररिया में लगभग 34 लाख लोग प्रभावित हुए थे जिनको राहत पहुँचाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया गया था। साथ ही विश्व बैंक से कर्ज लेकर राहत एवं पुनर्वास का काम किया गया था। वर्ष 2016 से बाढ़ प्रभावित परिवारों को आनुग्रहिक अनुदान के अंतर्गत कुल 6 हजार रुपए की राशि भुगतान करने का निर्णय लिया गया जिसे वर्ष 2023 में बढ़ाकर 7 हजार रुपए किया गया। बाढ़ एवं अन्य आपदाओं में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को 4 लाख रुपए का अनुग्रह अनुदान देने की व्यवस्था की गयी। आपदा के समय हमलोग लगातार बाढ़ एवं सुखाड़ प्रभावित क्षेत्रों में जाकर तथा एरियल सर्वे के माध्यम से भी स्थिति का जायजा लेते हैं ताकि लोगों को किसी तरह की समस्या नहीं हो। उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारी एवं संबंधित विभाग बाढ़ एवं सुखाड़ से निपटने के लिए पूरी तैयारी करें।

सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मती समय पर की जाये :

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि इस महीने के अंत तक बाढ़ एवं सुखाड़ से निपटने की तैयारियों पूरी कर ली जाय। जिलाधिकारी एवं विभागीय पदाधिकारी क्षेत्र में जाकर स्थिति का आकलन करें तथा लोगों से बात कर समस्याओं का समाधान करें। सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मती समय पर की जाय। नदी के तटबंधों की सुरक्षा की पूरी तैयारी कर ली जाये ताकि कहीं पर तटबंध टूटने की घटना न हो। बाढ़ की स्थिति में लोगों के ईलाज के लिए आवश्यक व्यवस्था कर ली जाय। पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। बाढ़ या सुखाद में फसल क्षति की स्थिति में किसानों की सहायता के लिए पूरी तैयारी कर ली जाय। बाढ़ या सुखाड़ की आपदा की स्थिति में लोगों को राहत पहुँचाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था पूर्व में ही कर ली जाय। आपदा प्रबंधन विभाग लगातार तैयारियों की मॉनिटरिंग करे ताकि लोगों को कोई समस्या नहीं हो।

मौसम के बदलाव को लेकर पूरी तरह से सतर्क रहें :

मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम के बदलाव को ध्यान में रखते हुये हर चीज पर नजर रखनी है और पूरी तरह से सतर्क रहना है। मुस्तैदी के साथ सभी लोग लगे रहेंगे तो आपदा की स्थिति में लोगों को राहत मिलेगी। सभी जिलों के प्रभारी मंत्री और प्रभारी सचिव जिलों में जाकर बैठक करें एवं वस्तु स्थिति की जानकारी लें और उस आधार पर कार्य करें। जून के प्रथम सप्ताह तक अपने-अपने क्षेत्रों की स्थिति एवं समस्याओं का बेहतर ढंग से आकलन कर उसके समाधान के लिये कार्य करें।

ये रहें मौजूद :

बैठक में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा सह योजना एवं विकास मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय, पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रेणु देवी, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन, आपदा प्रबंधन मंत्री विजय कुमार मंडल, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य पारसनाथ राय, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य कौशल कुमार मिश्र, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य नरेन्द्र कुमार सिंह, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य श्री प्रकाश कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा, विकास आयुक्त सह आपदा प्रबंधन सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह सहित अन्य कई विभागों के अधिकारी उपस्थित थे, जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिलाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक जुड़े हुए थे।

जून में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना

पटना। विकास आयुक्त सह आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने बिहार मौसम सेवा केन्द्र द्वारा तैयार की गयी मॉनसून ऋतु 2025 के लिये वर्षापात के पूवानुर्मान के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष माह जून में सामान्य से कम वर्षापात होने की संभावना है। माह जुलाई, अगस्त एवं सितम्बर में सामान्य वर्षापात की संभावना है। इस वर्ष जून से सितम्बर की अवधि में राज्य में सामान्य वर्षापात होने की संभावना है। आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ की पूर्व तैयारियों से संबंधित मुख्य बातों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। सभी जिलों एवं संबद्ध विभागों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने नाव संचालन, पॉलिथिन शीट, राहत सामग्री की उपलब्धता, दवा, पशुचारा, बाढ़ आश्रय स्थल, सामुदायिक रसोई, ड्राई राशन पैकेट्स, फूड पैकेट्स, जिला आपातकालीन संचालन केंद्र आदि की व्यवस्थाओं के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निदेशार्नुसार जिस प्रकार सामुदायिक रसोई का संचालन किया जाता है, उसकी प्रशंसा पूरे देश में है। बाढ़ राहत शिविर का संचालन, मुख्यमंत्री राहत कोष से की जानेवाली व्यवस्था, अनुग्रहिक अनुदान की भुगतान व्यवस्था, राज्य आपताकालीन संचालन केन्द्र के माध्यम से आपदा की स्थिति का आकलन और उसके लिये समन्वय कर त्वरित कार्रवाई के संबंध में भी उन्होंने जानकारी दी। जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने भी अपने विभाग द्वारा संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ की स्थिति से निपटने को लेकर की गई

संक्षिप्त खबरें

खुफिया ब्यूरो के प्रमुख तपन कुमार डेका को एक साल का सेवा विस्तार

नई दिल्ली,। खुफिया ब्यूरो के प्रमुख तपन कुमार डेका को मंगलवार को एक साल का सेवा विस्तार दिया गया जो जून 2026 तक प्रभावी रहेगा। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में यह जानकारी मिली। डेका हिमाचल प्रदेश कैडर के 1988 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी हैं। आदेश में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने खुफिया ब्यूरो के निदेशक के रूप में डेका की सेवा में एक वर्ष के विस्तार को मंजूरी दे दी है जो 30 जून 2025 से लागू होगी।

मॉनसून के चार से पांच दिनों में केरल पहुंचने की संभावना : आईएमडी

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के अगले चार से पांच दिनों में केरल पहुंचने की संभावना है, जो मॉनसून के आने की एक जून की सामान्य तिथि से पहले है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने पहले पूवानुर्मान जताया था कि मॉनसून 27 मई तक केरल में दस्तक देगा। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, अगर मॉनसून उम्मीद के मुताबिक केरल पहुंचता है तो यह 2009 के बाद से भारतीय मुख्य भूमि पर सबसे जल्दी दस्तक देने वाला मॉनसून होगा। 2009 में मॉनसून 23 मई को आया था। आईएमडी ने मंगलवार दोपहर को अद्यतन जानकारी देते हुए कहा, अगले चार से पांच दिनों में केरल में मॉनसून के दस्तक देने के लिए परिस्थितियां अनुकूल होने की संभावना है।

तेलंगाना: सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

विकाराबाद। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में मंगलवार तड़के एक निजी बस के खड़ी लॉरी से टकरा जाने से चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला मंडल के चेनवेल्ली गांव के 60 लोगों का एक समूह परिगी में एक डिनर पार्टी में शामिल होने के बाद बस से घर लौट रहा था, तभी परिगी मंडल के रंगपुर के पास बीजापुर-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यह दुर्घटना हुई। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने परिगी सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

आतंकवाद पर पाकिस्तान की पोल खोलेगा भारत का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की विदेश यात्रा आज से शुरू

विदेश सचिव मिसरी ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को जानकारी दी

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। आतंकवाद पर पाकिस्तान की पोल खोलने भारत का एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य आज विदेश के लिए रवाना होंगे। पहलगाम आतंकवादी हमले एवं ऑपरेशन सिन्दूर को लेकर वैश्विक कूटनीतिक समर्थन जुटाने के लिए गठित सात संसदीय दल 21 मई से पांच जून तक 33 देशों की यात्रा करेंगे और इन दलों में शामिल 51 राजनेता एवं आठ राजनयिक पाकिस्तान में मौजूद वैश्विक आतंकवादी ढांचे और उसके समर्थकों की पोल दुनिया के सामने खोलेंगे। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने पहलगाम आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न देशों को भारत के रुख से अवगत कराने के लिए विदेश यात्रा पर जा रहे सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से तीन को मंगलवार को संबंधित चीजों की जानकारी दी। जदयू के संजय झा, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे और द्रमुक की कनिमोई के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने ब्रीफिंग में भाग लिया, जिसमें उन्हें उनके एजेंडे और उसके विस्तृत विवरण के बारे में बताया गया। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी भी बैठक में शामिल हुए, जिन्हें अंतिम समय में प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया गया, क्योंकि उनकी पार्टी ने अपने सांसद यूसुफ पठान को सरकार द्वारा चुने जाने के एकतरफा फैसले का विरोध किया था।

सूत्रों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष बैजयंत पाण्डा के नेतृत्व वाला पहला समूह 23 मई को बहरीन, 25 मई को कुवैत, 27 मई को सऊदी अरब और 30 मई को अल्जीरिया जाएगा। भाजपा के डॉ रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाला दूसरा समूह 25 मई को फ्रांस, 27 मई को इटली, 29 मई को डेनमार्क, एक जून को ब्रिटेन और पांच जून को जर्मनी जाएगा। जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा के नेतृत्व वाला तीसरा समूह 22 मई को जापान, 24 मई को दक्षिण कोरिया, 27 मई को सिंगापुर, 28 मई को इंडोनेशिया और 31 मई को मलेशिया जाएगा। शिवसेना के श्रीकांत एकनाथ शिन्दे के नेतृत्व वाले चौथा समूह 21 मई को संयुक्त अरब अमीरात , 24 मई को कांगो, 28 मई को सिएरा लिओन और 31 मई को लाइबेरिया जाएगा। कांग्रेस के शशि थरूर के नेतृत्व वाला पांचवां समूह 25 मई को गुयाना, 27 मई को पनामा, 29 मई को कोलंबिया, 31 मई को ब्राजील और तीन जून को अमेरिका जाएगा। द्रविड़ मुनेत्र कषगम की कनिमोझी करुणानिधि के नेतृत्व वाले छठवां समूह 22 मई को रूस, 25 मई को स्लोवेनिया, 27 मई को यूनान, 29 मई को लात्विया और 31 मई को स्पेन जाएगा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले के नेतृत्व वाला सातवां समूह 24 मई को कतर, 27 मई को दक्षिण अफ्रीका, 29 मई को इथिओपिया और एक जून को मिस्त्र जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की पोल खोलना : संजय

पटना। आतंकवाद पर पाकिस्तान की पोल खोलने भारत का एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश जा रहा है। उक्त बातें सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल जदयू सांसद संजय झा ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। झा ने कहा कि जो डेलिगेशन मैं लीड कर रहा हूं, वह डेलिगेशन कल भारत से बाहर निकलेगा। उन्होंने कहा कि हम लोग जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, इंडोनेशिया और सिंगापुर जाएंगे। इस प्रतिनिधिमंडल का उद्देश्य है कि जो प्रायोजित आतंकवाद है, जिसे पाकिस्तान सरकार द्वारा आतंकवाद को समर्थन दिया जाता है, पैसा दिया जाता है और ट्रेनिंग दी जाती है, वह प्रमाणित हो गया है। किस तरह से भारत ने उनके नौ आतंकवादी ठिकानों को खत्म किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने जो उसके बाद हमले किए, भारतीय सेना ने उसे रोकने का काम किया। उसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान के एयर बेस को ध्वस्त किया। भारतीय सेना का इतना जबरदस्त काम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतंकवाद के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई अभूतपूर्व है। आतंकवाद के खिलाफ ऐसी कार्रवाई अब तक नहीं की गई थी। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि अगर आतंकवादी कार्रवाई होगी, तो यह माना जाएगा कि अब वहां की सरकार यह करवा रही है और इसे एक्ट ऑफ वॉर माना जाएगा, युद्ध माना जाएगा। यह जो सात प्रतिनिधिमंडल पूरी दुनिया में भेजी जा रहे हैं, वह यही बताने के लिए जा रहे हैं कि उनकी पूरी की पूरी सरकार और आर्मी आतंकवाद के पीछे है, जिसको खत्म करना है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्ष द्वारा की जा रही राजनीति पर कहा कि देश की 140 करोड़ जनता, आर्मी और नरेंद्र मोदी की सरकार के साथ खड़ी है। पक्ष और विपक्ष सब एक हैं, एक स्वर में सब बातें कर रहे हैं। हम लोग जहां भी जा रहे हैं, देश के प्रतिनिधि होकर जा रहे हैं, किसी पार्टी के प्रतिनिधि होकर नहीं जा रहे हैं। यह याद रखना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने सीधे चयन की व्यवस्था को आखिर क्यों किया खत्म

सिविल जज के लिए 3 साल की प्रैक्टिस अनिवार्य : सुप्रीम कोर्ट

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक सेवाओं में प्रवेश को लेकर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अब सिविल जज की भर्ती के लिए न्यूनतम तीन साल की वकालत की प्रैक्टिस अनिवार्य होगी। शीर्ष अदालत ने लॉ ग्रेजुएट्स के सीधे चयन की व्यवस्था को खत्म करते हुए स्पष्ट किया कि न्यायिक सेवाओं में गुणवत्ता बनाए रखने के लिए व्यावहारिक अनुभव बेहद जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की त्रिपल बैंच ने यह निर्णय सुनाया। फैसले में कहा गया है कि उम्मीदवारों को वकील के रूप में कम से कम तीन वर्षों तक प्रैक्टिस करनी होगी और यह अवधि प्रोविजनल नामांकन की तिथि से मानी जाएगी। हालांकि, यह नियम केवल भविष्य की भर्तियों पर लागू होगा और पहले से चल रही प्रक्रियाओं पर इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अहम बातें- लॉ ग्रेजुएट्स के सीधे चयन की प्रक्रिया समाप्त। तीन साल की न्यूनतम कानूनी प्रैक्टिस आवश्यक। अनुभव की गिनती प्रोविजनल नामांकन से होगी। 10 साल का अनुभव रखने वाले वरिष्ठ वकील से प्रमाणन जरूरी। सभी राज्यों को अपने सेवा नियमों में संशोधन के निर्देश। इसके साथ ही सिविल जज सीनियर डिवीजन में त्वरित पदोन्नति के लिए 10 प्रतिशत कोटा आरक्षित होगा। न्यायिक लिपिक के रूप में अनुभव को भी माना जाएगा। सीजेआई गवई ने अपनी टिप्पणी में कहा कि किताबी ज्ञान से न्याय नहीं हो सकता। न्यायालय को समझने और वरिष्ठों से मार्गदर्शन लेकर ही एक अच्छा न्यायाधीश तैयार होता है। नए स्नातकों की नियुक्ति से कई व्यवहारिक समस्याएं सामने आई हैं। इसलिए, परीक्षा से पहले न्यूनतम अभ्यास आवश्यक है। इस फैसले का सीधा असर देशभर के लॉ स्नातकों पर पड़ेगा। अब सीधे कॉलेज से निकलकर जज बनने का रास्ता बंद हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद राज्य सरकारें और उच्च न्यायालय जल्द ही अपने-अपने भर्ती नियमों में संशोधन करेंगी।

सूबे में 12 आईएएस व 6 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

प्रातः किरण/एजेंसी

पटना। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए एक बार फिर से तबादलों का दौर शुरू हो गया है। चुनाव को देखते हुए सरकार ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा कदम उठाते हुए मंगलवार को 12 आईएएस और 6 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सभी आईएएस अधिकारियों को डीडीसी की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। जबकि आईपीएस अधिकारियों को विभिन्न जिलों में नई तैनाती दी गई है। सरकार ने तबादले की अधिसूचना जारी कर दी है। बिहार सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा के 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी, जो आर्थिक अपराध इकाई के एसपी के पद पर पटना में तैनात थे उन्हें राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो का एसपी बना दिया है। वहीं भारतीय पुलिस सेवा के 2012 बैच के अधिकारी राकेश कुमार सिन्हा को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो का एसपी बनाया गया है। राकेश कुमार सिन्हा पहले लोकायुक्त कार्यालय, पटना में एसपी के पद पर तैनात थे। वहीं राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो, पटना के एसपी पंकज कुमार को आर्थिक अपराध इकाई, पटना का एसपी बनाया गया है। पंकज कुमार भारतीय पुलिस सेवा के 2013 बैच के अधिकारी हैं जबकि भारतीय पुलिस सेवा के 2016 बैच के अधिकारी हैअनंत कुमार राय ।

आईएसआई के जासूस, पाक पहुंचा रहे खुफिया जानकारी

सुरक्षा एजेंसियों ने बीते दिनों करीब एक दर्जन संदिग्ध किए गिरफ्तार

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की सुरक्षा एजेंसियों ने देश के अंदर सक्रिय पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बीते दिनों में 11 संदिग्ध जासूसों को गिरफ्तार किया है। ये सभी अलग-अलग राज्यों में रहकर भारत की संवेदनशील सूचनाएं पाकिस्तान तक पहुंचा रहे थे। इनमें व्यवसायी, गार्ड, कंप्यूटर ऑपरेटर और यहां तक कि एक महिला भी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इन गिरफ्तारियों से यह संकेत मिलता है कि आईएसआई की जड़ें आम जनजीवन तक फैल हैं और उसके एजेंट तकनीक के जरिए सेना और रक्षा से जुड़ी जानकारियां जुटा रहे हैं। गिरफ्तार लोगों में हरियाणा की ज्योति मल्होत्रा पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी से सीधे संपर्क होने का आरोप है। पुलिस जांच के मुताबिक वह जनवरी में कश्मीर के पहलगाम गई थी और वहां से गुप्त रास्ते से पाकिस्तान पहुंची थी। हालांकि उसका किसी आतंकी हमले से संबंध है या नहीं, इसकी जांच चल रही है। हरियाणा के ही कैथल जिले से पकड़े गए देवेंद्र सिंह एक पूर्व सैन्यकर्मी का बेटा है, जिसने सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी एजेंट से संपर्क किया और रुपयों के बदले गोपनीय जानकारियां साझा कीं। यूपी के रामपुर निवासी शहजाद एक व्यवसायी था, जो भारत-पाक व्यापार की आड़ में आईएसआई के लिए काम कर रहा था। वहीं पानीपत का नोमान इलाही कंप्यूटर ऑपरेटर है, जिसने डार्कनेट पर संवेदनशील जानकारी अपलोड कर पैसे कमाए। इसी तरह पंजाब के मलेरकोटला से गजाला और यमीन मोहम्मद, हरियाणा के नूंह से अरमान और तारीफ, जालंधर से मुर्तजा अली, पानीपत से नउमान इलाही और गुरदासपुर से करनबीर सिंह को भी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों पर विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। जांच एजेंसियों का कहना है कि यह कार्रवाई भविष्य में और भी बड़े खुलासे कर सकती है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि यह महज शुरूआत है, आने वाले समय में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

परमाणु वैज्ञानिक एमआर श्रीनिवासन का निधन

95 वर्ष की आयु में तमिलनाडु के उधगमंडलम में ली अंतिम सांस

प्रातः किरण/एजेंसी

चेन्नई। परमाणु वैज्ञानिक और परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ एम आर श्रीनिवासन का मंगलवार को तमिलनाडु के उधगमंडलम में निधन हो गया। वह 95 वर्ष के थे। देश के सिविल न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम के प्रमुख वास्तुकार डॉ. श्रीनिवासन ने परमाणु ऊर्जा विभाग में करियर सितंबर 1955 से शुरू किया और पांच दशकों से भी ज्यादा समय तक अपनी सेवा दी थी। उन्होंने डॉ. होमी भाभा के साथ मिलकर देश के पहले परमाणु अनुसंधान रिएक्टर अप्सरा के निर्माण में काम किया, जो अगस्त 1956 में शुरू हुआ था। वष्र 1959 में उन्हें देश के पहले परमाणु ऊर्जा स्टेशन के लिए प्रधान परियोजना इंजीनियर नियुक्त किया गया। वर्ष 1974 में वे डीएई के पावर प्रोजेक्ट्स इंजीनियरिंग डिवीजन के निदेशक बने और एक दशक बाद न्यूक्लियर पावर बोर्ड के अध्यक्ष का पद संभाला। वर्ष 1987 में डॉ श्रीनिवासन को परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग का सचिव नियुक्त किया गया। उसी साल वे न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के संस्थापक अध्यक्ष भी बने। उनके कार्यकाल में उल्लेखनीय विस्तार हुआ और उनके मार्गदर्शन में 18 परमाणु ऊर्जा इकाइयां विकसित की गईं।

संक्षिप्त खबरें

बाल ज्ञान सहयोगी कॉन्वेंट में बच्चों को दिया गया कैंसर प्रतिरोधक दवा

फतुहा। मंगलवार को आदिलपुर स्थित बाल ज्ञान सहयोगी कॉन्वेंट में सैकड़ों छात्र -छात्राओं, शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को कैंसर प्रतिरोधक दवा दी गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने बताया कि कैंसर का बीमारी काफी तेजी से बढ़ते जा रहा है। गंगा नदी प्रदूषित होने के कारण गंगा किनारे की आबादी में और ज्यादा तेजी से बढ़ता जा रहा है। कैंसर से बचाव के लिए होम्योपैथी में कैंसर प्रतिरोधक दवा कारनोसीन है। एक बार के लेने से एक साल तक कैंसर होने की संभावना समाप्त हो जाती है। इस अवसर विशिष्ट अतिथि राम यतन यादव एवं संजय कुमार यादव, दवा लेने वालें में डायरेक्टर वीरेंद्र कुमार यादव, प्राध्यापक रेखा कुमारी, शोभा कुमारी, रजनीश कुमार, चंदन कुमार, राजीव कुमार, प्रवीण सहित सैकड़ो छात्र छात्राओं ने दवा लिया। दवा लेने के लिए सभी लोगों में काफी उत्साह देखा गया।

गर्मी में राहगीरों के बीच सत्तू शरबत का किया वितरण

पटना सिटी (प्राकि)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के द्वारा मंगलवार को स्थानीय मिरचाई गली के बाहर गर्मी व लू से राहत देने की व्यवस्था की गई। राहगीरों के बीच सत्तू के शरबत का वितरण किया गया। महिलाओं के इस पहल का लाभार्थियों ने सराहना की। मौके पर अध्यक्ष श्रीमती विनीता डोकानिया, सचिव पूजा माखड़िया, उर्मिला साह, तारा झुनझुनवाला, मीना मोदी, नीता राठी, सुनीता बूबना, रूपा पोद्दार, नमिता अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, ईशा मुरारका, संगीता सुल्तानिया, इंदु अग्रवाल, नीता कमलिया, राजकुमारी अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, आरती मुरारका, संगीता झुनझुनवाला, सेजल झुनझुनवाला, पूनम झुनझुनवाला, सुनीता अग्रवाल, काजल सिंघानिया, कांता, नीरू मोदी, मनोरमा सुल्तानिया आदि उपस्थित रहीं।

पटना सदर प्रखंड कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की हुई बैठक

पटना सिटी (प्राकि)। पटना सदर प्रखंड कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की बैठक कुम्हरार के भागवत नगर स्थित प्रखंड कार्यालय सभागार में हुई। इसकी अध्यक्षता मनीष कुमार ने और संचालन सचिव प्रखंड विकास पदाधिकारी पटना सदर ने की। इसमें सचिव के द्वारा महिला संवाद, डॉ भीमराव अंबेडकर अभियान एवं आपका शहर आपकी आवाज कार्य के लिए प्रस्ताव रखा गया। बैठक में अनुपस्थित पदाधिकारियों के पर सभी सम्मानित के द्वारा नाराजगी प्रकट की गई। बैठक में पटना साहिब सांसद प्रतिनिधि मनोज प्रभाकर, कुम्हरार विधायक प्रतिनिधि, उपाध्यक्ष अशोक यादव, सदस्य मुकेश कुमार ठाकुर, मो आफताब गुड्डू, मनोज शर्मा, कुमारी पल्लवी पटेल, गुड्डू पाठक, रामप्रवेश, अखिलेश कुमार, राजीव रंजन, प्रमुख नीलम देवी, उप प्रमुख माया देवी शामिल रहे।धन्यवाद ज्ञापन विक्रम कुमार उर्फ विपुल सिंह ने किया।

गंगा किनारे अज्ञात वृद्ध का शव पुलिस ने किया बरामद

पटना सिटी (प्राकि)। सुल्तानगंज थाना की पुलिस ने चौधरी टोला और पथरी घाट के बीच गंगा तट से शव बरामद किया है। लोगों के द्वारा पुलिस को शव पड़ा होने की सूचना दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेजा है। पुलिस को आशंका है कि वृद्ध की मौत गंगा में डूबने से हुई होगी। थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उसकी रिपोर्ट आने पर मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

जेपी सेतु पर सड़क दुर्घटना में एक की हुई मौत

पटना सिटी (प्राकि)। चौक थाना क्षेत्र के कंगन घाट मोड़ पर सोमवार की देर रात दो चार पहिया वाहन के बीच टक्कर हो गई। इस घटना में दो लोग घायल हो गए। इसमें से एक घायल की मौत इलाज के दौरान हो गई। दूसरे घायल का इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया कि स्विफ्ट डिजायर कार में भिड़ंत हुई थी। इसमें घायल आलमगंज थाना क्षेत्र के बड़ी पटनदेवी के पास के रहने वाले 60 वर्षीय वीरेंद्र कुमार राय की मौत इलाज के दौरान हो गई, जबकि दूसरे घायल का इलाज चल रहा है। यातायात थानाध्यक्ष नीरज कुमार ठाकुर ने बताया कि सड़क दुर्घटना के मामले में अभी तक प्राथमिकी दर्ज नहीं कराई गई है। चौक थाना की पुलिस की सूचना पर दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया गया है। पुलिस मामले में छानबीन कर रही है।

स्कूटी चोरी कर भागने में पकड़ाया, निशानदेही पर पिता-पुत्र सहित तीन गिरफ्तार

चोरी का आठ बाइक व स्कूटी बरामद, मिले सुराग पर पुलिस की छापेमारी जारी

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

अगमकुआं थाना की पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का उद्भेदन किया है। इस दौरान चोरी की आठ बाइक और स्कूटी बरामद की गई है। साथ ही चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एएसपी अतुलेश झा ने बताया कि मंगलवार की सुबह एक युवक स्कूटी चोरी कर भाग रहा था। पुलिस की गश्ती दल ने संदिग्ध युवक को जनता की मदद से पकड़ लिया। पकड़ा गया युवक के पास से पुलिस ने स्कूटी और दो मास्टर चाबी भी बरामद किया है। इसके बाद से पुलिस ने सख्ती के साथ पूछताछ की। उसकी निशानदेही पर थानाध्यक्ष नीरज कुमार पांडे के नेतृत्व में गठित पुलिस की टीम ने छापेमारी की। इस दौरान वाहन चोर गिरोह में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसमें पिता और पुत्र भी वाहन चोरी में शामिल पाया गया। एएसपी ने बताया कि इस मामले में अगमकुआं थाना के कुम्हरार ग्वाल टोली का रहने वाला राहुल कुमार उर्फ मैडी उर्फ गोलू, नगीना नगर में किराए पर रहने वाला अशोक यादव और उसके पुत्र साहिल कुमार को गिरफ्तार किया गया। इन लोगों की निशानदेही पर चाणक्य नगर भागवत नगर स्थित कबाड़ी की दुकान चलाने वाले और मूल रूप से नालंदा के इस्लामपुर का रहने वाला राहुल कुमार को गिरफ्तार किया गया। इन सबों के पास से पुलिस ने चोरी की आठ बाइक बरामद किया है। इसके अलावा चाकू आकार में पीले रंग का दो मास्टर चाबी, दस पीस लोहा का पाइप और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। गिरफ्तार पिता और पुत्र में पुत्र वाहन चोरी कर लाता था, जबकि पिता उसे कबाड़ी और दूसरे जगह ठिकाना लगाता था। एएसपी अतुलेश झा ने बताया कि पकड़े गए लोगों की निशानदेही पर गठित टीम की ओर से छापेमारी की जा रही है। छापेमारी दल में अपर थानाध्यक्ष सितु कुमारी, दारोगा मुकेश कुमार, गौतम कुमार, सिपाही कृष्ण मोहन तिवारी और महेश राय शामिल थे।

महाप्रबंधक ने विभागाध्यक्षों के साथ की समीक्षा बैठक

प्रात :किरण संवाददाता

पटना/हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों, मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की गयी। इस बैठक में महाप्रबंधक द्वारा पूर्व मध्य रेल पर रेल यात्री सुविधा एवं आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में महाप्रबंधक ने कहा कि हमें रेलवे के प्रत्येक क्षेत्र में नई तकनीक का ज्यादा-से-ज्यादा प्रयोग करना होगा ताकि लोगों की अपेक्षा पर खरे उतरते हुए उन्हें बेहतर परिणाम दे सकें। महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने कहा कि गाड़ियों का समय-पालन, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास एवं विस्तार, अमृत भारत स्टेशनों के कार्य में तेजी लाने, माल लदान, राजस्व में वृद्धि, स्वच्छता एवं कर्मचारी कल्याण हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है।

भारतीय सेना के पराक्रम पर निकाला गया तिरंगा यात्रा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

भारतीय सेना के पराक्रम का गवाह और पाकिस्तान की बबार्दी का प्रमाण ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारत के वीर सैनिकों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देने को तिरंगा यात्रा निकाला गया। भाजपा चौक मंडल द्वारा मंगल तालाब से शहीद भगत सिंह चौक तक अध्यक्ष अमित कानोडिया के नेतृत्व में देशभक्ति गीत पर युवाओं की टोली ने भारत जिंदाबाद तथा नाचते-झूमते यह तिरंगा यात्रा निकाला, जिसका समापन शहीद भगत सिंह चौक पर सभा में तब्दील हो हुआ। इसमें जिला महामंत्री विनय केसरी, डॉ त्रिलोकी प्रसाद गोलवारा, सरोज जायसवाल, महामंत्री विनय कुमार, युवा अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह मंगल, संजीव यादव, सन्नी यादव, दयानंद सिंह, नवल किशोर सिन्हा, बलराम माथुरी, मनोज यादव, सुनीता गुप्ता, हरजीत सिंह, नैयर इकबाल, समीर बासोतिया, ट्रेनर राहुल, संजीव पटवा, मोहम्मद फिरोज, रवि शंकर प्रसाद, संजय चंद्रवंशी, दिनेश चंद्रवंशी, जितेंद्र मेहता, टिंकू यादव, गणेश सरावगी, प्रेम कुमार , नित्यानंद चंद्रवंशी आदि शामिल थे।

जिन शिक्षिकाओं का स्थानांतरण नही हो पाया उनका स्थानांतरण विभाग जल्द करें : लोकमंच

प्रात :किरण संवाददाता

पटना : भारतीय लोकमंच पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव कुणाल सिकंद ने सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से कहा कि सरकार के द्वारा शिक्षकों का स्थानांतरण के लिए उठाया गया कदम शानदार है। उन्होंने बताया की ट्रांसफर के प्रमुख आंकड़े : कुल 11,801 महिला शिक्षिकाओं का ट्रांसफर किया गया है। इसमें टी०आर०ई -1 की 5,630 और टी०आर०ई-2 से 6,167 ट्रांसफर किया गया है। जो सहरानीय कदम है। श्री सिकंद ने कहा कि पुरुष शिक्षकों के स्थानांतरण पर भी सरकार और शिक्षा विभाग जल्द निर्णय करें। पुरुष शिक्षकों के साथ भेदभाव पूर्ण रवैया गलत है। उन्होंने बताया कि बीती रात जिन शिक्षिकाओं का स्थानांतरण हुआ है, उसके बाद दूरभाष के माध्यम से कई शिक्षिकाओं की शिकायत लोकमंच के पास आ रही है कि जिनकी अधिक दूरी है, उनका ट्रांसफर नहीं हुआ है और जिनकी कम दूरी है उनका ट्रांसफर किया गया है। ऐसे में विभाग स्पष्ट करें कि इस बार के ट्रांसफर में मापदंड क्या रखा गया है। इसके अलावा विभाग ने मार्च तक टांसफर की प्रक्रिया पूरी करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन जो ट्रांसफर हुई है उसमें सिर्फ जिला अलॉट हुआ है और स्कूल अलॉट अभी तक नहीं हुआ है। कुणाल सिकंद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से विन्रम निवेदन किया है कि शिक्षा विभाग को मार्गदर्शन देते हुए आदेश करने की कृपा करें ताकि जिन शिक्षिकाओं का स्थानांतरण नही हो पाया है उनका स्थानांतरण जल्द से जल्द उनके गृह जिला में शिक्षा विभाग करें।

न्यु एरा पब्लिक स्कूल के बच्चे अब एआई तकनीक व रोबोटिक्स की पढ़ाई करेंगे

एआई व रोबोटिक लैब के उद्घाटन के बाद स्कूली बच्चे दिखे उत्साहित

प्रात :किरण संवाददाता

बिक्रम : स्थानीय बाघाकोल स्थित न्यु एरा पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे अब एआई तकनीक व रोबोटिक्स ज्ञान भी अर्जित कर सकेंगे ` मंगलवार को स्कूल में एआई और रोबोटिक्स लैब का उद्घाटन किया गया। इस लैब में छात्र रोबोट चलाना, कोडिंग करना और एआई टेक्नोलॉजी को सीखेंगे। उद्घाटन समारोह में सीबीएसई पटना के सीओई रवि प्रकाश बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना गीत व दीप प्रज्वलित कर की गई। विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ नीना कुमार ने बताया कि बच्चों के बेहतरी को ध्यान में रखते हुए न्यु एरा पब्लिक स्कूल में भारत देश की संस्थागत एआई और रोबोटिक्स लैब स्थापित की गई है। इस लैब का मुख्य उद्देश्य बच्चों को एआई और रोबोटिक्स के बारे में किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान देना है। यह छात्रों में आत्मविश्वास, असफलता से उबरने की सीख, सृजनात्मक क्षमता, टीमवर्क एवं सहकारिता की भावना जागृत करती है वहीं मुख्य अतिथि, सीओई रवि प्रकाश ने भी रोबोटिक्स की प्रसांगिकता पर बल देते हुए कहा कि इससे नई संभावनाओं का सृजन, कार्य-प्रणाली में सुधार, सुरक्षा और दक्षता बढ़ेगी । खासकर विनिर्माण, स्वास्थ्य सेवा, रक्षा एवं अन्वेषण के क्षेत्र में यह सहायक साबित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि छात्र यदि चाहे तो इस क्षेत्र में भी अपना करियर बना सकता है। कार्यक्रम के दौरान स्कूल के बच्चों ने एआई एवं रोबोटिक्स पर आधारित अपने तैयार मॉड्यूल की प्रदर्शनी लगाई व उसपर अपनी शानदार प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के द्वारा स्वागत,झिझिया एवं रोबोटिक्स पर आधारित मनमोहक समूह नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन उप-प्राचार्य मौसम श्री ने किया। मौके पर स्कूल बाघाकोल एवं पटना शाखा. के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं व कर्मी मौजूद रहे ।

राज्य स्तरीय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप के लिए पटना की टीम घोषित

प्रात :किरण संवाददाता

पटना : लखीसराय में आयोजित राज्यस्तरीय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप के लिए पटना जिला ताइक्वांडो संघ के द्वारा पटना की टीम की घोषणा कर दी गई है` 30वी पटना जिला ताइक्वांडो चैम्पियनशिप मे स्वर्ण पदक प्राप्त कर स्टेट चैम्पियनशिप के लिए चयनित 70 बालक और बालिका खिलाड़ीयो का दल पटना टीम आज लखीसराय के लिए रवाना हुई। महिला टीम की मुख्य कोच अनामिका सोनु, एवं स्वेता मिश्रा और बालक वर्ग के मुख्य कोच रॉकी कुमार एवं रजत कुमार, टीम मैनेजर स्मृति कुमारी को संघ की ओर नियुक्त किया गया है। पटना के बबली मिश्रा और धर्मेन्द्र कुमार इस स्टेट चैंपियनशिप मे रेफरी की भुमिका निभाएंगे। इसकी जानकारी पटना जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव जेपी मेहता ने दी। पटना टीम के सभी खिलाड़ीयो को पटना जिला ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष सतीश श्रीवास्तव राजु जी,सह सचिव कुमार कर्मवीर, कोषाध्यक्ष रविश रमण ने शुभकामनाऐ दी ।

हनुमान जी के प्राण प्रतिष्ठा पर हुआ धार्मिक अनुष्ठान

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

श्री शनिदेव महाराज के जन्मोत्सव व हनुमान जी महाराज के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान को लेकर बेगमपुर धवलपुरा स्थित श्री शनिदेव मंदिर में धार्मिक आयोजन किया गया। मंगलवार को वेदी पूजन व जलाधिवास का अनुष्ठान आचार्य चंद्रभूषण मिश्र के आचार्यत्व में हुआ। मंदिर के अध्यक्ष विनोद कुमार बिन्नू, सचिव विपुल मेहता, कोषाध्यक्ष सिकंदर कुमार उर्फ टन्नू ने बताया कि बुधवार को अन्नाधिवास, पुष्पाधिवास सहित अन्य अधिवास का अनुष्ठान किया जाएगा। 22 मई गुरुवार को नगर भ्रमण जुलूस व शैय्याधिवास का अनुष्ठान होगा। इसके अगले दिन 23 मई हनुमान जी महाराज के प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा, हवन पूजन का अनुष्ठान किया जाएगा। धार्मिक अनुष्ठान में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, सांसद, महापौर सीता साहू व उप महापौर रेश्मी चंद्रवंशी शामिल होंगी।

रूप सज्जा प्रतियोगिता में छात्रों ने विभिन्न वेश धर बिखेरा जलबा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

इन्फेंट जीजस मॉन्टेसरी विद्यालय परिसर में बालकों की सृजनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करने को रूप सज्जा प्रतियोगिता का मंगलवार को आयोजित किया गया। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती सरोज जायसवाल, प्राचार्य रंजन जोसेफ, व्यवस्थापक श्रीमती शुभदा कुलकर्णी, अभिभावक अंशु कुमारी एवं बेन्ना दत्त के द्वारा मंगलदीप प्रज्वलित कर एवं प्रार्थना के साथ किया गया। मॉन्टेसरी के छात्रों ने सुंदर वेशभूषा में मंच पर आकर अपनी प्रस्तुति दी। इनमें डॉक्टर, स्वतंत्रता सेनानी, देवी-देवताओं, सैनिक, किसान आदि की भूमिका निभाकर लोगों का मन मोह लिया।शिक्षकों ने छात्रों को विषय चयन, संवाद अदायगी और मंच प्रस्तुति में मार्गदर्शन दे प्रोत्साहित किया। उन सबों का आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सार्वजनिक बोलचाल के कौशल को निखारने में भूमिका निभाई। मांटेसरी-1 के विजेताओं में प्रथम स्थान इब्राहिम मोहम्मद, दूसरा रव्या चौधरी, तीसरा ज्योतिर्मय सिंह, मांटेसरी-2 में प्रथम त्रिशा गुप्ता, द्वितीय आर्यांश प्रकाश, तृतीय रयांश कुमार, मांटेसरी-3 में प्रथम युसुब अब्बास अली, द्वितीय आरुष राज व तृतीय स्थान जैनुर रहमान रहे।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

कारोबारी व समाजसेवी का निधन

धनबाद (झरिया)। युवा कारोबारी व समाजसेवी अमित केशरी का 37 वर्ष की आयु में निधन हो गया। झरिया के राज हॉस्पिटल रोड दालपट्टी के रहने वाले श्री प्रेम केशरी के पुत्र का धनबाद स्थित निजी नर्सिंग होम में इलाज के दौरान निधन हो गया। उसका अंतिम संस्कार दामोदर नदी के मोहलबनी में हुआ, जहां उसके पांच साल के बेटे अर्णव व अमन ने मुखाग्नि दी।अमित अपने पीछे पत्नी वर्षा, बेटा अर्णव, बेटी अन्वी, भाई अनूप केसरी, मां किरण सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए।

25 कॉर्टन में रहे ढाई लाख का टेट्रा पैक शराब बरामद, वाहन जब्त

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

उत्पाद विभाग की टीम ने चार पहिया वाहन पर पर लदा 25 कॉर्टन टेट्रा पैक विदेशी शराब को जब्त किया है। इसकी कीमत करीब ढाई लाख रुपया आंकी गई है। साथ ही स्कॉर्पियो को भी जब्त कर लिया गया है। यह जानकारी उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त प्रेम प्रकाश ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिली थी कि कदमकुआं थाना क्षेत्र के राजेंद्र नगर गोलंबर के पास शराब की डिलीवरी होने वाली है। इसके बाद उत्पाद के इंस्पेक्टर अजीत कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन कर छापेमारी के लिए भेजा गया। इसी दौरान कदमकुआं थाना क्षेत्र के गणपति कॉम्प्लेक्स के बगल में एक स्कॉर्पियो खड़ी मिली, जिस पर रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 29एवाई 3086 लगा था, को जब्त किया गया। उस पर 25 कार्टन में टेट्रा पैक शराब लदा था। इसकी कुल संख्या 1230 पीस थी और मात्रा करीब 216 लीटर था। जब्त किए गए शराब पर केवल उत्तर प्रदेश में बिक्री के लिए लिखा गया था। हालांकि इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। सहायक आयुक्त (उत्पाद) ने बताया कि छापेमारी टीम में उत्पाद के इंस्पेक्टर अजीत कुमार के साथ एएसआई शशि ऋषि, अजीत पटेल, सिंटू कुमारी, शमशाद हुसैन और सिपाही रजनीकांत शामिल थे।

अपार्टमेंट में चोरों ने बंद तीन फ्लैटों को निशाना बनाया

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर रूपसपुर थाना क्षेत्र स्थित जलालपुर हाइट्स अपार्टमेंट में चोरों ने बंद तीन फ्लैटों को निशाना बनाया। बीती रात नकाबपोश चोरों ने कंचनगंगा ब्लाक के दो एवं एवरेस्ट ब्लाक के एक फ्लैट का ताला काट पुरे फ्लैट को खंगाल कर भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस छानबीन करते हुए सीसीटीवी फूटेज खंगालने मे जुटी है। सीसीटीवी मे 12:06 मिनट पर अपार्टमेंट के दक्षिण पीपल के पेड़ की ओर से चाहरदिवारी फांद अपार्टमेंट मे घुसते बदमाश दिख रहे है। सभी मास्क पहने हुए थे, बैग टांगे सुबह के तीन बजे के आसपास अपार्टमेंट से निकलते दिख रहे है। पुलिस फ्लैट मालिक के आने की राह देख रही। दो फ्लैट के मालिक के रिश्तेदार फिलहाल पहुंचे है। प्राप्त समाचार के अनुसार रूपसपुर थाना क्षेत्र के जलालपुर हाइट्स अपार्टमेंट के एवरेस्ट ब्लॉक में फ्लैट संख्या 401 निवासी धर्मेंद्र कुमार सिंह व कंचनगंगा ब्लॉक के फ्लैट संख्या 101 निवासी उमाकांत चौधरी और फ्लैट संखया 205 निवासी देवाशीष कुमार के बंद फ्लैट को चोरों ने खंगाल दिया। बताया जाता है कि फ्लैट संख्या 401 निवासी धर्मेंद्र कुमार सिंह एनएचएई गोवा मे कार्यरत है। 9 मई के उनके परिवार के लोग बेटा के यहा रामगढ गये थे। फ्लैट बंद था। वही 101 उमाकांत चौधरी की बेटी रहती है वो भी यहा नही थे। 205 निवासी देवाशीष कुमार अपने परिवार के साथ लखनऊ गए हुए है। जिसका फायदा चोरो ने उठाया। चोरो ने घटना से पहले सीसीटीवी कैमरे को तोड़ने और घुमाने का प्रयास किया। घटना के बाद जेवरात व कीमती सामान बैग मे भरकर सुबह के करीब तीन बजे अपार्टमेंट की चारदीवारी फांदकर फरार हो गए। धर्मेंद्र कुमार के रिश्तेदार विजय कुमार ने बताया कि सुबह मे मेरी बहन ने चोरी की जानकारी दी। जिसपर यहा पहुंचे तो ताला टूटा था। कमरे मे सामान बिखड़ा था। चोर सभी कमरों के गोदरेज और आलमीरा के बक्से आदि तोड़कर सामान ले भागे। उनके आने के बाद चोरी गये सामान का पता चल पायेगा। लिए। अपार्टमेंट के सचिव अवधेश सिंह ने बताया कि अपार्टमेंट मे ऐसी ये पहली घटना है। चोरो ने एवरेस्ट ब्लॉक में फ्लैट संख्या 401 निवासी धर्मेंद्र कुमार सिंह व कंचनगंगा ब्लॉक के फ्लैट संख्या 101 निवासी उमाकांत चौधरी और फ्लैट संखया 205 निवासी देवाशीष कुमार के बंद फ्लैट को चोरी कर ली। सभी लोगो को सूचित कर दिया गया है। फ्लैट संख्या 101 मे उमाकांत चौधरी की बेटी रहती है वो भी यहा नही थे। 205 निवासी देवाशीष कुमार अपने परिवार के साथ लखनऊ गए हुए है। उधर सूचना पर पहुंची रूपसपुर पुलिस मामले की जांच करते हुए सीसीटीवी फूटेज खंगालने मे लगी है।

पुराने विवाद को लेकर पीटाई से जख्मी एक वृद्ध की इलाज के दौरान मौत

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर। शाहपुर थाना क्षेत्र के दियारा स्थित शंकरपुर मे पुराने विवाद को लेकर पीटाई से जख्मी एक वृद्ध की इलाज के दौरान मौत हो गयी। पुलिस ने मृतक के पुत्र विजेन्द्र राय के ब्यान पर मामला दर्ज किया। जिसमे राम वकिल राय राम बाबू उर्फ भूअर राय समेत 10 को नामजद किया गया। घटना के एक पखवाड़ा बाद भी पुलिस कोई कार्रवाई नही कर सकी है। पुलिस मामले की जांच मे जुटी है। घटना की सूचना एएसपी भानू प्रताप सिह भी मौके पर पहुंच छानबीन किये। बताया जाता है कि 02 मई को दियारा के मकसूदपुर निवासी देव कुमार राय जब भूसा लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान छःबिगहवा ढाब के पास पुराने विवाद को लेकर लोगो ने उनकी पीटाई कर दी। जिसमे वे गंभीर रूप से जख्मी हो गये। गंभीरावस्था मे देव कुमार को पीएमसीएच मे भर्ती कराया गया। इलाज के क्रम मे देव कुमार की मौत हो गयी। मृतक के पुत्र बिजेंद्र ने पुलिस को दिये ब्यान मे बताया है कि मै अपने पिता देव कुमार के साथ भूसा लेकर आ रहा था। तभी छःबिगहवा के पास पूर्व से विवाद को लेकर एक प्लान बना शंकरपुर निवासी राम वकिल राय, राम बाबु उर्फ भूअर राय समेत 10 लोगो ने जान मारने के नियत से मार पीट कर बुरी तरह जख्मी कर दिया।

लीड्स एशियन स्कूल मे सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर। नगर के अंतर्गत लीड्स एशियन स्कूल मे सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के चेयरमैन रामेश्वर सिंह ने किया। जिसमे जेईई एडवांस, बारहवीं और दसवीं में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित किया या गया। श्री सिंह ने कहा कि बच्चों का भविष्य शिक्षकों के हाथ में होता है। माता-पिता, शिक्षक-शिक्षिका प्रबुद्ध नागरिक गुरु के आशीर्वाद से बच्चे अथक प्रयास से अच्छा परिणाम लाते हैं। सचिव पुष्पा सिंहा ने कहा कि कुछ बच्चे तो ऐसे है जो नर्सरी से पढ़े हैं। इन सभी से हमारा प्यार और लगाव हमेशा बना रहेगा। भविष्य में भी सदैव विद्यार्थियों को विद्यालय परिवार सहयोग करता रहेगा।विद्यालय के प्राचार्य अजय कुमार ने बच्चो को अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए संकल्प शक्ति को जागृत तथा मजबूत करने का सन्देश दिया। कार्यक्रम मे छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी और मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया । सम्मानित विद्यार्थियों ने अपने अपने अनुभवों को अन्य विद्यार्थियों के बीच साझा किया।

राज्य में 20.5 लाख लोगों के निःशुल्क इलाज पर 2670 करोड़ हुए खर्च : मंगल

26, 27 और 28 मई को बिहार में पंचायत स्तर तक आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए चलेगा विशेष अभियान

2024-25 के वित्तीय वर्ष में राज्य में 1 हजार करोड़ रुपया हुए गरीबों के इलाज पर खर्च

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति, स्वास्थ्य विभाग की ओर से राज्य में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत नव सूचीबद्ध 68 निजी अस्पतालों का उन्मुखीकरण सह कार्यशाला का आयोजन पटना में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने किया। श्री पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि हर गरीब को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्राप्त हो और इसी उद्देश्य से इस योजना की शुरूआत की गई। उसी क्रम में प्रदेश में भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में गरीबों व वंचितों को योजनाअंतर्गत लाभ मिल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि 26, 27 और 28 मई 2025 को बिहार में पंचायत स्तर तक आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। श्री पांडेय ने कहा कि 2018 में शुरू हुई आयुष्मान योजना में अब तक राज्य में 1173 अस्पताल सूचीबद्ध हो चुके हैं, जिनमें 587 निजी और 586 सरकारी अस्पताल शामिल हैं। छह वर्षों में योजना ने 20.5 लाख लोगों को इलाज मुहैया कराया है, जिसमें अब तक 2670 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। सिर्फ 2024-25 के वित्तीय वर्ष में ही राज्य के अंदर 1000 करोड़ रुपये खर्च कर गरीबों का इलाज किया गया। बिहार में अब तक 3.75 करोड़ आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं, जिसमें से 2.8 करोड़ कार्ड केवल पिछले 14 महीनों में बने। बिहार पूरे देश में आयुष्मान कार्ड निर्माण में तीसरे स्थान पर है। मंत्री ने नए सूचीबद्ध 68 अस्पतालों से अपील की कि वे योजना के हर पहलू को समझें और अपने अस्पतालों में भी उन्मुखीकरण सत्र आयोजित करें ताकि स्टाफ योजना की बारीकियों को समझकर पारदर्शिता से सेवा कर सके।

ये रहें मौजूद :

इस अवसर पर मनोज कुमार सिंह, सचिव, स्वास्थ्य विभाग, बिहार, सुहर्ष भगत, कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार, शशांक शेखर सिन्हा, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति, आदित्य प्रकाश, अपर सचिव, स्वास्थ्य, अमिताभ सिंह, माननीय स्वास्थ्य मंत्री के आप्त सचिव, राजेश कुमार, प्रशासी पदाधिकारी, राज्य स्वास्थ्य समिति, शैलेश चन्द्र दिवाकर, प्रशासी पदाधिकारी, बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति, एवं बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के राज्य एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी, सलाहकार तथा कर्मी मौजूद रहे।

3.75 करोड़ पात्र लाभार्थी को मिला आयुष्मान कार्ड

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि योजना के तहत पिछले 6 वर्षों में कई उपलब्धियां हासिल की गई हैं। बिहार में अबतक कुल 1.57 करोड़ परिवारों एवं 3.75 करोड़ पात्र लाभार्थी को आयुष्मान कार्ड से आच्छादित किया जा चुका है। अबतक 70 वर्ष से अधिक उम्र के कुल 2.33 लाख पात्र लभुकों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड से आच्छादित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि देश में 29 हजार सूचीबद्ध अस्पताल हैं, जहां आयुष्मान कार्ड के तहत मुफ्त इलाज होता है। बिहार में अब तक 2.3 लाख पर वय वंदना कार्ड बनाया जा चुके हैं। बिहार में 1.79 करोड़ परिवार आयुष्मान योजना के लाभुक हो गए हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि इस उन्मुखीकरण कार्यशाला में आए हुए सभी लोगों को इस योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। अपने संबोधन में शशांक शेखर सिन्हा, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से सभी नागरिकों को निःशुल्क, सुलभ और गुणवत्ता-युक्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के महत्व को दोहराया।

अर्धसैनिक बलों के जवानों को मिले शहीद का दर्जा

तेजस्वी यादव ने लिखा अमित शाह को पत्र

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने अर्धसैनिक बलों के जवानों को शहीद का दर्जा दिलाने की मांग उठाई है। उन्होंने इसे लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। तेजस्वी ने पत्र की एक कॉपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न पर पोस्ट की। उन्होंने लिखा, मातृभूमि की रक्षा एवं देश की एकता व अखंडता की खातिर अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले अर्धसैनिक बलों के वीर जवानों को शहीद का दर्जा देने तथा उनसे संबंधित अन्य चिरलंबित मांगों को मैंने गृहमंत्री पत्र लिखा है। अमित शाह को लिखे पत्र में तेजस्वी ने कहा कि मैं आपका ध्यान एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय की ओर ले जाना चाहता हूं। हमारे देश की सुरक्षा में सेना और अर्धसैनिक बल देश की एकता, अखंडता एवं सम्प्रभुता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देते हैं। परंतु यह दुःखद एवं विचारणीय है कि मातृभूमि के लिए बलिदान देनेवाले शहीदों को शहादत उपरान्त मिलने वाले सम्मान, मुआवजा, सुविधाओं तथा अन्य लाभों में स्पष्ट भेदभाव है।

जहां एक ओर हमारे पराक्रमी भारतीय सेना के वीर शहीदों को राज्य और केन्द्र सरकारों की ओर से मुआवजा, सम्मान और परिवार को आर्थिक सहायता एवं सामाजिक सुरक्षा मिलती है, वहीं अर्धसैनिक बलों के शहीदों एवं उनके परिवारों को अपेक्षित सम्मान, सहायता एवं भविष्य की सुरक्षा नहीं मिल पाती है, जिसके वे भी समान रूप से हकदार हैं। राजद नेता ने आगे ओआरओपी की सुविधाएं इन बलों को भी देने की अपील की है। आगे लिखा है- अर्धसैनिक बलों के मनोबल को बरकरार रखने एवं ऊंचा उठाने के लिए इस भेदभाव को समाप्त करना अत्यंत आवश्यक है। अर्धसैनिक बलों के तरफ से भी कई दशकों से इनकी मांग लंबित है। अर्धसैनिक बलों के शहीदों के परिवारों को समान सम्मान, लाभ एवं मुआवजा मिल सके। सरकारी नौकरी, पेंशन एवं अन्य सरकारी सुविधाओं में सेना एवं अर्धसैनिक बलों के शहीदों के परिजनों में अनुरूपता हो। नेशनल वॉर मेमोरियल में अर्धसैनिक शहीदों के भी नाम दर्ज किए जाएं। नक्सलवाद, आंतकवाद निरोधी कार्रवाई, युद्ध अथवा युद्ध जैसी स्थिति में गम्भीर रूप से घायल या दिव्यांगता के बाद सैनिक,अर्धसैनिक बल के जवानों को सेवानिवृति दी जाती है। युद्धजनित जख्मों की वजह से कालान्तर में मृत्यु हो जाने पर इन्हें भी शहीद का दर्जा एवं सभी लाभ दिया जाए। समान परिस्थितियों में काम करने वाले सैनिक एवं अर्धसैनिक बलों के जवानों को वन रैंक वन पेंशन का लाभ दिया जाए।

एनडीए के शासनकाल में बेहतर हुई बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था : प्रभाकर

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बयान पर जोरदार पलटवार करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव में नकारात्मकता इतनी भर गयी है कि ये न कभी अच्छा सोच सकते हैं, न कभी अच्छा देख सकते हैं। तेजस्वी यादव की सोच बताती है कि ये सिर्फ विरोध की राजनीति करते हैं, ऐसे लोग बिहार के लिए कभी बेहतर कार्य नहीं कर सकते। श्री मिश्र ने मंगलवार को कहा कि बिहार के लोग 2005 के पहले के बिहार को नहीं भूले हैं। जब अस्पतालों में डॉक्टर नहीं होते थे। इलाज की कोई व्यवस्था नहीं रहने के कारण अस्पतालों से मरीज बैरंग लौट आते थे। ऑपरेशन थियेटर में मशीनें जंग खा रही थीं।

अस्पतालों में आलम यह था कि बेडों पर कुत्ते विश्राम करते थे। श्री मिश्र ने कहा कि असल में तेजस्वी यादव की आदत बिगड़ गयी है, वे बार-बार सूर्य पर थूकते हैं और उसका परिणाम भी भुगतते हैं, लेकिन इनकी आदत नहीं सुधरती। श्री मिश्र ने कहा तेजस्वी यादव अपने माता-पिता के शासनकाल में स्वास्थ्य विभाग में किया गया कोई एक कार्य भी बताएं। लालू-राबड़ी के शासनकाल में बिहार के अस्पताल वीरान हो गये थे। सिर्फ मोटी रकम पर प्राइवेट अस्पताल में इलाज होता था। गरीबों की जिंदगी भगवान भरोसे थी। प्राइवेट क्लीनिक चलाने वाले डॉक्टरों को सीएम हाऊस हफ्ता पहुंचाना पड़ता था। अब स्थितियां कितनी बेहतर हो गयी है, ये उन्हें नहीं दिखता, तो उनकी आंख और उनके दिमाग का दोष है।

पूर्व जिलाध्यक्ष के निधन पर कांग्रेस नेताओं ने जताया शोक

पटना। जहानाबाद जिला कांग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष उपेंद्र प्रसाद कुशवाहा के असामयिक निधन पर बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम सहित वरिष्ठ नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। जहानाबाद के पूर्व जिलाध्यक्ष उपेंद्र प्रसाद कुशवाहा के निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि वे आजीवन कांग्रेस के विचारधारा को मजबूत करते रहें। उनके निधन से मन मर्माहत है। उनका निधन पार्टी के लिए मगध क्षेत्र में पार्टी के लिए गहरा आघात है। उनके परिवार के साथ कांग्रेस पार्टी और व्यक्तिगत तौर पर मैं मजबूती से खड़ा रहूंगा। साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने बक्सर जिले के वरिष्ठ कांग्रेस नेता विपिन बिहारी उपाध्याय और लखीसराय के बड़हिया के गंगोत्री सिंह के निधन पर भी गहरा शोक व्यक्त किया। शोक व्यक्त करने वालों में कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता डॉ शकील अहमद खान , विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डॉ मदन मोहन झा, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह , कोषाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता आदि थे।

उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री ने किया राज्यस्तरीय खरीफ कर्मशाला का उद्घाटन

खरीफ फसलों की वैज्ञानिक खेती पर विशेष जोर : विजय

जलवायु अनुकूल कृषि और जैविक खेती को मिलेगा बढ़ावा

■ खरीफ मौसम की तैयारियों पर विस्तृत तकनीकी सत्रों का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मंगलवार को बामेती सभागार में राज्य स्तरीय खरीफ महाभियान सह कर्मशाला 2025 का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने की। उप मुख्यमंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य खरीफ मौसम के लिए राज्य भर में कृषि योजनाओं एवं तकनीकी कार्यक्रमों का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय में वृद्धि तथा जलवायु अनुकूल टिकाऊ कृषि व्यवस्था के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि खरीफ महाभियान के अंतर्गत किसानों तक नई कृषि तकनीकों का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसके अंतर्गत बीज वितरण कार्यक्रम के माध्यम से उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज समय पर किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे फसलों के उत्पादन एवं उत्पादकता और बेहतर हो सके। श्री सिन्हा ने खरीफ मौसम में विभिन्न फसलों पर प्रत्यक्षण कार्यक्रम चलाकर किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से खेती हेतु प्रोत्साहित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि सभी किसानों का डिजिटल पंजीकरण कर उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। जैविक खेती प्रोत्साहन योजना के तहत जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण, प्रमाणीकरण और विपणन की व्यवस्था की जा रही है। इसके अतिरिक्त जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम 2025-26 के माध्यम से सूखा एवं बाढ़ जैसी परिस्थितियों के प्रति सहनशील किस्मों और समेकित कृषि तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कृषि यांत्रिकरण योजना की जानकारी देते हुए बताया कि आधुनिक कृषि यंत्रों की उपलब्धता एवं कस्टम हायरिंग केंद्रों की स्थापना के माध्यम से किसानों की उत्पादकता में वृद्धि हो रही है। खरीफ महाभियान में उर्वरकों एवं अन्य आगतों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार अग्रिम कदम उठा रही है। महाभियान के अंतर्गत डिजिटल टूल्स के उपयोग से किसान समय पर सही जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

खरीफ महाभियान का मुख्य उद्देश्य

खरीफ महाभियान में किसानों को बदलते मौसम के परिवेश में धान की सीधी बुआई, जीरो टिलेज से धान की खेती, दलहनी फसलों की वैज्ञानिक खेती, ड्रीप और स्प्रींकलर सिंचाई पद्धति की उपयोगिता आदि विषय की जानकारी दी जायेगी। राज्य में जैविक खेती को विस्तार करने हेतु प्रोत्साहित किया जायेगा। जिन क्षेत्रों/पंचायतों में फसल अवशेष के जलाने की घटनायें पूर्व में होती रही हैं, उन पंचायतों में खरीफ महाभियान रथ में विशेषकर फसल अवशेष को नहीं जलाने के संबंध में राज्य सरकार द्वारा तैयार वृत्तचित्र को विशेष रूप से चलाया जायेगा।

प्रत्येक खरीफ महाभियान रथ के चारों तरफ फ्लैक्सी लगाकर कृषि से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी जायेगी। प्रत्येक खरीफ महाभियान रथ पर एक ऑडियो सिस्टम भी लगातार चलता रहेगा, जिसके माध्यम से कृषि संबंधित योजनाओं की जानकारी दी जायेगी। रथ के माध्यम से प्रखंड स्तरीय कृषि कर्मशाला की जानकारी दी जायेगी तथा किसानों को कर्मशाला में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जायेगा।

मोटे अनाजों की खेती से किसानों की आमदनी बढ़ेगी

उप मुख्यमंत्री ने संकर धान, मक्का, मोटे अनाज , दलहन एवं तेलहन की वैज्ञानिक खेती पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इन फसलों की उन्नत खेती से किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने खरीफ मौसम में लगने वाली फसलों के कीट व रोग प्रबंधन के लिए समेकित तकनीकों को अपनाने की सलाह दी। खरीफ फसलों एवं प्याज की वैज्ञानिक खेती एवं उनके विपणन पर भी विस्तृत जानकारी साझा की गई। विभागीय सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि खरीफ मौसम में राज्य के कृषि तंत्र को मजबूत करने के लिए सभी संबंधित विभागों एवं जिलास्तरीय इकाइयों को समन्वयपूर्वक कार्य करना होगा।

निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के लिए राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

पटना। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन -2025 की तैयारियों के मद्देनजर मंगलवार को अधिवेशन भवन में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के लिए राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दूसरे व अंतिम चरण में मंगलवार को सभी जिलों से 120 निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी शामिल हुए। प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल के द्वारा सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को अपने-अपने क्षेत्रों में बूथों का भौतिक सत्यापन करने तथा आश्वस्त न्यूनतम सुविधा अभी से ही पूरा करने का निदेश दिया गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा निर्वाचक सूची के शुद्धिकरण के लिए जन्म-मृत्यु पंजीकरण आंकड़ों से मदद लेने का निदेश दिया गया।

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए जवानों को शहीद का दर्जा मिले : भाकपा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, बिहार का प्रतिनिधिमंडल आज पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय के नेतृत्व में आपरेशन सिंदूर के दौरान सारण जिला के सपूत शहीद मो इम्तियाज और सिवान जिला के रामबाबू के परिवारों से मिला। शहीद इम्तियाज 10 मई और शहीद रामबाबू 12 मई को युद्ध के मैदान में लड़ते हुए शहीद हुए थे।

भाकपा नेताओं से दोनों परिवारों ने इस बात के लिए दुख व्यक्त किया कि सरकार देश के लिए शहीद हुए जवानों को शहीद का दर्जा नहीं दे रही है। इम्तियाज 10 मई को आर एस पूरा सेक्टर, जम्मू में एस आई के रूप में मोर्टार, ड्रोन और भारी आर्टिलरी हमले के दौरान अपनी टीम का नेतृत्व करते सुबह करीब साढ़े पांच बजे घायल हो गए और उसी शाम वीरगति को प्राप्त हुए। जब कि वासिलपुर, सिवान के रामबाबू सिंह भी जम्मू सेक्टर में ही 12 मई को शहीद हुए। रामबाबू सिंह के ग्रामीणों ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से कोई प्रतिनिधि शहीद परिवार से अब तक मिलने तक नहीं आया।

का रामनरेश पाण्डेय ने शहीद परिवारों से मिलने के बाद वीरगति प्राप्त सभी जवानों को शहीद का दर्जा देने, वाजिब मुआवजा तथा परिवार के सदस्यों को योग्यतानुसार नौकरी देने, साथ ही दोनों शहीदों का स्मारक बनाने की मांग की है।

जर्जर स्वास्थ्य व्यवस्था को नीतीश ने जन-कल्याण का मॉडल बनाया : उमेश

कहा- सरकार की प्राथमिकता और प्रयासों का साफ दिख रहा असर

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि बिहार की जनता ने एक ऐसा दौर देखा है जब अस्पताल नाम मात्र के थे और इलाज केवल कागजों पर होता था। उन्होंने कहा कि लालू-राबड़ी शासनकाल में जर्जर हो चुकी स्वास्थ्य व्यवस्था को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने न सिर्फ पटरी पर लाया, बल्कि इसे जन-कल्याण का मॉडल भी बनाया। श्री कुशवाहा ने बताया कि वर्ष 2004-05 में स्वास्थ्य विभाग का बजट तकरीबन 700 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि एक सुव्यवस्थित नीति, निरंतर निगरानी और हमारे नेता की मजबूत इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2005 से पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति इतनी खराब थी कि महीने भर में औसतन केवल 39 मरीज ही इलाज के लिए पहुंचते थे, लेकिन आज यह संख्या 11 हजार के पार है, जो दशार्ता है कि आमजन का विश्वास फिर से सरकारी अस्पतालों पर लौटा है। प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि वर्ष 2005 तक राज्य में केवल 6 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे, जो अब बढ़कर 12 हो गए हैं, जबकि 22 नए मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। अब छात्रों को उच्च स्तरीय चिकित्सा शिक्षा के लिए राज्य से बाहर जाने की बाध्यता नहीं रह गई है। साथ ही, कई जिलों में एएनएम और जीएनएम कॉलेजों की स्थापना से बिहार की स्वास्थ्य सेवा को प्रशिक्षित मानव संसाधन के रूप में एक मजबूत आधार मिला है। प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी बताया कि डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति, पर्याप्त नर्सिंग स्टाफ और जरूरी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। श्री कुशवाहा ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता और लगातार प्रयासों का असर साफ दिखाई दे रहा है। वर्ष 2005 की तुलना में शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर और नवजात मृत्यु दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

सूबे में स्वास्थ्य व्यवस्था फिर से बदहाल : तेजस्वी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पटना के दूसरे सबसे बड़े अस्पताल नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ऑपरेशन के बाद बेड पर सो रहे मरीज की पांचों ऊंगलियां चूहों ने कुतर दी थी। इस घटना को लेकर तेजस्वी यादव ने सरकार पर तीखा तंज किया है। उन्होंने दावा किया है 17 महीनों में स्वास्थ्य विभाग में उन्होंने जो काम किया था, उसे बदहाल कर दिया गया है। बिहार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने एक्स पर उस मरीज का वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती दिव्यांग मरीज जो रात के समय गहरी नींद में थे तो उनके पैर की उंगलियों को चूहे ने कुतर दिया। इसी अस्पताल में बीते दिनों एक मृतक की आंख को चूहे ने कुतर दिया था लेकिन किसी पर अभी तक कोई कारवाई नहीं हुई।

तेजस्वी ने लिखा, अंदरखाने आरएसएस व बीजेपी के सीएम उम्मीदवार बन इतरा कर घूम रहे स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने हमारे द्वारा 17 महीने के कार्यकाल में दिन-रात मेहनत कर सुधारी-संवारी गयी स्वास्थ्य व्यवस्था को फिर से बदहाल कर दिया है। अब स्वास्थ्य विभाग फिर से दुर्गति पथ पर है। अंत में तेजस्वी लिखते हैं, जो विभाग अपने अस्पतालों में साफ-सफाई और सुरक्षा तक की व्यवस्था नहीं कर पाता, जहां अच्छा भला आदमी बीमार हो जाए वो मरीजों का क्या इलाज करेगा?

नये पुलों के निर्माण के साथ पुराने पुलों को सुदृढ़ करना भी आवश्यक : नितिन

पथ निर्माण मंत्री ने पुलों के सुरक्षा एवं ऑडिट विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने विभाग के द्वारा आयोजित पुलों के सुरक्षा एवं ऑडिट विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि नये पुलों का निर्माण जितना आवश्यक है उतना ही पुराने पुलों के संरचनाओं को सुदृढ़ एवं उसका संधारण करना भी आवश्यक है। इस कार्य व्यवहार से राज्य के संसाधन का ह्रास नहीं होगा तथा आम जनमानस को उनके आवागमन में तकलीफ नहीं होगी। माननीय मंत्री ने विभागीय अभियंताओं को सतत रूप से दक्ष बनाने और नवीनतम तकनीक से परिचित कराने के लिए इस पहल की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने बिहार राज्य में संरचनाओं के विकास में जो स्तंभ रखा है उसे संरक्षित किए जाने की जरूरत है। सिर्फ नये परियोजनाओं का क्रियान्वयन ही उद्येश्य ना हो बल्कि जितनी भी परियोजनाऐं अबतक मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार राज्य में क्रियान्वित हुई है उनका संरक्षण सतत अनुश्रवण एवं त्वरित रूप से आई कमियों का निराकरण आवश्यक है। इस क्रम में सुनियोजित पुल संधारण व्यवस्था के संबंध में उन्होंने बताया कि प्रभावी कार्यान्वयन के लिए यह आवश्यक है कि सभी अभियंता तकनीकी प्रक्रियाओं से पूरी तरह परिचित हों। उन्होंने कहा कि अभियंताओं के कौशल संबर्धन के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण नियमित रूप से आयोजित किया जाय। ताकि पुलों की देखरेख और संधारण की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी एवं वैज्ञानिक ढंग से की जा सके। मंत्री ने यह भी कहा कि संरचनात्मक ऑडिट रिपोर्ट विभाग के लिए एक मूल्यवान डेटा बैंक की तरह कार्य करेगाए जिससे आगे की योजना एवं नीतिगत निर्णयों में सहायता मिलेगी।

जल्द ही बाकी पुलों पर भी ऑडिट का काम शुरू होगा :

इस मौके पर बीएसआरडीसीएल के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक ने कहा कि अभियंता इस प्रशिक्षण से जो कुछ सीखेंए उसे अपने फील्ड के काम में जरूर लागू करें। उन्होंने बताया कि कई पुलों का ऑडिट काम पहले ही शुरू हो चुका है और जल्द ही बाकी पुलों पर भी यह काम शुरू होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम भविष्य में भी चलते रहेंगेए ताकि राज्य के पुलों का संधारण और मजबूत तरीके से हो सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में फिजिकल कंडीशन सर्वे, ब्रिज सेफ टी ऑडिट पुलों की जांच की प्रक्रिया और आधुनिक उपकरणों के इस्तेमाल जैसे कई तकनीकी विषयों पर विशेषज्ञों एवं विभाग के वरीय अभियंताओं द्वारा कार्यशाला में हिस्सा ले रहे विभागीय अभियंताओं को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में पथ निर्माण विभाग के कनीय अभियंता एवं सहायक अभियंताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्येश्य अभियंताओं को पुलों के रख रखाव, उनकी सतत निगरानी एवं संरचनात्मक दृष्टिकोण से उन संरचनाओं को लंबी आयु तक क्रियान्वित रखने के लिए आधुनिक तकनीक तथा विश्व में अपनायी जा रही नवीनतम तकनीक से रूबरू कराया जाना है। पथ निर्माण विभाग के द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्येश्य यह भी है कि अभियंताओं को पुल संधारण की उपयोगिता बतायी जाय जिससे पुलों की क्षति को रोका जा सके।

प्रकृति के महान चितेरे और मानवतावादी कवि थे सुमित्रानन्दन पंत

जयंती पर पत्रिका दूसरा मत के गजल विशेषांक का हुआ लोकार्पण

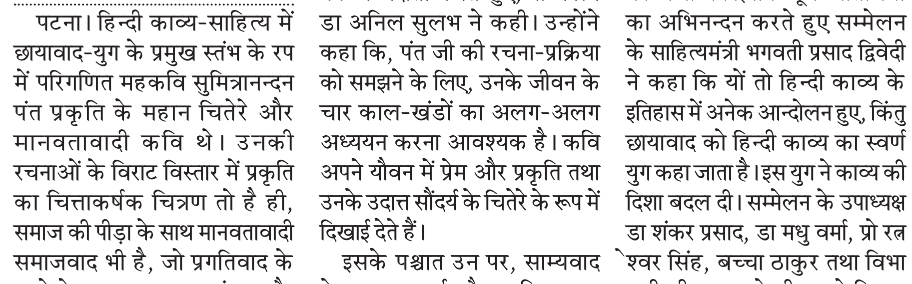

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। हिन्दी काव्य-साहित्य में छायावाद-युग के प्रमुख स्तंभ के रप में परिगणित महकवि सुमित्रानन्दन पंत प्रकृति के महान चितेरे और मानवतावादी कवि थे। उनकी रचनाओं के विराट विस्तार में प्रकृति का चित्ताकर्षक चित्रण तो है ही, समाज की पीड़ा के साथ मानवतावादी समाजवाद भी है, जो प्रगतिवाद के रास्ते से अध्यात्म-वाद पर संपन्न और संपूर्ण होता है। यह बातें मंगलवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में पंत-जयंती और कवि सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन डा अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि, पंत जी की रचना-प्रक्रिया को समझने के लिए, उनके जीवन के चार काल-खंडों का अलग-अलग अध्ययन करना आवश्यक है। कवि अपने यौवन में प्रेम और प्रकृति तथा उनके उदात्त सौंदर्य के चितेरे के रूप में दिखाई देते हैं।

इसके पश्चात उन पर, साम्यवाद के जनक मार्क्स और प्रगतिवाद का प्रभाव दिखता है। इस अवसर पर पाक्षिक पत्रिका दूसरा मत के विशेष गजल-अंक का लोकार्पण भी किया गया। पत्रिका के इस अंक में अनेक शायरों की गजलें भी प्रकाशित हुई हैं और शायरी की इस खूबसूरत विधा पर अनेक विद्वानों के आलेख भी सम्मिलित किए गए हैं। पत्रिका के संपादक और शायर ए आर आजाद ने पत्रिका के साहित्यिक अवदानों पर चर्चा की।इसके पूर्व अतिथियों का अभिनन्दन करते हुए सम्मेलन के साहित्यमंत्री भगवती प्रसाद द्विवेदी ने कहा कि यों तो हिन्दी काव्य के इतिहास में अनेक आन्दोलन हुए, किंतु छायावाद को हिन्दी काव्य का स्वर्ण युग कहा जाता है। इस युग ने काव्य की दिशा बदल दी। सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा शंकर प्रसाद, डा मधु वर्मा, प्रो रत्नेश्वर सिंह, बच्चा ठाकुर तथा विभा रानी श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कवियों और कवयित्रियों ने भी काव्य-पाठ किया।

संक्षिप्त खबरें

कटरा प्रखंड के राजस्व कर्मचारी निलंबित

मुजफ्फरपुर। जिलाधिकारी ने कटरा अंचल के बर्री पंचायत के राजस्व कर्मचारी रंजीत कुमार को परिमार्जन के लिए अवैध राशि की मांग किए जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। अंचल अधिकारी कटरा को आदेश दिया गया है कि राजस्व कर्मचारी के विरुद्ध आरोप पत्र गठित कर भूमि सुधार उपसमाहर्ता पूर्वी के माध्यम से एक सप्ताह के अंदर विभाग को भेजना सुनिश्चित करें ताकि उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारंभ की जा सके। बताते चलें कि कटरा अंचल के राजस्व कर्मचारी का एक ऑडियो क्लिप वायरल पाये जाने पर इसकी जांच अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी द्वारा कराया गया। अनुमंडल पदाधिकारी ने जांचोपरांत प्रतिवेदित किया कि भूमि के परिमार्जन हेतु 18 अप्रैल को ऑनलाइन आवेदन के निष्पादन के लिए आवेदक से अवैध राशि की मांग की गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पदाधिकारी ने त्वरित रूप से कठोर कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित कर दिया है। जिलाधिकारी ने कहा है कि सरकारी कामकाज पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी एवं जवाबदेही से करना है। सरकारी कार्य में अनियमितता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अनियमितता करनेवालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

मधुबनी में शराब तस्करी का भंडाफोड़, 68 लीटर शराब बरामद

मधुबनी नगर थाना पुलिस ने चाचवा चौक के पास आज सुबह गश्त के दौरान शराब तस्करी का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने एक कार से 68 लीटर शराब बरामद किया है। इसमें 24 लीटर विदेशी शराब और 44 लीटर बीयर शामिल है। जब्त शराब की कीमत लाखों में बताई जा रहा है पुलिस ने कार में सवार एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान गदियानी निवासी सोनू राम के रूप में हुआ है। दूसरा तस्कर मौके से फरार हो गया। पूछताछ में सोनू ने बताया कि वह शराब की खेप गदियानी निवासी राजा साह को पहुंचाने जा रहा था नगर थानाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने बताया कि राजा साह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर लीया गया है। उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस फरार तस्कर और अन्य शराब कारोबारियों की पहचान कर रही है। थानाध्यक्ष ने कहा कि अवैध शराब कारोबार में शामिल किसी को भी नहीं बख्शा जाएगा। शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू किया जा रहा है। पुलिस ने शराब और कार को जब्त कर लिया है। वही सोनू राम को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत 49 योजनाओं का किया गया शिलान्यास

दरभंगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कर-कमलों द्वारा बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड द्वारा कार्यान्वित मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत कुल 1002 करोड़ रुपये की लागत से 1327 योजनाओं का शिलान्यास एवं पटना स्मार्ट सिटी मिशन परियोजनान्तर्गत ड्रेनेज पम्पिंग स्टेशन का आईसीसीसी से एकीकरण एवं स्वचालन योजना का उद्घाटन किया गया। इसी कड़ी में बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड द्वारा कार्यान्वित दरभंगा जिला अंतर्गत मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना के तहत 24.77 करोड़ रुपए की लागत से 49 योजनाओं का शिलान्यास किया गया।इस अवसर पर बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर सभागार में बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी, महापौर श्रीमती अंजुम आरा, उप महापौर नाजिया हसन, जिलाधिकारी राजीव रौशन,सहायक समाहर्ता के परीक्षित, उप विकास आयुक्त चित्रगुप्त कुमार, नगर आयुक्त राकेश कुमार गुप्ता, उप निदेशक जनसंपर्क सत्येंद्र प्रसाद एवं अन्य संबंधित प्राधिकारी गण उपस्थित थे।

विकासात्मक योजनाओं एवं राजस्व कार्यों को ससमय पूरा करें : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सरकार की विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं तथा राजस्व संबंधी कार्यों का पूरी पारदर्शिता, ईमानदारी एवं जवाबदेही से ससमय पूरा करें। सरकारी कार्य में कोताही, लापरवाही एवं अनियमितता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके विपरीत आचरण करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। ये बातें जिला पदाधिकारी श्री सुब्रत कुमार सेन ने जिला समन्वय समिति एवं राजस्व संबंधी कार्यों की समाहरणालय में अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में कही। बैठक में जिलाधिकारी ने सोलर लाइट के अधिष्ठापन की जांच प्रखंड स्तर के कर्मियों से कराने तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी को इस आशय का प्रतिवेदन भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी

को स्पष्ट निर्देश दिया कि सोलर लाइट कार्यरत अवस्था में रहे तथा इसकी लगातार मानिटरिंग करना सुनिश्चित करें ताकि जन सामान्य को सोलर लाइट का लगातार लाभ मिलता रहे। जिलाधिकारी ने पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता, कार्य प्रमंडल मुजफ्फरपुर एवं मोतीपुर को छूटे हुए टोलों के सभी घरों में जल्द पेय जलापूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही नल जल से आच्छादित 5032 आंगनबाड़ी केन्द्रों की जांच कर सभी केंद्रों पर जलापूर्ति की सुचारु व्यवस्था रखने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान पाया गया कि मनरेगा के द्वारा 213 आंगनबाड़ी केंद्र के भवनों का निर्माण होना है जिसमें 61 भवनों का निर्माण पूरा कर आईसीडीएस को हस्तगत करा दिया गया है। जिलाधिकारी ने शेष भवनों के निर्माण कार्य में तेजी लाकर जल्द पूरा करने का निर्देश दिया

डॉ आंबेडकर समग्र सेवा अभियान की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि समाज के सबसे गरीब तबका के लिए आयोजित कार्यक्रम में कोई भी परिवार सरकारी लाभ से वंचित नहीं रहे इसका पूरा ध्यान रखने का सख्त निर्देश डीडब्ल्यूओ एवं बीडीओ को दिया।

उन्होंने कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि शिविर में प्रतिनियुक्त सभी कर्मी उपस्थित रहेंगे तथा शिविर में लाभुकों को स्वीकृति पत्र हस्तगत कराना तथा आवेदन पत्र का शीघ्र निष्पादन करना सुनिश्चित करेंगे। प्रखंड विकास पदाधिकारी अपने क्षेत्र के दो शिविरों का स्वयं निरीक्षण करेंगे। प्रखंड कल्याण पदाधिकारी ,मीनापुर से स्पष्टीकरण करते हुए वेतन स्थगित किया गया है। इसके अतिरिक्त कटरा एवं औराई के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारी से स्पष्टीकरण किया गया है। नल जल योजना के तहत अनुरक्षक का भुगतान लंबित रखने के कारण पारु, मरवन, मोतीपुर और गायघाट के प्रखंड विकास पदाधिकारी से स्पष्टीकरण किया गया है। म्यूटेशन की समीक्षा करते हुए पाया गया कि जिला स्तर पर 93.08 प्रतिशत मामलों का निष्पादन किया गया है। जिलाधिकारी ने सभी सीओ, आरओ एवं राजस्व कर्मचारी को म्यूटेशन के मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी पारदर्शिता एवं ईमानदारी से त्वरित कार्रवाई कर निष्पादन करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने की बाढ़ पूर्व तैयारी की समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों एवं सभी अंचलाधिकारी के साथ बाढ पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपदा प्रबंधन विभाग की मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारी ससमय पूरा करने का निर्देश दिया।डीएम ने सभी अंचलाधिकारी को अपने-अपने क्षेत्र के तटबंधों की सुरक्षा एवं सुदृढ़ीकरण हेतु तटबंधों का निरीक्षण जल संसाधन विभाग के अभियंताओं के साथ करने तथा अद्यतन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। इस दौरान शरण स्थली, सामुदायिक किचेन के संचालन की सभी व्यवस्था, सरकारी एवं निजी नाव की भौतिक स्थिति तथा निबंधन जांच करने, वर्षा मापक यंत्र की क्रियाशीलता की भी जांच करने का निर्देश दिया। बाढ़ राहत सामग्री का दर निर्धारण करने का भी निर्देश दिया गया। उन्होंने गोताखोर और ,शरण स्थली की सूची तैयार कर भेजने को कहा।जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता को भी तटबंधों का निरीक्षण करने तथा अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी एवं पश्चिमी तथा प्रखंडों के वरीय पदाधिकारी को भी क्षेत्र भ्रमण कर उक्त आशय से संबंधित विषयों की जांच कर समुचित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। सिविल सर्जन को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में हेल्थ कैंप के संचालन, आवश्यक दवा की उपलब्धता आदि की व्यवस्था करने को कहा। जिला पशुपालन पदाधिकारी को पशु चारा, पशु दवा आदि की उपलब्धता बनाए रखने का निर्देश दिया । समीक्षा बैठक में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के दोनों कार्यपालक अभियंता को पेयजल एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था का आकलन करने तथा लघु सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता को अकार्यरत नलकूप को ठीक करने का निर्देश दिया गया।

मधुबनी में 35 वर्षीय महिला का शव घर में मिला,पति मजदूरी के लिए बाहर, तीन बच्चों की थी मां, जांच जारी

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिले के बासोपट्टी थाना क्षेत्र के चानन गांव में आज सुबह एक महिला का शव उसके घर से मिला है। मृतका की पहचान संदीप शर्मा की पत्नी रिंकू देवी 35 के रूप में हुई है। महिला का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई स्थानीय लोगो की सूचना पर बासोपट्टी थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंचा। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मधुबनी सदर अस्पताल भेज दिया है।मृतका के पति संदीप शर्मा मजदूरी के लिए बाहर रहते हैं। दंपति के तीन बच्चे है, जिनमें से एक होस्टल में रहकर पढ़ाई करता है। घटना की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए।ग्रामीणों में इस मामले को लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही हैं। कुछ लोग इसे आत्महत्या बता रहे है, तो कुछ साजिश की आशंका जता रहे है। परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण पारिवारिक तनाव भी एक संभावित कारण माना जा रहा है। वहीं, मृतका के परिजन मामले को लेकर कुछ भी बोलने से इनकार कर रहे हैं।थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणो का पता चल सकेगा पुलिस हर पहलू से मामले की जांच में जुट चुके है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत समानता की ओर अग्रसर : हुकुमदेव नारायण यादव

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिला भाजपा कार्यालय पर भाजपा की पहली कार्यसमिति की बैठक जिला अध्यक्ष प्रो आदित्य नारायण चौधरी मन्ना के अध्यक्षता में आहूत हुई। कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी व अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। बैठक में कार्यकर्ता दरबार एवं पशु वध अधिनियम संबंधित प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ। शहर और इसके आसपास का दर्जनों सार्वजनिक स्थानों पर मुख्य सड़क के किनारे ,धार्मिक व शैक्षणिक स्थानों के इर्द-गिर्द खुले आम पशुवध किया जा रहा है। भाजपा जिला कार्यसमिति यह प्रस्ताव पारित की है कि बिना लाइसेंस प्राप्त कोई भी व्यक्ति या संस्था यदि इस प्रकार मांस बिक्री करता है तो जिला प्रशासन अभिलंब कठोर कानूनी कार्रवाई करें। सड़क के किनारे खुले में मांस बिक्री करने वाले पर अभिलंब कार्रवाई करें। किसी मंदिर अथवा धार्मिक स्थल के सामने मांस बिक्री पर रोक लगे। इसके साथ ही कार्यकर्ता दरबार संबंधी प्रस्ताव में जिला भाजपा की ओर से यह कहा गया कि जिले में एक दिन कार्यकर्ता दरबार का आयोजन होना चाहिए ताकि कार्यकर्ता को भी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कहीं भटकना नहीं पड़े। बैठक को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं सेक्टर प्रभारी राणा रणधीर सिंह ने संगठनात्मक विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा की सभी सभी कार्यकर्ता अपने-अपने गांव में संगठण को मजबूत करने का काम करें ताकि आने वाले विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर चुनाव जीत सकें। कार्यमिति की बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री पद्म भूषण हुकुमदेव नारायण यादव ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी समग्र समाज की पार्टी बन चुकी है। उन्होंने कार्यकताओं को आह्वान किया कि आप गांव जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कार्यों की चर्चा करें और नए लोगों खासकर नौजवान को संगठन से जोड़ने का काम करें। बैठक में ऑपरेशन सिंदूर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया गया। बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी,नगर विकास एवं आवास मंत्री जीवेश कुमार, मधुबनी के सांसद डॉ अशोक यादव, दरभंगा के सांसद डॉ गोपाल जी ठाकुर,राज्यसभा सांसद धर्मशिला गुप्ता, पिछड़ा एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री हरि साहनी ने सम्बोधित किया।बैठक का संचालन जिला महामंत्री सुजीत मल्लिक एवं धन्यवाद ज्ञापन हायाघाट के विधायक रामचंद्र प्रसाद ने किया।इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह, पूर्व प्रदेश महामंत्री सुशील चौधरी, हायाघाट के विधायक डॉ रामचंद्र प्रसाद ,केवटी के विधायक डॉ मुरारी मोहन झा, जिला प्रभारी उमेश कुशवाहा ,पूर्व विधायक अमरनाथ गामी, पूर्व विधान पार्षद अर्जुन सहनी, पूर्व जिला अध्यक्ष जीवछ साहनी, डॉ बैद्यनाथ चौधरी बैजू, डॉ प्रेम मोहन मिश्रा ,रंगनाथ ठाकुर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य निर्भय

मिथिला के पाग का अपमान करना कांग्रेस की सोची समझी रणनीति : सांसद

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा । कांग्रेस पार्टी तथा उसके नेताओं के द्वारा मिथिला की संस्कृति, मिथिला की विरासत तथा गरिमा को लगातार ठेस पहुंचाया जा रहा है । कांग्रेस के सांसद मुहम्मद जाबेद के द्वारा अपने सर से पाग को उतारकर नीचे करना इसका ज्वलंत उदाहरण है। दरभंगा सांसद डा गोपाल जी ठाकुर ने कांग्रेस सांसद के इस बर्ताव को साढ़े आठ करोड़ मिथिलावासियों का अपमान बताते हुए कहा कि अपने माथे पर पाग पहनने के बाद उसे उतारकर नीचे फेकना कहीं से भी उचित नहीं है क्योंकि पाग न केवल मिथिला की पहचान है बल्कि कविकोकिल विद्यापति बाबा नागार्जुन जैसे मिथिला विभूतियों की विरासत की एक कड़ी है जिसे आगे बढ़ाना सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। कांग्रेस पार्टी तथा इसके नेताओं की सोच को कुंठित मानसिकता का परिचायक बताते हुए कहा कि जिस पाग और मिथिला पेटिंग की चर्चा सम्मान के साथ देश के राष्ट्रपति तथा पीएम जैसे गणमान्यों के द्वारा गर्व से किया जाता है वैसे सम्मान के प्रतीक पाग को माथे पर पहनने के बाद उतारकर नीचे करना कही से भी उचित नहीं है। मिथिला क्षेत्र के लिए पाग की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि धार्मिक साधना से लेकर सामाजिक आयोजनों में लोग जिस पाग को आस्था के साथ अपने मस्तक पर धारण किया करते हैं उस पाग का इस तरह से अपमान निश्चित रूप से दुखद है।

प्राकृतिक सौंदर्य ,चंचलता और नवीनता के कवि हैं पंत : चंद्रभूषण सिंह चंद्र

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सुमित्रानंद पंत प्रकृति की कोमल भावनाओं व अनुभूतियों के कवि हैं। इनकी कविताओं में सौंदर्य है,मादकता है,आह्लाद है,नवीनता है व चंचलता की गहराई है। साहित्य भवन कांटी में मंगलवार को आयोजित सुमित्रानंदन पंत की जयंती समारोह में अध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह चंद्र ने यह बातें कही। नूतन साहित्यकार परिषद की ओर से आयोजित कार्यक्रम में चंद्र ने कहा कि हिंदी साहित्य के आधुनिक युग के ऐसे बहुमुखी प्रतिभा वाले कवि हैं, जिन पर आधुनिक युग की अनेक विचारधाराओं का प्रभाव हैं। पंत की रचनाओं में नारी चेतना,गरीबी अभाव व ग्रामीण जीवन की विसंगतियों का मार्मिक चित्रण देखने को मिलता हैं। उनका लेखन इतना सशक्त व प्रभावशाली था,जिसकी वजह से वर्ष 1918 में महज 18 वर्ष की आयु में ही उन्होंने हिंदी साहित्य में अपनी एक विशिष्ट पहचान बना ली थी। चंद्र ने कहा कि पंत ने अपनी कविताओं में भाषा व संवेदना के सूक्ष्म संबंधों को बखूबी दिखाया है। पंत को शब्द-शिल्पी कवि भी कहा जाता है। परशुराम सिंह ने कहा कि सुमित्रानंदन पंत के काव्य में प्रकृति का प्रमुख स्थान है। वे प्रकृति को एक सजीव और संवेदनशील पात्र के रूप में प्रस्तुत करते हैं।स्वराजलाल ठाकुर ने कहा कि पंत अपने काव्य में अपनी भावनाओं और अनुभवों को व्यक्त करते हैं। जयंती समारोह में स्वराजलाल ठाकुर,पिनाकी झा,रामेश्वर महतो,नंदकिशोर ठाकुर,महेश कुमार,मनोज मिश्र प्रमुख थे।

सात सूत्री मांग को लेकर आशा कार्यकताओं का धरना

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिले के समाहरणालय परिसर में मंगलवार को आशा कार्यकताओं ने अपनी सात सूत्री मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य आशा कार्यकर्ताओ के वेतन में बढ़ोतरी और बकाया मानदेय के शीघ्र भुगतान की मांग थी। आशा कार्यकताओं का कहना है कि वर्तमान में उन्हें मात्र 2500 रुपये मासिक मानदेय दिया जा रहा है, जो बढ़ती महंगाई और उनके कार्यभार के अनुपात में बेहद कम है।धरने का नेतृत्व कर रही जिला आशा संघ अध्यक्ष ने प्रेस से बात करते हुए बताया कि पहले आशा कार्यकताओं को 1000 रुपये मासिक मानदेय मिलता था, जिसे अब बढ़ाकर 2500 रुपये किया गया है। लेकिन यह राशि भी अपर्याप्त है। उन्होंने कहा कि सरकार को अविलंब 10,000 रुपये मासिक वेतन देने का आदेश जारी करना चाहिए, ताकि आशा कार्यकर्ता सम्मानजनक जीवन यापन कर सकें।इसके साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछले छह माह से मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है, जिससे आशा कार्यकताओं को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। कई कार्यकताओं को भोजन के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है और उनके बच्चों को स्कूलों से फीस न जमा होने के कारण निकाला जा रहा है। धरने में शामिल कार्यकताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों को शीघ्र स्वीकार नहीं किया गया तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को विवश होंगी। उन्होंने राज्य सरकार से अपील की कि वह आशा कार्यकताओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनकी सात सूत्री मांगों पर त्वरित निर्णय ले, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने वाली इस महत्वपूर्ण कड़ी को मजबूती मिल सके।धरने में सैकड़ों की संख्या में आशा कार्यकर्ता मौजूद रहीं और उन्होंने एकजुट होकर अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की।

एंपावरमेंट आफ लर्नर्स इन द लाइट ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम पर हुआ सेमिनार का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा बीएनएमयू के विश्वविद्यालय शिक्षा शास्त्र विभाग में एंपावरमेंट आफ लर्नर्स इन द लाइट ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्घाटन आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. नरेश कुमार ने किया। सेमिनार की अध्यक्षता शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. चंद्र प्रकाश सिंह ने की। कार्यक्रम समन्वय सह विभागाध्यक्ष डॉ. सुशील कुमार ने सेमिनार के विषय प्रकरण से परिचित कराते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को विकसित करना भारतीय शिक्षा पद्धति के लिए एक युगांतरकारी कदम है।जिसने आज हमें भारतीय ज्ञान परंपरा संस्कृति, सभ्यता और नैतिकता के विभिन्न आयामों से जोड़ने का अवसर प्रदान किया। आज की नवीन भारतीय शिक्षा संरचना और भारतीयता से जुड़े हुए विषयों के समावेशन ने हमारे अंदर आत्मविश्वास, आत्म गौरव और देशभक्ति का भाव बढ़ने का कार्य किया है। विभाग की डॉ. अंजू प्रभा, डॉ. रूपा कुमारी सहित अन्य ने

अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता प्रो. नरेश कुमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा अत्यंत समृद्ध और प्रभावशाली है। यदि हम प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति पर प्रकाश डालें तो पाते हैं कि प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था, ज्ञान आधारित होने के साथ-साथ कौशल आधारित भी रही, जो हमें जीवन उपयोगी ज्ञान प्रदान करती थी। परंतु मध्यकालीन शिक्षा नीतियों ने हमें थोड़ा सा भ्रमित कर दिया। इसके बाद हमारी शिक्षा व्यवस्था में कुछ कुरीतियां विकसित हो गई। परंतु भारत सरकार के सार्थक प्रयास से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अस्तित्व में आने से आज हम भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने में सफल हो रहे हैं।प्रो. चंद्र प्रकाश सिंह मानव जीवन में नैतिक मूल्यों के महत्व को बताया। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा में आध्यात्मिक मूल्य, दर्शन पर प्रकाश डाला। डॉ. अनिल कुमार ने भारतीय ज्ञान परंपरा में वैदिक मूल्य एवं प्राचीन ज्ञान की महत्व पर प्रकाश डाला। प्रिंस फिरोज अहमद ने भारतीय ज्ञान परंपरा में चरित्र निर्माण पर बल दिया तथा शक्तिशाली राष्ट्र निर्माण की बात कही। डॉ. राम सिंह यादव ने भारतीय ज्ञान परंपरा में वैदिक ज्ञान का महत्व कर्मवाद की प्रधानता तथा सक्षम एवं समग्र व्यक्तित्व निर्माण करते हुए शिक्षा, संस्कृति एवं योग दर्शन की महत्ता पर प्रकाश डाला। डॉ. माधुरी कुमारी ने अध्यापक शिक्षा की ऐतिहासिक परिदृश्य पर चर्चा किया। उन्होंने प्राचीन कालीन शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया, बौद्ध कालीन, मध्यकालीन, ब्रिटिश कालीन अध्यापक शिक्षा प्रशिक्षण, आधुनिक भारत में शिक्षा प्रशिक्षण पर बल देते हुए सीखने सिखाने की प्रक्रिया पर भी बल दिया, जो मनुष्य को एक सार्थक मानव बनता है। डॉ. शैलेश यादव ने भारतीय ज्ञान परंपरा में ज्ञान विज्ञान एवं दर्शन पर प्रकाश देते हुए वेद से लेकर नास्तिक, आस्तिक दर्शन को बताते हुए सर्वांगीण विकास की बातें की।

तारापुर विधानसभा के सभी प्रखंडों में खराब हुए हैंड पम्पों के मरम्मतिकरण करने के लिए सांसद ने लिखा पत्र

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जमुई लोकसभा के सांसद अरुण भारती ने बिहार सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रधान सचिव को पत्र लिखकर कहा है कि मुंगेर जिला के तारापुर विधानसभा के अंतर्गत आने वाले सभी प्रखंडों में खराब पड़े हुए हैंडपंपों के मरम्मतिकरण अविलंब कराया जाए उन्होंने अपने पत्र के माध्यम से कहा है कि संसदीय क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्थानीय ग्रामीणों द्वारा जिला मुंगेर के तारापुर विधानसभा के अंतर्गत प्रखंड तारापुर संग्रामपुर असरगंज हवेली खड़गपुर एवं टेटिया बंबर के आने वाले क्षेत्रों में खराब हुए हैंड पंपों के मरम्तिकरण करवाने के लिए आग्रह किए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पीने के पानी के लिए हैंड पंपों के अतिरिक्त अन्य कोई सुविधा प्राप्त नहीं है वर्तमान में उपरोक्त सभी प्रखंडों के क्षेत्र के हैंड पंप काफी जर्जर अवस्था में है जिसके कारण ग्रामीणों को पानी की कीमत की वजह से पानी के लिए तरसना पड रहा है ग्रामीणों द्वारा एवं मुंगेर लोकजनशक्ति पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रमोद पासवान द्वारा जिला लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को कई बार चापनल ठीक करने के लिए कहा गया है लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। अधिकारियों ने ग्रामीण को बताया कि चापाकल का पुराने पाइप सब जर्जर हो गए हैं जिससे ठीक करने के लिए पैसा नहीं है। जमुई सांसद ने कहा है कि जनहित में जिला मुंगेर के तारापुर विधानसभा के सभी प्रखंडों के ग्रामीणों के पानी की घर समस्या को देखते हुए इन सभी क्षेत्र के खराब पड़े हुए हैंड पंपों के बारामती कारण करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश देने का को कहेंगे और कार्यवाही से मुझे भी अवगत कराएंगे संसद में अपने पत्र को जिला पदाधिकारी मुंगेर अवनीश कुमार सिंह को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही के लिए भी प्रेषित किए हैं गौरतलाप है कि जमुई संसदीय क्षेत्र में पडने वाले तारापुर विधानसभा क्षेत्र में इन दोनों शुद्ध पानी की घोर किलत देखने को मिल रहा है जल नल योजना भी इस क्षेत्र में टायं टायं फीस साबित हुआ है।

युवक की निर्मम हत्या कर शव झाड़ी में फेंका, अभियुक्त की पहचान कर छापेमारी में जुटी पुलिस

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

नगर थाना क्षेत्र के अनुरूप टॉकीज के पास मंगलवार सुबह एक खाली पड़ी जमीन में युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव झाड़ियों और कचरे के बीच पड़ा मिला। मृतक की पहचान राजनारायण शर्मा उर्फ चिना शर्मा के पुत्र महेश शर्मा (उम्र लगभग 35 वर्ष) के रूप में हुई है। महेश कभी-कभी ई-रिक्शा चलाता था और होटल आदि में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। पुलिस की जांच में यह सामने आया है कि महेश का बीते सोमवार की किसी के साथ झगड़ा हुआ था और उसी ने हसुआ से वार कर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शी व साक्ष्य के आधार पर अभियुक्त की पहचान कर ली है और उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी में जुटी हुई थी। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही नगर

थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के सिर, पैर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गहरे चोट के निशान थे। घटनास्थल से करीब 20 मीटर की दूरी पर एक मकान की पिछली दीवार पर खून के छींटे पाए गए हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि वहीं पर महेश की हत्या की गई और फिर शव को घसीटकर झाड़ियों में फेंक दिया गया। पुलिस ने घटनास्थल से खून से सना कपड़ा, हत्या में प्रयुक्त हसुआ और अन्य अहम साक्ष्य बरामद किए हैं। घटनास्थल को सील कर एफएसएल टीम से जांच कराई गई है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक के माता-पिता और दो भाइयों की पूर्व में ही मृत्यु हो चुकी है। वह अपने पीछे पत्नी, दो बेटियां और एक छोटा बेटा छोड़ गया है। उसका शव घर से महज 200 मीटर की दूरी पर मिला। घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंची एफएसएल टीम ने आसपास खून के धब्बे पाए। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ व तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर यह बात सामने आई कि सोमवार रात विवाद के क्रम में एक अन्य व्यक्ति द्वारा हसुआ से हमला कर उसकी हत्या कर दी गई और शव को ठिकाने लगाने की कोशिश की गई। मृतक के चाचा भाग्यनारायण शर्मा ने घटना की निष्पक्ष और गहराई से जांच की मांग की है। वहीं, स्थानीय लोगों के अनुसार महेश शांत स्वभाव का व्यक्ति था और उसकी किसी से कोई सीधी दुश्मनी नहीं थी। घटना से आक्रोशित कुछ महिलाओं ने मृतक की पत्नी ज्योति देवी के साथ हाथापाई का प्रयास किया, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस ने स्थिति संभालते हुए उन्हें पूछताछ के लिए थाने ले जाया। पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। वहीं, इस संबंध में सदर एसडीपीओ-1 संजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस घटना में मृतक की पत्नी की कोई संलिप्तता सामने नहीं आयी है। पुलिस जांच में घटना कारित करने वाले अभियुक्त की पहचान कर ली गई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम छापेमारी में जुटी हुई है।

हॉस्पिटल मैनेजर को 4000 रुपए घूस लेते हुए निगरानी विभाग की टीम ने पकड़ा

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विजिलेंस की टीम ने सोमवार की देर शाम एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सदर अस्पताल के मैनेजर डॉ विश्वजीत रामानंद को चार हजार रुपए घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। उनके ऊपर आरोप है कि शव वाहन चालक से उसकी सैलरी रिलीज करने की एवज में 1500 रुपए महीना ले रहे थे। इस संबंध में पीड़ित शव वाहन चालक जयराम सिंह ने बताया कि उन्हें काम करने पर 301 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से मिलता है। वह हर महीने में सैलरी रिलीज करने के बदले 1500 रुपए घूस लेते थे। चार महीने का बकाया सैलरी निकालने के एवज में आरोपी मैनेजर ने उनसे छह हजार रुपए के डिमांड की थी। उन्हें 2000 रुपए पहले दिया गया था। इसकी शिकायत उन्होंने निगरानी विभाग से की थी। निगरानी विभाग के डीएसपी व एसआई की टीम ने उन्हें चार हजार रुपए घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी हॉस्पिटल मैनेजर को निगरानी विभाग की टीम सर्किट हाउस ले गई और जहां से पूछताछ के बाद उसे अपने साथ ले गई। वहीं, इस संबंध में सदर अस्पताल के डीएस डॉ गिरीश कुमार ने बताया कि उन्हें इस संबंध में सूचना मिली है और वह जानकारी लेने का प्रयास कर रहे हैं।

कवि सुमित्रानंदन पंत की जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत की जयंती के अवसर पर लनामि विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो.उमेश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को संगोष्ठी आयोजित हुई। अध्यक्षीय उद्बोधन में विभागाध्यक्ष प्रो कुमार ने कहा कि सुमित्रानंदन पंत अल्मोड़ा में जन्में और उनका बचपन व शिक्षा दीक्षा प्रकृति की गोद में ही हुई ।इसलिए उनके कवि मन पर प्रकृति का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा है। उन्होंने मानवीय संवेदनाओं की काव्यात्मक अभिव्यक्ति के लिए भी प्रकृति का सहारा लिया है। दैनिक जीवन का जो दुःखझसुख, राग विराग है; उन सबकी अभिव्यक्ति के लिए उनके पास प्रकृति से जुड़ी उपमाएं हैं। उनके यहां प्रकृति का यह मानवीकरण कहीं से भी आरोपित प्रतीत नहीं होता, यह पंत जी के काव्य की बहुत बड़ी शक्ति है। डॉ सुरेन्द्र प्रसाद सुमन ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि पंत प्रकृति के सुकुमार कवि से आगे बढ़ कर यथार्थ और स्वप्न के बड़े कवि हैं। जीवन के राग विराग, प्राकृतिक सौन्दर्य से लेकर ग्रामीण जीवन का यथार्थ पंत के यहां मिलेगा। पंत की कविता में पलायन नहीं है। विभागीय शिक्षिका डॉ.मंजरी खरे ने कहा कि पंत के गद्य पर भी बात होनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

नीरा उत्पादक सह विक्री केंद्र का उद्घाटन जिला परियोजना प्रबंधक ने किया

मुंगेर। असरगंज प्रखंड के चैरगांव पंचायत अंतर्गत ममई गांव में मुख्यमंत्री नीरा संवर्धन योजना अंतर्गत किरण जीविका महिला ग्राम संगठन में नीरा उत्पादक सह विक्री केंद्र का उद्घाटन जिला परियोजना प्रबंधक जीविका, गुरुदेव एवं गौतम कुमार प्रखंड परियोजना प्रबंधक द्वारा किया गया। साथ ही आज ही नीरा टैपर, स्टाफ, कैडर एवं ग्राम संगठन के लीडर का प्रशिक्षण बिहार सरकार द्वारा 8 रु. प्रति लीटर की दर से छेदक को एवं 3 रु प्रति लीटर पेड़ मालिक को प्रोत्साहन राशि के रूप में दिए जाने के बारे में बताया गया। नीरा उत्पादन, नीरा से बनने वाले उत्पाद एवं उसके उपयोगिता और महत्व पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन विमल सिंह (जीविकोपार्जन विशेषज्ञ) द्वारा किया गया। इस मौके पर जिला कार्यालय से पूजा चंद्रा (नॉनफार्म प्रबंधक), स्वेता (वाई पी फार्म), शिवेश (वाईपीआईएवी), एवं प्रखंड कार्यालय से सामुदायिक समन्वयक कुमारी साक्षी, रत्नाकर भारती एवं सौरभ कुमार उपस्थित रहे।

संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के तैयारियों की सीएम नीतीश कुमार ने की समीक्षा बैठक : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बाढ़ एवं सुखाड़ की पूर्व तैयारी को लेकर मंगलवार 20 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उच्च-स्तरीय समीक्षा की गई। इस दौरान सभी जिलों के जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक भी जुड़े। वहीं इस वीडियो कांफ्रेंसिंग में जमुई के जिलाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री मदन आनंद के नेतृत्व में संबंधित विभागों के पदाधिकारी के साथ एन आई सी, जमुई के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में शामिल हुई। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि मानसून के आगमन के पहले सभी आवश्यक तैयारी समय से पूरी कर लें और आपदा प्रबंधन विभाग लगातार इसका अनुश्रवण भी करे। उन्होंने कहा कि लोगों की दवाएं, पशुओं की दवा, सांप काटने की दवा, कुत्ता काटने की दवा, ब्लीचिंग पाउडर, डायरिया की दवा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखें। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बाढ़ और सुखाड़ दोनों की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सभी विभाग के अधिकारी और जिलाधिकारी पूरी तरह अलर्ट रहें। आपदा प्रबंधन विभाग इस बात को ध्यान में रखें कि और क्या-क्या करने की जरूरत है ताकि लोगों को कोई दिक्कत नहीं हो। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी नदियों को आपस में जोड़ने की कार्ययोजना बनाएं। नदियों के गाद की उड़ाही एवं शिल्ट हटाने को लेकर तेजी से कार्य करें। इससे बाढ़ का खतरा भी कम रहेगा और नदियों की जल संग्रहण क्षमता भी बढ़ेगी। साथ ही सिंचाई कार्य में और अधिक सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि भू-जल स्तर पर नजर रखें और पेयजल का इंतजाम रखें। हर घर नल का जल योजना से लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, इसे पूरी तरह मेंटेन रखें। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि बाढ़ की स्थिति में प्रभावित इलाकों का सटीक आकलन करवाएं। प्रभावित परिवारों की सूची बनाते समय यह ध्यान रखा जाए कि कोई भी वास्तविक हकदार लाभ से वंचित न हो। मुख्यमंत्री ने हिदायत देते हुए कहा कि बाढ़ से सुरक्षा हेतु जिन जिलों में बाढ़ आश्रय स्थल का निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है, वहां तेजी से यह कार्य पूरा कराएं। पिछले वर्ष सामुदायिक रसोईघर का संचालन बेहतर ढंग से किया गया था। इस वर्ष भी बाढ़ की स्थिति में सामुदायिक रसोईघर का संचालन बेहतर ढंग से होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि जिलाधिकारी अपने-अपने जिलों के क्षेत्रों में जाएं और स्थिति का आकलन करें तथा उसके अनुसार सभी प्रकार की तैयारियां पूर्ण रखें। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में आपदा की स्थिति में किए गए कार्यों को भी ध्यान में रखते हुए आपदा से निपटने हेतु कार्य योजना बनाएं। जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत जल संरक्षण को लेकर लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसलिए इसकी भी सतत निगरानी करें और इसे बेहतर ढंग से क्रियान्वित करें। उन्होंने कहा कि निजी मकानों में भी लोगों को छतवर्षा जल संचयन के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष गर्मी ज्यादा है। इसे ध्यान में रखते हुये सभी प्रकार की तैयारी रखें और लोगों को सचेत करें। आग लगने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं, उससे बचाव के लिए त्वरित कार्रवाई करें। लू से बचाव के लिए भी सभी व्यवस्था रखें और लोगों को अलर्ट करें। हर चीज पर नजर रखनी है और पूरी तरह से सतर्क रहना है। मुस्तैदी के साथ सभी लोग लगे रहेंगे तो आपदा की स्थिति में लोगों को राहत मिलेगी। मौके पर जिलाधिकारी महोदया ने समीक्षा बैठक के उपरांत उपस्थित सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दिए गये देय दायित्वों का अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में पुलिस अधीक्षक जमुई, अपर समाहर्ता जमुई समेत विभिन्न विभागों के कार्यपालक पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता एवं जिले स्तरीय पदाधिकारी गण उपस्थित है।

50,000 का ईनामी प्रवीण कुमार चढ़ा पुलिस के हत्थे

जिले के विभिन्न थानों में 13 काण्ड दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई जिला टाउन थाना क्षेत्र के फरारी अभियुक्त एवं 50,000 का ईनामी प्रवीण कुमार को जमुई पुलिस ने धर दबोचा है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक मदन कुमार आनंद ने बताया कि अपराध की दुनिया का बेताज बादशाह 26 वर्षीय प्रवीण कुमार पिता जलधर यादव साकिन अमारी, थाना खैरा,जिला जमुई को एसडीपीओ सतीश सुमन के नेतृत्व में टाउन थानाध्यक्ष अमरेन्द्र कुमार ने जमुई बोधवान तालाब लव-कुश गैस एजेंसी के पास से गिरफ्तार कर लिया है इस छापामारी दल में एसडीपीओ सतीश सुमन के साथ टाउन थाना के पुलिस इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष अमरेन्द्र कुमार, पीटीसी रामनारायण यादव,जिला आसूचना ईकाई टीम के साथ जमुई थाना के पुलिस बल शामिल थे। प्रवीण कुमार का और अपराधिक इतिहास को खंगाला जा रहा है इनका मुख्य पेशा डकैती करना है । जिसमें नये नये लोगों को शामिल करके जिले के जमुई, खैरा,सिकन्दरा, सोनो, चन्द्र मण्डी, एवं बरहट थाना क्षेत्र में 13 मामले इनके विरुद्ध दर्ज है।

औषधि नियंत्रण अधिकारियों एवं केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के बीच संयुक्त बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा कोसी प्रमंडल के औषधि नियंत्रण अधिकारियों एवं सहरसा केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के बीच संयुक्त बैठक धर्मशाला रोड स्थित भीमसरिया धर्मशाला, सहरसा में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता राकेश नंदन सिंह, उप औषधि नियंत्रक, कोसी प्रमंडल ने की। बैठक में कोसी प्रमंडल के सभी सहायक औषधि नियंत्रक एवं औषधि निरीक्षक सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। औषधि निरीक्षक सत्येंद्र कुमार एवं सुरेंद्र राम सुपौल ने भी उपस्थित व्यापारियों को संबोधित किया और उनकी शंकाओं का समाधान किया। बैठक का माहौल अत्यंत संवादात्मक रहा। दवा विक्रेताओं ने सक्रिय रूप से प्रश्न पूछे, जिनका संतोषजनक उत्तर अधिकारियों द्वारा दिया गया। बैठक में बिना क्रय बिल के दवा कारोबार पर सख्त प्रतिबंध की आवश्यकता पर बल दिया गया। नकली दवाओं का प्रवेश प्रायः बिना बिल के लेन-देन के माध्यम से होता है। ऐसे मामलों में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें लाइसेंस रद्दीकरण एवं कानूनी कार्रवाई तक शामिल है ।संशोधित नियमों के तहत 300 ब्रांड्स पर क्यूआर कोड अनिवार्य कर दिया गया है। यह कोड प्राथमिक पैक पर होना चाहिए, और यदि जगह की कमी हो तो द्वितीयक पैक पर। निरीक्षण के दौरान बिना क्यूआर कोड पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसका उद्देश्य दवाओं की प्रामाणिकता सुनिश्चित करना है। कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य अभ्यस्त खेती दवाओं के नशे हेतु दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त की गई। ऐसे अवैध व्यापार में संलिप्त पाए जाने पर ड्रग्स कानून एवं एनडीपीएस एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। यह पाया गया कि कुछ व्यापारी थोक लाइसेंस लेकर खुदरा कारोबार कर रहे हैं, जो नियमों का उल्लंघन है। स्पष्ट किया गया कि जो खुदरा करना चाहते हैं उन्हें खुदरा लाइसेंस लेना अनिवार्य है। उल्लंघन की स्थिति में लाइसेंस रद्द किया जाएगा और अभियोजन चलाया जाएगा। वही बिना लाइसेंस वाले गोदामों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। कोई भी दवा अनधिकृत स्थल पर संग्रहीत नहीं होनी चाहिए। पकड़े जाने पर सभी दवाएं जब्त की जाएंगी, फर्म का लाइसेंस रद्द किया जाएगा एवं अभियोजन दायर किया जाएगा। चिकित्सकों को दवा आपूर्ति केवल उनके लिखित आदेश एवं पंजीकरण संख्या के साथ ही की जाए। केवल पंजीकरण संख्या बताकर दवा लेने की अनुमति नहीं होगी। बैठक के अंत में उप औषधि नियंत्रक द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि औषधि कानूनों का पालन न केवल कानूनी बाध्यता है, बल्कि यह जनस्वास्थ्य की सुरक्षा हेतु अत्यंत आवश्यक है। किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा लापरवाही को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में सहरसा केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। प्रमुख प्रतिभागियों में ओम खेमका, कैलाश पचरिया, सुधीर कुमार सिंह, राघव प्रसाद सिंह अध्यक्ष, हरिनंदन यादव सचिव, खगेंद्र मुन्ना, संजय झा, अजीत डोकानियां, चतुर्भुज केसरी शामिल थे। वही उप औषधि नियंत्रक राकेश नंदन सिंह, उप औषधि नियंत्रक, सहायक औषधि नियंत्रक, राजेश प्रसाद सिंह, राजेश कुमार, सहायक औषधि नियंत्रक, सुपौल एवं मधेपुरा। सत्येंद्र कुमार, कुमार संजय, पंकज कुमार भारती, शशि रंजन, खुशी कुमारी, निर्भय कुमार गुप्ता, सुरेंद्र राम, सरफराज, पूजा कुमारी, औषधि निरीक्षिका सहित अन्य मौजूद रहे।

आलमनगर विधानसभा में 63 साल में मात्र चार विधायक

प्रात : किरण संवाददाता

आलमनगर (मधेपुरा) बिहार का आलमनगर विधानसभा सीट मधेपुरा लोकसभा के तहत आता है। 1951 में आलमनगर सीट अस्तित्व में आया था। आलमनगर सीट से 1951 में सोशलिस्ट पार्टी के कैंडिडेट तनुकलाल यादव ने जीत हासिल किया था। वहीं 1957 और 1962 में कांग्रेसी कैंडिडेट यदुनंदन झा ने आलमनगर में जीत का परचम लहरा दिया था। आलमनगर का किला मजबूत है। यहां की जनता जिसे मौका देती है उसे काफी मौका देती है। खूब भरोसा करती है। हां, भरोसा टूटने के बाद फिर मौका नहीं देती। यहां 74 साल में मात्र पांच लोग ही विधायक बने हैं। वर्तमान विधायक नरेंद्र नारायण यादव लगातार सात बार से विधायक हैं। वे लगातार 30 सालों से चुनाव जीतते आ रहे हैं। 1995 से वे ही क्षेत्र का नेतृत्व करते आ रहे हैं। इससे पहले जनता पार्टी के बीरेंद्र प्रताप सिंह चार बार लगातार विधायक बने। यही स्थिति विद्याकर कवि और यदुनंदन झा की भी रही है। सबसे अधिक बार विधायक बनने का मौका वर्तमान विधायक नरेंद्र नारायण यादव को ही मिला है। वे इस समय बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष भी हैं। इस बार टिकट मिलने पर आठवीं वार चुनाव लड़ेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में एनडीए को पूर्ण बहुमत मिला और आलमनगर विधानसभा सीट पर जेडीयू के नरेंद्र नारायण यादव ने 28680 वोटों के अंतर से आरजेडी प्रत्याशी नबीन कुमार को करारी शिकस्त दी। इस चुनाव में नरेंद्र नारायण यादव को कुल 102517 वोट मिले जबकि नबीन कुमार को कुल 73837 वोट मिले। आंकड़े बताते हैं कि इस सीट पर यादव, मुस्लिम और निषाद निर्णायक संख्या में हैं। हालांकि राजपूत, ब्राह्मण, कोइरी, कुर्मी, रविदास, पासवान भी प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

झल्लु बाबु सभागार जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में आहुत की गई साप्ताहिक समन्व्य सह समीक्षात्मक बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा जिला मुख्यालय स्थित झल्लु बाबु सभागार, मधेपुरा में सोमवार को जिला पदाधिकारी, मधेपुरा तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में साप्ताहिक समन्व्य सह समीक्षात्मक बैठक आहुत की गई। बैठक में अपर समाहर्त्ता, मधेपुरा अरूण कुमार सिंह, अपर समाहर्त्ता (आ0) मुकेष कुमार सिंह, लोक षिकायत निवारण पदाधिकारी, मधेपुरा मो. तारिक, जिला भूअर्जन पदाधिकारी, मधेपुरा अमन कुमार के साथ साथ अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम माननीय उच्च न्यायालय पटना में दायर एमजेसी, एलपीए एवं सीडब्ल्यूजेसी की विभागवार समीक्षा की गई एवं सभी संबंधित विभागों को नियमानुसार प्रतिषपथ दायर करने हेतु निदेष दिया गया। मुख्यमंत्री जनता दरबार, सी.पी ग्राम, आयुक्त कार्यालय में लंबित परिवाद एवं जिला जनता दरबार में प्राप्त परिवाद की विभागवार समीक्षा की गई एवं त्वरित निश्पादित करने का निदेष दिया गया। इसके पश्चात मुख्य सचिव महोदय के द्वारा प्रत्येक मंगलवार को आयोजित विडियों कॉन्फ्रिेंसिंग के लंबित मामलों की समीक्ष की गई। यथा पंचायत सरकार भवन निर्माण हेतु अवषेश भूमि को चिन्हित करने का निदेष दिया गया। सावित्री बाई फुले विद्यालय निर्माण हेतु भूमि खोजने का निदेष दिया गया एवं अन्य लंबित मामलों को यथाषीघ्र निश्पादित करने का निदेष दिया गया। मौके पर संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

बीस सूत्री कार्यक्रम की बैठक सम्पन्न, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु दिया गया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा सोमवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, स्थानीय विकास भवन, सहरसा में विजय कुमार मंडल, मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग सह प्रभारी मंत्री, सहरसा एवं अध्यक्ष, जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति की अध्यक्षता में बीस सूत्री कार्यक्रम की बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए माननीय प्रभारी मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के अथक प्रयासों के कारण बिहार निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और इसमें प्रत्येक विभाग की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी विभागीय पदाधिकारियों को अपने निर्धारित कर्तव्यों का समर्पण भाव से निर्वहन करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान मंत्री द्वारा सभी संबंधित कार्यालयों को जनकल्याणकारी योजनाओं के सम्यक, पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु ठोस कदम उठाने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों का समेकित विकास सुनिश्चित करना है। बैठक में पूर्व में दिए गए निदेशों की समीक्षा के क्रम में यह पाया गया कि कई विभागों द्वारा अपेक्षित अनुपालन नहीं किया गया है। इसमें शिक्षा विभाग, समाज कल्याण, बुडको, पंचायती राज, लघु जल संसाधन, ग्रामीण कार्य विभाग, पीएचईडी, एलइओ, श्रम संसाधन, एवं राजस्व विभाग प्रमुख हैं। प्रभारी मंत्री ने सभी कार्यालयों को निर्देश दिया कि जनहित के किसी भी जांच बिंदु पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सम्मिलित किया जाए। साथ ही, श्रम संसाधन विभाग को लाभुकों की सूची आगामी 15 दिनों के भीतर सभी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने का आदेश दिया गया। बुडको को नगरीय क्षेत्र में नल-जल योजना के सुचारु संचालन हेतु आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान ग्रामीण कार्य विभाग, सहरसा के कार्यपालक अभियंता सहित कुछ अन्य पदाधिकारी अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए, जिनसे कारण पृच्छा करने का निर्देश दिया गया है।

स्कॉर्पियो के धक्के से बाइक सवार 7 माह की बच्ची समेत चार घायल सदर अस्पताल में इलाज जारी

प्रात : किरण संवाददाता

बरियारपुर (मुंगेर)। सोमवार के दिन बरियारपुर खड़गपुर मुख्य मार्ग के फोर लाइन के पास तेज रफ्तार स्कार्पियो ने बाइक सवार एक ही परिवार के चार सदस्यों को जोरदार टक्कर मार दी। पीड़ित परिवार अपनी मासूम बच्ची को मुंगेर में डॉक्टर से दिखाकर वापस लौट रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो बहुत तेज रफ्तार में आ रही थी और फोर लाइन के मोड पर नियंत्रण खो बैठी उसी समय एक बाइक पर सवार बाप बेटा बहू और एक । महीने की मासूम बच्ची घर लौट रहे थे तभी तेज रफ्तार स्कार्पियो ने अचानक बाइक में जबरदस्त टक्कर मार दी टक्कर इतनी जबरदस्त थी की बाइक दूर तक फिसलती चली गई और सभी सड़क पर गिर पड़े घायलों की पहचान शामपुर थाना क्षेत्र के कैथी गांव निवासी सुनील मंडल छोटू कुमार संगीता कुमारी और 7 वर्षीय बच्ची राधिका कुमारी के रूप में हुई है चारों ही गंभीर रूप से घायल हो गए । बरियारपुर पुलिस ने सभी को सदर अस्पताल लाया। जहां सभी का इलाज किया जा रहा है।

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव मृतक के परिजनों से मिलकर दी सांत्वना, बच्चों की पढ़ाई का उठाया जिम्मा

प्रात : किरण संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा) प्रखंड क्षेत्र पुरैनी अंतर्गत कुरसंडी पंचायत के वासुदेवपुर गांव में बीते दिनों हुए लक्ष्मीकांत चौधरी के पुत्र अजीत कुमार चौधरी की निर्मम हत्या के उपरांत पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने मृतक के आवास पर पहुंचकर परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। तत्पश्चात उन्होंने इस दर्दनाक घटना में शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर न सिर्फ अपनी गहरी शोक प्रकट की, बल्कि परिवार को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि यह क्षति अपूरणीय है लेकिन इस दुख की घड़ी में हम आपके साथ हैं। वहीं सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने मृतक के दोनों पुत्र-पुत्रियां के पढ़ाई का जिम्मा उठाया। मौके पर सर्वेश्वर सिंह, राजेश रोशन, शहादत परदेसी, रामचंद्र पंडित सुशील यादव, लड्डू यादव, मिथिलेश यादव, दुर्गा यादव, पमपम सिंह, इम्तियाज आलम, मनीष कुमार, राहुल यादव, शंकर सिंह, सुशील चौधरी, अंजनी चौधरी, पोलेंद्र सिंह, मुखिया कुंदन सिंह सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

महिला संवाद कार्यक्रम महिलाओं के लिए संजीवनी बूटी : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई ग्रामीण विकास विभाग के द्वारा शुरू किया गया महिला संवाद कार्यक्रम पूरे जिले में जोर-शोर से संचालित हो रहा है। मंगलवार से जिले के आठ प्रखंड के 22 गाँव में कार्यक्रम का संचालन सुबह-शाम दोनों पालियों में शुरू हुआ, जबकि बरहट एवं गिद्धौर प्रखंड के सभी गांवों में महिला संवाद कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुओ इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को न केवल योजनाओं की जानकारी मिल रही है, बल्कि वे अपनी समस्याओं और आकांक्षाओं को सामने रखकर समाधान की दिशा में सशक्त कदम भी उठा रही हैं। गौरतलब है कि 18 अप्रैल से जिले के सभी प्रखंडों में महिला संवाद कार्यक्रम आरम्भ हुआ था, जिसमें अभी तक कुल 715 जीविका ग्राम संगठनों में सफलता पूर्वक संवाद का आयोजन किया जा चुका है। 15 हजार से ज्यादा आकांक्षाएं मोबाइल एप की दर्ज की जा चुकी है मंगलवार 20 मई से खैरा, झाझा एवं सोनो प्रखंड के चार गाँव में कार्यक्रम की शुरूआत हुई, जबकि लक्ष्मीपुर, सिकंदरा, ई.अलीगंज, जमुई सदर एवं चकाई प्रखंड के दो गाँव में सुबह-शाम दो पालियों में कार्यक्रम का संचालन जारी है ज्ञात हो की महिला संवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण इलाकों की महिलाओं को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना एवं सामूहिक समस्याओं व आकाँक्षाओं एवं व्यक्तिगत समस्याओं को सूचीबद्ध कर समाधान की दिशा में कार्य करना है . जिले में महिला संवाद कार्यक्रम का संचालन 11 डिजिटल जागरूकता रथ के माध्यम से किया जा रहा है ।

11 जून तक चलने वाला महिला संवाद कार्यक्रम में हर दिन जुड़ रही है महिलाएं

प्रात : किरण संवाददाता

लखीसराय । अब झिझक नहीं है, संकोच भी नहीं है और ना ही है पुरानी दकियानूसी सोच। सदियों पुराने दायरे से निकलकर ग्रामीण परिवेश की महिलाओं के पास अगर कुछ है तो सुनहरे भविष्य के निर्माण हेतु इच्छाएं, आकांक्षाएं एवं अपनी सरकार से उम्मीद ' यह सब महिला संवाद कार्यक्रम में परिलक्षित है । आधी आबादी से संवाद स्थापित करते हुए उनकी आकांक्षाओं को समझने उनकी समस्याओं का समाधान और उनकी मांग को पूरा करने हेतु गंभीर मंथन महिला संवाद में जारी है। महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने एवं उनके गाँव के विकास में उनकीभी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए महिला संवाद आयोजित है। महिला संवाद महिलाओं की आकांक्षा और उनके विचारों को साझा करने का एक प्रभावी मंच बन गया है। यह मंच महिलाओं को अपने आसपास की समस्यायों से संबंधित सामाजिक मुद्दों पर खुलकर चर्चा करने का अवसर प्रदान करता है। महिला संवाद के माध्यम से महिलाएं अपने अधिकारों एवं सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक हो रही हैं और एक-दूसरे को प्रेरित करती हैं। यह न केवल महिलाओं के विचारों को समाज तक पहुँचाने का कार्य करता है, बल्कि उनके सशक्तिकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विभिन्न विषयों पर खुली बातचीत और विचार-विमर्श महिलाओं को आत्मविश्वास से भरता है और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। महिला संवाद कार्यक्रमों से महिलाओं में सामाजिक गतिविधियों से जागरूकता बढ़ी है। कार्यक्रमों में दहेज प्रथा और बाल विवाह की रोकथाम के लिए सामूहिक शपथ दिलाई जा रही है, साथ ही नशा मुक्त समाज के निर्माण और घरेलू हिंसा की रोकथाम के प्रति संकल्प लिया जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण में अग्रणी राज्य बनने की ओर अग्रसर

सहरसा बिहार सरकार की पहल और महिलाओं के प्रयासों ने राज्य को महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में अग्रणी बना दिया है। सरकार द्वारा महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए उठाए जा रहे कदम महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बना रहे हैं। इसका जीवंत उदाहरण महिला संवाद कार्यक्रमों में देखने को मिल रहा है, जहाँ हर दिन हजारों महिलाएँ अपने अनुभव साझा कर रही हैं और अपनी सफलता की कहानियां बता रही हैं। महिला संवाद कार्यक्रम महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। सलखुआ प्रखंड के सितुआहा पंचायत की गीता देवी ने बताया कि उन्होंने बिहार सरकार की स्टूडेंट क्रेडिट योजना का लाभ उठाकर अपने बेटे को उच्च शिक्षा के लिए बाहर भेजा। इस तरह, महिलाएं न केवल अपने जीवन को बदल रही हैं, बल्कि अपने परिवार और समाज के विकास में भी योगदान दे रही हैं। जिले के सभी प्रखंडों में हर दिन 24 स्थानों पर आयोजित इन संवाद कार्यक्रमों में महिलाएं अपनी समस्याएं और आकांक्षाएं खुलकर रख रही हैं। वे अपने गाँवों में नल-जल योजना के तहत गुणवत्तायुक्त पानी की आपूर्ति, सामुदायिक पुस्तकालय, खेल मैदान, विवाह भवन, और अनाज भंडारण गृह जैसी बुनियादी सुविधाओं की मांग कर रही हैं। महिलाओं का यह दृष्टिकोण न केवल उनके गाँवों, बल्कि पूरे राज्य के विकास के लिए नए आयाम सुझा रहा है। महिला संवाद के माध्यम से सरकार महिलाओं से सीधा संवाद कर उनके विचार और आवश्यकताओं को समझ रही है। इससे नई नीतियों के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो रही है। यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाकर उनकी आवाज को नीति निर्माण का हिस्सा बना रही है। महिला संवाद कार्यक्रम की सफलता इस बात से स्पष्ट है कि महिलाओं द्वारा उठाए गए मुद्दों पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है और उनकी मांगों को पूरा करने के लिए त्वरित कदम उठा रही है।

7 सूत्री मांगों को लेकर बिहार राज्य आशा कार्यकर्ता संघ गोप गुट का पांच दिवसीय हड़ताल शुरू

- जमालपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की 100 आशा के हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

प्रात : किरण संवाददाता

बरियारपुर (मुंगेर)। बिहार राज्य आशा कार्यकर्ता संघ (गोप गुट) के हजारों आशा दीदीयों ने अपनी 7 सूत्री मांगों को लेकर मंगलवार से हड़ताल पर चले गए है। यह हड़ताल 24 मई तक जारी रहेगा। जमालपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत करीब 10 पंचायतों में प्रसव सहित अन्य सेवाएं भी ठप हो गयी है।

करीब 100 आशा दीदियों ने जमालपुर पीएचसी परिसर में सरकार की नीतियों के विरुद्ध जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों के नेतृत्व जमालपुर संघ अध्यक्षा रीता सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में आशा संघ ने करीब 32 दिवसीय हड़ताल पर थे, सरकार ने हमारी मांगों में आशा कार्यकर्तओं फैसिलिट्रेटरों को एक हजार मासिक वेतन की जगह 2500 करने की मंजूरी दी, लेकिन 2 साल बीतने के बाद भी अबतक मासिक वेतन नहीं बढ़ाया गया है।

उन्होंने सरकार से बढ़ी हुई राशि के साथ दस हजार राशि मुहैया कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि हमलोगों का 6 माह का बकाया मानदेय भुगतान किया जाय, इसके अलावा बीते वर्ष का भी भुगतान हो। वहीं 65 वर्ष में रिटायरमेंट हो, रिटायरमेंट पर 10 लाख रुपये दिया जाय, सभी आशा कार्यकताओं को केंद्र व राज्य सरकारें आपसी तालमेल बैठकर 21 हजार मानदेय भुगतान किया जाय, हेल्थ व वेलवेट सेंटर से जुड़ी आशाओं को देय राशि का भुगतान पोर्टल माध्यम से किया जाय और इसमें फेसिलिट्रेट को भी जोड़ा जाय सहित अन्य मांगे पुरजोर तरीके व प्रदर्शन के साथ रखी।

अमरीका का आतंक के खिलाफ जंग या दोहरा रवैया?

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर सबसे मुखर देशों में माने जाने वाले अमरीका की छवि एक बार फिर विवादों में है। आतंकवाद के खात्मे के संकल्प के साथ सत्ता में लौटे डोनाल्ड ट्रंप की सरकार की एक हालिया नियुक्ति ने दुनियाभर में सवालों का तूफान खड़ा हो गया है। पत्रकार लॉरा लूमर के खुलासे के अनुसार, ट्रंप प्रशासन के तहत बनाए गए एक धार्मिक स्वतंत्रता आयोग में ऐसे दो व्यक्तियों को शामिल किया गया है, जिनका सीधा संबंध इस्लामी आतंकी संगठनों से रहा है। इनमें से एक, इस्माइल रॉयर, न केवल लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा रहा है, बल्कि वह जम्मू-कश्मीर की आतंकी गतिविधियों में भी संलिप्त था। लॉरा लूमर, जो खुद ट्रंप समर्थक रही हैं, ने सोशल मीडिया और अपने शोध के माध्यम से यह सनसनीखेज खुलासा किया है कि दो पूर्व जिहादी, इस्माइल रॉयर और शेख हमजा यूसुफ को वाइट हाउस के धार्मिक स्वतंत्रता सलाहकार बोर्ड में शामिल किया गया है। लूमर ने दावा किया है कि इन दोनों का अतीत अमेरिका सरकार की वेबसाइट पर दर्ज है और इन पर आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ने, उन्हें समर्थन देने, हथियारों और विस्फोटकों के प्रशिक्षण देने के गंभीर आरोप हैं। इस्माइल रॉयर का असली नाम रान्डेल टोड रॉयर था। उसने 1992 में इस्लाम अपनाया और इसके बाद उसने इस्माइल नाम रखा। उसने पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के ट्रेनिंग कैंप में ट्रेनिंग ली और जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में भाग लिया। 2003 में उस पर अल-कायदा और लश्कर-ए-तैयबा को सहायता देने के आरोप लगे। 2004 में उसने खतरनाक हथियारों और विस्फोटकों के इस्तेमाल में मदद करने के अपराध को स्वीकार किया और 20 साल की सजा हुई। हालांकि, 13 साल बाद उसे रिहा कर दिया गया। उसकी रिहाई के बाद वह धार्मिक स्वतंत्रता और शांति की बात करने वाले संगठनों से जुड़ गया। मिडिल ईस्ट फोरम के साथ एक बातचीत में रॉयर ने 2023 के इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उसे लश्कर-ए-तैयबा पसंद था, क्योंकि उसका रुख सऊदी इमामों की ओर झुका हुआ था। उसने बताया कि उसने मस्जिदों में युवाओं को कश्मीर जाकर लश्कर के कैंप में ट्रेनिंग लेने के लिए प्रेरित किया। कैलिफोर्निया के जैतुना कॉलेज के सह-संस्थापक शेख हमजा यूसुफ को अमेरिका में इस्लामी अध्ययन के क्षेत्र में एक प्रमुख व्यक्ति माना जाता है। लेकिन इसके पीछे कई विवादित कड़ियाँ हैं। शेख हमजा यूसुफ पर इस्लामिक जिहादियों, हमास और मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे प्रतिबंधित संगठनों से संबंध होने के आरोप लगे हैं। 9/11 से दो दिन पहले उन्होंने एक ऐसे फंडरेजर इवेंट में भाषण दिया, जो जमील अल-अमीन के लिए आयोजित था। जमील पर एक पुलिस अधिकारी की हत्या का मुकदमा चल रहा था। आज शेख हमजा यूसुफ बर्कले स्थित सेंटर फॉर इस्लामिक स्टडीज के सलाहकार हैं। वे धार्मिक स्वतंत्रता और संवाद को बढ़ावा देने की बातें करते हैं, लेकिन उनका अतीत आज भी संदेह और आलोचना की नजरों में है। वाइट हाउस के अनुसार, इस्माइल रॉयर अब इंटरनेशनल एंड रिलेजियस फ्रीडम एक्शन टीम के डायरेक्टर हैं। उन्होंने विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर धार्मिक सहिष्णुता और संवाद को बढ़ावा दिया है। वहीं, शेख हमजा यूसुफ को भी धार्मिक मामलों में सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या कभी आतंकवाद में लिप्त रह चुके लोग वाकई बदल सकते हैं? और अगर बदल भी गए हैं, तो क्या उन्हें अमेरिका जैसे राष्ट्र की नीतियों में भागीदार बनाना सही है?

सेना की वर्दी पर राजनीति की छींटाकशी

सियासत अब बयानबाजी की रस्साकशी में उलझी वह बेतुकी नुमाइश बन गई है, जहाँ तर्क, गरिमा और शालीनता का वध सार्वजनिक मंचों पर खुलेआम होता है और तालियाँ बजती हैं, जैसे कोई हास्य का प्रहसन चल रहा हो। मध्यप्रदेश सरकार में जनजातीय कार्य मंत्री एवं भोपाल गैस त्रासदी व लोक परिसंपत्ति मंत्री विजय शाह ने हाल ही में महू में ऐसा ही एक राजनीतिक तमाशा पेश किया जिसमें न सेना की गरिमा बची, न महिलाओं की मयार्दा, न संविधान की आत्मा। उन्होंने मंच से गरजते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकियों को जवाब देने के लिए उनकी बहन को भेजा। जरा रुकिए, सोचिए, यह मंत्री हैं। यह वही मंत्रालय है, जहाँ से हमें उम्मीद होती है कि आदिवासी समाज के संवेदनशील मुद्दों पर शालीन, जागरूक और विचारशील नेतृत्व मिलेगा। लेकिन जब वही कुर्सी किसी “जुबानी जिहाद” के योद्धा के हवाले हो जाए, तो मंत्रालय की गरिमा भी बयानबाजी की भेंट चढ़ जाती है। बयान सुनकर पहले तो लगा कि शायद मंत्रीजी ने किसी फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ ली है, लेकिन फिर समझ आया कि यह तो राष्ट्रवाद का नया संस्करण है, जिसमें बहादुर महिला सैन्य अधिकारी को भी लिंग के कटघरे में खड़ा कर दिया गया है। क्या सेना की कोई महिला अधिकारी अब एक “प्रतिशोध की बहन” बनकर परोसी जाएगी? क्या उसका पराक्रम, उसकी वर्दी, उसका प्रशिक्षण सब केवल इसीलिए था कि उसे एक पुरुषवादी राजनीतिक कल्पना का औजार बना दिया जाए? यह बयान न सिर्फ अशालीन है, बल्कि सैन्य मयार्दाओं का मखौल उड़ाने वाला भी है। क्या मंत्रीजी को यह ज्ञान है कि सेना का हर अभियान गोपनीय रणनीति, अनुशासन और प्रशिक्षण की उपज होता है, न कि घरेलू झगड़े की तरह “किसकी बहन किसके घर गई” वाले मौहल्ले के विमर्श पर आधारित? और यदि उनकी भाषा इतनी ही “वीर रस” में डूबी हुई है, तो उन्हें संस्कृति मंत्री क्यों नहीं बना दिया जाता, जहाँ वे महाभारत और रामायण की पुनर्रचना कर सकें? इस देश में नारी को देवी का रूप कहा जाता है, लेकिन जब वही महिला किसी पद या शक्ति की भूमिका में आती है, तो उसके अस्तित्व को भी उसके लिंग से जोड़कर ही परिभाषित किया जाता है। विजय शाह का बयान इस विकृति की जीवंत मिसाल है। उन्होंने सेना की महिला अधिकारी को न सिर्फ “किसी की बहन” कहा, बल्कि उसे “यौनिक प्रतीक” के तौर पर इस्तेमाल किया, जिससे बदला लिया गया। यह सिर्फ अश्लीलता नहीं, यह वैचारिक दरिद्रता है। और सबसे विडंबनापूर्ण बात यह है कि यह सब उस व्यक्ति ने कहा है जो राज्य सरकार का एक जिम्मेदार मंत्री है। लेकिन असली सवाल सिर्फ मंत्री की जुबान का नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था का है जो ऐसी जुबानों को बढ़ावा देती है। ऐसे वक्तव्यों पर पार्टी की ओर से कोई सार्वजनिक आलोचना नहीं होती। कोई नेता मंच से यह नहीं कहता कि “शब्द वापस लो, यह मयार्दा नहीं।” क्या यह चुप्पी संकेत है कि ये विचार पार्टी के भीतर स्वीकार्य हैं? या फिर हम अब उस दौर में आ गए हं जहाँ विचारधारा की लड़ाई नहीं, बयानबाजी की प्रतियोगिता चल रही है? सोचिए, कर्नल सोफिया जैसी अधिकारी जिन्होंने अपनी काबिलियत से सेना में स्थान पाया, अब एक राजनीतिक बयान में सिर्फ किसी की बहन बनकर रह जाएँ, तो क्या यह उस “न्यू इंडिया” का चेहरा है जिसे हम गर्व से देखते हैं? क्या स्त्री सशक्तिकरण अब केवल नारे बनकर रह जाएंगे, और मंच पर “नग्न प्रतिशोध” के कल्पना-चित्रों से जनता का मनोरंजन होगा? राजनीति अब विचारों की लड़ाई नहीं रही। अब यह शब्दों की तलवारबाजी बन गई है, जिसमें जितनी भड़काऊ भाषा, उतनी तालियाँ। विजय शाह ने कोई चूक नहीं की उन्होंने पूरी तैयारी से बोला। और उनके शब्द सिर्फ उन्हें नहीं, पूरी व्यवस्था को बेनकाब करते हैं। बयानबाजी का यह खेल लोकतंत्र को धीरे-धीरे एक हास्य-व्यंग्य में बदल रहा है, जहाँ हर गंभीर बात भी तमाशा बनकर रह जाती है।

जब नेतृत्व भाषा की गरिमा नहीं संभाल सकता, तब जनता को खुद तय करना होगा कि वोट बयान वीरों को देना है या ज़िम्मेदार प्रतिनिधियों को। नहीं तो आने वाले कल में शायद संसद भी किसी स्टैंडअप कॉमेडी शो का विस्तार लगने लगे। और तब हमें कोई बताएगा कि हमने “उनकी बहन” से बदला लिया मगर यह नहीं बताएगा कि हमारी चेतना कब की मारी जा चुकी है।

चीन की हरकतों का सच

कुंठित तानाशाह अपनी विचलित मानसिकता को संतुष्ट करने के लिए अकसर ऐसी ही हरकतें करते हैं। चीन की यह कुंठा इसलिए जागृत हुई, क्योंकि भारतीय वायुसेना ने जब पाकिस्तान के आतंकी ठिकाने नेस्तनाबूद करने के लिए ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलें दागीं तो चीन द्वारा पाकिस्तान को दी गई प्रतिरक्षा प्रणाली खोखली साबित हुई। इससे चीन के घटिया हथियारों की पोल डिजिटल साक्ष्यों के साथ पूरी दुनिया के सामने सार्वजनिक हो गई। परिणामस्वरूप उसके आयुध बाजार को जबरदस्त झटका लग गया। मिसाइल निर्माण करने वाली चीनी कंपनियों के शेयर जमीन पर आ गए। चीन की यह बचकानी हरकत है कि जब भी भारत कोई बड़ा काम करता है, तो चीन पूर्वोत्तर क्षेत्र के इस भारतीय प्रांत में ग्रामों, नगरों, नदियों और पहाड़ों के नाम चीनी भाषा मंदारिन में रख देता है और फिर बाकायदा आधिकारिक बयान अपनी सरकारी वेबसाइट “ग्लोबल टाइम्स” पर कर देता है।

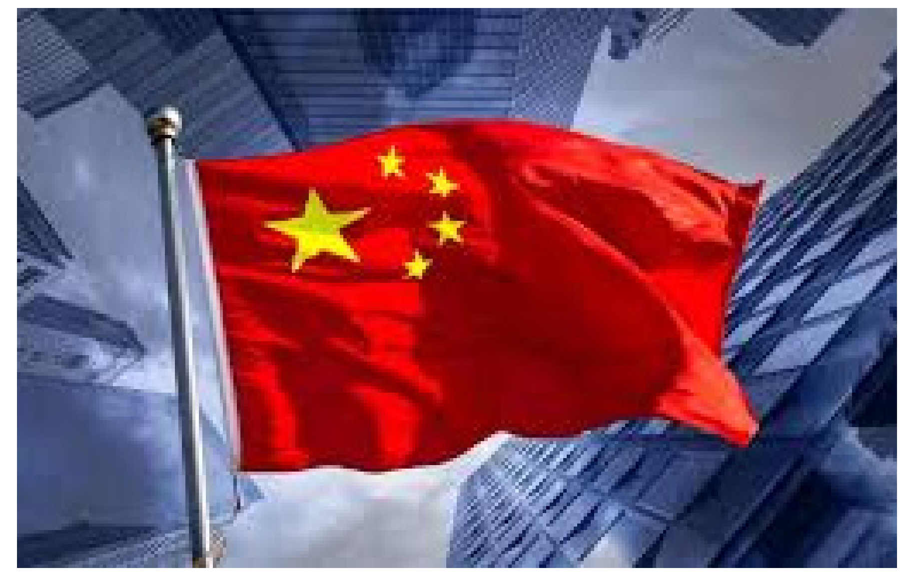

प्रमोद भार्गव

(लेखक)

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर में अपने बोकस हथियारों का हश्र देखने के बाद बौखलाए चीन ने युद्धविराम से पहले अपनी आत्मतुष्टि के लिए अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थलों को चीनी नाम दे दिए। इनमें रहवासी बस्तियों समेत नदियां और पहाड़ शामिल हैं। चीन अरुणाचल में ऐसी हरकतें पहले भी कर चुका है। कुंठित तानाशाह अपनी विचलित मानसिकता को संतुष्ट करने के लिए अकसर ऐसी ही हरकतें करते हैं। चीन की यह कुंठा इसलिए जागृत हुई, क्योंकि भारतीय वायुसेना ने जब पाकिस्तान के आतंकी ठिकाने नेस्तनाबूद करने के लिए ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलें दागीं तो चीन द्वारा पाकिस्तान को दी गई प्रतिरक्षा प्रणाली खोखली साबित हुई। इससे चीन के घटिया हथियारों की पोल डिजिटल साक्ष्यों के साथ पूरी दुनिया के सामने सार्वजनिक हो गई। परिणामस्वरूप उसके आयुध बाजार को जबरदस्त झटका लग गया। मिसाइल निर्माण करने वाली चीनी कंपनियों के शेयर जमीन पर आ गए। चीन की यह बचकानी हरकत है कि जब भी भारत कोई बड़ा काम करता है, तो चीन पूर्वोत्तर क्षेत्र के इस भारतीय प्रांत में ग्रामों, नगरों, नदियों और पहाड़ों के नाम चीनी भाषा मंदारिन में रख देता है और फिर बाकायदा आधिकारिक बयान अपनी सरकारी वेबसाइट “ग्लोबल टाइम्स” पर कर देता है। चीन के प्रपंच की यह आदत आभासी या छद्म युद्ध छेड जैसी बार-बार सामने आती रही है, लेकिन वह अपनी आदत से बाज नहीं आता है। इस हरकत के सामने आने के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा है कि “हमने देखा है कि चीन ने अरुणाचल के कुछ स्थलों के नाम बदलने का खोखला एवं निरर्थक काम किया है। अपने पारंपरिक सैद्धांतिक नीति को जारी रखते हुए हम इस तरह की कोशिशों को सिरे से खारिज करते हैं। नाम बदलने की थोथी प्रक्रिया से जमीन पर हकीकत नहीं बदल जाती। अरुणाचल भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और रहेगा। चीन ने ऐसी ही हरकत अरुणाचल प्रदेश में तब की थी जब 9 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस प्रदेश की 13000 फीट की ऊंचाई पर निर्मित की गई सेला सुरंग का उद्घाटन करने पहुंचे थे। तब अरुणाचल के 30 स्थानों को नए नाम देने की हरकत की थी। डोकलाम विवाद के बाद से ऐसी हरकतें लगातार सामने आती रही हैं। 2017 में जब दलाई लामा अरुणाचल पहुंचे थे, तब भी चीन ने नाम बदले थे। इन नामों की सूची चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स में भी प्रकाशित की जाती है। चीनी नागरिक मामलों का मंत्रालय इन सूचियों को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भी डालता है। चीन अरुणाचल प्रदेश को जंगनान रहता है और इसे दक्षिण तिब्बत के हिस्से के रूप में इस राज्य पर अपना अनैतिक दावा जताता है। जबकि चीन भली-भांति जानता है कि नाम बदलने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। चीन ऐसी हरकत 2017, 2021, 2023, 2024 और अब 2025 में कर रहा है। चीन ये नाम मंदारिन, तिब्बती या फिर पिनयिन भाषाओं में देता है। चीन जब भी भारत का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रुतबा स्थापित हो रहा होता है, तब रुतबे को आहत करने की हीनभावना से यह हरकत करता है। भारत ने जब 9-10 सितंबर 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया था, तब इस सम्मेलन की एक बैठक अरुणाचल में भी संपन्न हुई थी। तब भी चीन ने अरुणाचल में खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे जैसी हरकत दिखाई थी। इस सम्मेलन में चीन शामिल नहीं हुआ था। चीन ने अरुणाचल क्षेत्र में अवैधानिक रूप से गांव बसाने के भी प्रयास किए हैं। चीन अपने मानचित्रों में भी अरुणाचल को अपना बताने की कोशिश करता रहा है। चीन की ये सब हरकतें उसकी विस्तारवादी नीति की कुटिल एवं नापाक इच्छाएं दर्शार्ती हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में देखें तो साफ है, कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी आतंकवाद के विरुद्ध ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया तो चीन और तुर्किये खुले रूप में पाकिस्तान के साथ खड़े नजर आए थे। यही नहीं, चीन ने पाकिस्तान को वायु सुरक्षा प्रणाली और ड्रोण दिए थे। लेकिन भारतीय मिसाइलों ने सुरक्षा प्रणाली को ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तानी सेना ने ड्रोनों के माध्यम से जो मिसाइलें भारतीय क्षेत्र में दागी, उन्हें वायु सैनिकों द्वारा छोड़ी गई ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलों ने आसमान में ही नाकाम कर दिया था। चीन की पाकिस्तान के पक्ष में सीधी उपस्थिति के चलते भारत ने चीन के सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स और सरकारी एजेंसी शिन्हुआ के एक्स खाते भारत में बंद कर दिए हैं। ग्लोबल टाइम्स ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कई मनगढ़ंत खबरें दीं और झूठे दावे भी किए थे। सरकार ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब हाल ही में भारत सरकार ने पाकिस्तान के कई एक्स हैंडल के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की है। साथ ही भारत ने तुर्किये के साथ भी अनेक व्यापार समझौते तोड़ते हुए पर्यटकों के वहां जाने पर रोक लगा दी। चीन की हमेशा ही कुटिल निगाह वास्तविक नियंत्रण रेखा को लांघने की भी रही है। चीन ने 15 जून 2020 को लद्दाख के पश्चिमी क्षेत्र गलवान घाटी में सीमा उल्लंघन का प्रयास किया था। जिसके चलते भारत और चीन की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें करीब 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। चीन के भी बड़ी संख्या में सैनिक हताहत हुए थे। लंबे समय तक सैन्य गतिरोध बने रहने के बाद चीन नियंत्रण रेखा से पीछे हटने को मजबूर हुआ था। यहां मार खाने के बावजूद चीन का अरुणाचल में हस्तक्षेप का प्रयास निरंतर बना हुआ है। 1962 के युद्ध के समय चीन ने भारत के पूर्वोत्तर हिस्से में अपने सैनिकों की सबसे बड़ी टुकड़ी तवांग के मार्ग से असम तक पहुंचाई थी। भारत, चीन की इस चालाकी से अच्छी तरह से परिचित है। अतएव पिछले एक दशक में समूचे अरुणाचल प्रदेश में ढांचागत विकास को बहुत तेज किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस विकास को लगातार प्रोत्साहित कर रहे हैं। चीन के लिए यह विकास और भारत सरकार का दोटूक जवाब परेशानी का सबब बन रहा है। अरुणाचल प्रदेश से लगे सीमाई इलाकों में 63 सडकें भारत सरकार बना रही है। इनमें से कई सडकें व पुल तैयार होने के साथ आवागमन के लिए भी खोल दिए गए हैं। नतीजतन भारतीय सैनिकों की सीमा तक पहुंच आसान हो गई है। सनद रहे कि 1962 में सडकें नहीं होने के कारण

आतंकवाद के खिलाफ एकता और भाजपा का पाखंड

लेकिन, सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी की आंतरिक दिक्कतों का फायदा उठाने की कोशिश में, मोदी सरकार ने इन मिशनों के भेजे जाने के पूरे विचार में ही पलीता लगा दिया है। मैं यह देखकर प्रसन्न हूं कि कई दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर्नल सोफिया कुरैशी की सराहना कर रहे हैं, लेकिन शायद उन्हें उतनी ही शिद्दत से यह मांग भी करनी चाहिए कि भीड़ हिंसा के शिकार, बिना कानूनी प्रक्रिया के मकानों पर बुलडोजर चलवाए जाने और भाजपा की नफरत की राजनीति के शिकार अन्य लोगों को भी, समान रूप से एक भारतीय नागरिक के रूप में न्याय और सुरक्षा दी जाए। दो महिला अफसरों का प्रैस कान्फ्रेंस करना दीखने में एक महत्वपूर्ण दृश्य हो सकता है, लेकिन जब तक यह नजारा जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव में तब्दील न हो, तब तक यह केवल एक “दृश्य राजनीति” (ऑप्टिक्स) ही रहेगा

shutterstock.com - 2579734345

राजेंद्र शर्मा

लेखक,

विदेश सेवा के अधिकारियों के मुकाबले, इन सांसदों/राजनीतिक नेताओं का वजन विदेशी मोर्चे पर भी इसीलिए अधिक माना जा रहा है कि वे अपनी राजनीतिक पार्टियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो भारतीय जनता की राय का प्रतिनिधित्व करती हैं। लेकिन, सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी की आंतरिक दिक्कतों का फायदा उठाने की कोशिश में, मोदी सरकार ने इन मिशनों के भेजे जाने के पूरे विचार में ही पलीता लगा दिया है। मैं यह देखकर प्रसन्न हूं कि कई दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर्नल सोफिया कुरैशी की सराहना कर रहे हैं, लेकिन शायद उन्हें उतनी ही शिद्दत से यह मांग भी करनी चाहिए कि भीड़ हिंसा के शिकार, बिना कानूनी प्रक्रिया के मकानों पर बुलडोजर चलवाए जाने और भाजपा की नफरत की राजनीति के शिकार अन्य लोगों को भी, समान रूप से एक भारतीय नागरिक के रूप में न्याय और सुरक्षा दी जाए। दो महिला अफसरों का प्रैस कान्फ्रेंस करना दीखने में एक महत्वपूर्ण दृश्य हो सकता है, लेकिन जब तक यह नजारा जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव में तब्दील न हो, तब तक यह केवल एक “दृश्य राजनीति” (ऑप्टिक्स) ही रहेगा–एक छलावा। अशोका विश्वविद्यालय के इतिहास तथा राजनीति विभाग के प्रोफेसर तथा राजनीति विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रो. अली खान महमूदाबाद की ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित अपेक्षाकृत लंबी फेसबुक पोस्ट की शायद यही पंक्तियां हैं, जिनके लिए न सिर्फ उनको हड़बड़ी में हरियाणा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है, उन्हें अन्य अनेक धाराओं के अलावा राजद्रोह के दो-दो आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। हजारों की संख्या में अकादमिकों और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकताओं ने प्रोफेसर अली खान की गिरफ्तारी को सरासर अनुचित तथा मनमानी बताते हुए, इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दमन बताने के साथ ही, जिस तरह कुछ विस्तार से उनकी टिप्पणी में कुछ भी, किसी भी नजर से आपत्तिजनक होने मात्र का खंडन किया है, उससे पूरी तरह से सहमत होने के चलते, हम यहां उसे दोहराना आवश्यक नहीं समझते हैं। हम यहां सिर्फ इतना ध्यान दिलाना चाहेंगे कि प्रो. अली इस टिप्पणी में जिस छलावे या पाखंड से बचे जाने का ताकाजा कर रहे थे, उनकी गिरफ्तारी आतंकवाद के विरुद्ध राष्ट्र को एकजुट करने के इस चुनौतीपूर्ण समय में भी सत्ताधारी संघ-भाजपा के उसी पाखंड का सहारा लेने का, एक और सबूत पेश कर रही थी। प्रो. अली की गिरफ्तारी इस पाखंड को इसलिए और किसी उदाहरण से ज्यादा मुखरता से उजागर करती है कि ठीक इसी समय पर, मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री, कुंवर विजय शाह के मामले में, उसी संघ-भाजपा की सरकार, इससे ठीक उल्टा ही आचरण प्रदर्शित कर रही थी। प्रो. अली के विपरीत, भाजपायी मंत्री के खिलाफ, किसी भी नजर से क्यों न देखा जाए, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सचेत रूप से भारतीय कार्रवाई का चेहरा बनायी गयी, कर्नल सोफिया कुरैशी के घनघोर अपमान का मामला बनता है। और शुद्ध सांप्रदायिक आधार पर यानी उनके मुसलमान होने के लिए ही, उनका ऐसा अपमान करने का मामला बनता है। इसके बावजूद, जैसा कि सभी जानते हैं भाजपायी मंत्री के खिलाफ, न तो भाजपा की मध्य प्रदेश सरकार ने कोई कार्रवाई करने की जरूरत समझी और न ही संघ-भाजपा परिवार ने। यहां तक कि इस मामले पर चारों ओर शोर मचने के बाद, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की जबलपुर बैंच ने स्वतः संज्ञान लेकर, मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बहुत ही सख्त आदेश भी जारी कर दिए। इसके बाद मजबूरी में आखिरी घंटे पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज तो की लेकिन, इतनी लचर एफआईआर कि हाई कोर्ट की बैंच को अगले दिन फिर से सरकार को सिर्फ फटकार ही नहीं लगानी पड़ी, यह आदेश भी जारी करना पड़ा कि आगे अदालत इस मामले की निगरानी करेगी। इसके बाद भी, भाजपायी राज्य सरकार ने साफ कर दिया है कि वह दोषी मंत्री की गिरफ्तारी नहीं करने जा रही है। और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा विजय शाह की गिरफ्तारी की किसी भी संभावना से इंकार ठीक उस समय किया जा रहा था, जब उसी संघ-भाजपा की हरियाणा सरकार, प्रो. अली खान की दिल्ली से गिरफ्तारी की तैयारी कर रही थी। बेशक, पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हत्याएं की थीं। और जैसा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सरकार की ओर से एक पत्रकार वार्ता में, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने रेखांकित भी किया था, इसके पीछे आतंकवादियों का मकसद देश में सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना था। उनका यह कहना भी बहुत हद तक सही था कि देश ने, आतंकवादियों के इन मंसूबों को विफल कर दिया था। पर बहुत हद तक ही। बेशक, आतंकवादियों की इस दरिंदगी के खिलाफ आम तौर पर पूरा देश एकजुट था। जम्मू-कश्मीर ने और देश के अल्पसंख्यकों ने खासतौर पर, इस दरिंदगी के लिए अपने नाम के इस्तेमाल को बलपूर्वक ठुकराया था। देश व जनता की इस व्यापक एकता की अभिव्यक्ति, सर्वदलीय बैठक के जरिए आतंकवाद और उसके प्रश्रयदाताओं के खिलाफ, पूरी तरह से एकजुट संदेश में भी हुई थी। लेकिन, इसके समानांतर एक क्षीण किंतु सत्तातंत्र का संरक्षण प्राप्त होने से उग्र धारा, विभाजन पैदा करने की भी थी। यह धारा, आतंकवादियों की करतूतों के बहाने से खासतौर पर कश्मीरी मुसलमानों को और आम तौर पर मुस्लिम अल्पसंख्यकों को हमलों का निशाना बनाए जाने की थी। जाहिर है कि भौतिक हमलों से कई गुना बड़ा था, वैचारिक-भावनात्मक हमलों का दायरा, और ये हमले सत्ता परिवार के आईटी सेल द्वारा संचालित ताने-बाने के जरिए किए जा रहे थे। बहरहाल, शासन की ओर से किसी रोक-टोक के अभाव में भौतिक हमलों का सिलसिला भी, आपरेशन सिंदूर के शुरू होने तक जारी ही था। एसोसिएशन ऑफ प्रोटैक्शन ऑफ सिविल राइट्स (एपीसीआर) द्वारा 22 अप्रैल से 8 मई के बीच, देश के 20 राज्यों में 180 से ज्यादा सांप्रदायिक घटनाओं का जो विवरण एकत्रित किया गया है, उसके अनुसार इनमें 106 घटनाएं पहलगाम के आतंकवादी हमले से संबंधित थीं और इनकी चपेट में कम से कम 316 लोग आए थे। इनमें 39 हमले की, 19 तोड़-फोड़ की और 42 मुसलमानों को तंग किए जाने की घटनाएं थीं। यह दिखाता है

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पीरपैंती रेलवे स्टेशन का भव्य कायाकल्प

भारतीय रेलवे की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हाल ही में बिहार के भागलपुर जिले में स्थित पीरपैंती रेलवे स्टेशन में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। एनएसजी-5 श्रेणी में वगीर्कृत पीरपैंती स्टेशन, पूर्व रेलवे क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जहाँ यात्रियों की बढ़ती माँगों को पूरा करने के लिए आधुनिक बुनियादी ढाँचे को अपग्रेड करना जरूरी था। पुनर्विकास की प्रमुख विशेषताएँ अमृत भारत स्टेशन योजना के पहले चरण के अंतर्गत, पीरपैंती स्टेशन के लिए 18.93 करोड़ के पुनर्विकास कार्यों को मंजूरी दी गई है। इस व्यापक कार्य योजना में सिविल, इलेक्ट्रिकल, सिग्नलिंग और दूरसंचार (एस एंड टी), साइनेज, लिफ्टों की स्थापना और रूफ प्लाजा के साथ 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का विकास शामिल है। इसके अतिरिक्त, स्टेशन की कार्यक्षमता और दृश्य सौंदर्य को बढ़ाने के लिए अलग-अलग आगमन और प्रस्थान ब्लॉक, पैदल यात्री मार्ग, आकर्षक

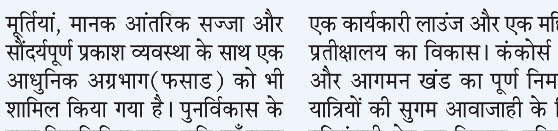

मूर्तियां, मानक आंतरिक सज्जा और सौंदर्यपूर्ण प्रकाश व्यवस्था के साथ एक आधुनिक अग्रभाग(फसाड) को भी शामिल किया गया है। पुनर्विकास के तहत निम्नलिखित प्रमुख सुविधाएँ प्रदान की गई हैं: सौंदर्यपूर्ण प्रकाश व्यवस्था के साथ एक आधुनिक अग्रभाग का निर्माण। प्रथम श्रेणी और द्वितीय श्रेणी के प्रतीक्षालय, एक आरक्षित लाउंज, एक कार्यकारी लाउंज और एक महिला प्रतीक्षालय का विकास। कंकोर्स क्षेत्र और आगमन खंड का पूर्ण निर्माण। यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए परिसंचारी क्षेत्र का विकास गतिशील यात्री सूचना के लिए बड़े आकार की इनडोर और आउटडोर वीडियो दीवारों की स्थापना। स्टेशन नेविगेशन को सुव्यवस्थित करने के लिए व्यापक साइनेज का कार्यान्वयन। सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए दिव्यांगजन-अनुरूप बुनियादी ढाँचे का प्रावधान। स्टेशन का डिजाइन और इंटीरियर स्थानीय कला और आस-पास के ऐतिहासिक स्मारकों से प्रेरित है, जो आधुनिक वास्तुकला को क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत के साथ जोड़ता है। यह मिश्रण पीरपैंती स्टेशन को एक अलग पहचान प्रदान करता है, जो बिहार की समृद्ध परंपराओं को दशार्ता है। पीरपैंती रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए आधुनिक बुनियादी ढांचे के माध्यम से यात्री अनुभव को बढ़ाने के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

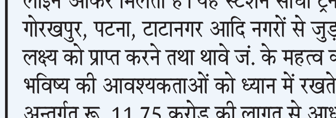

बिहार के गोपालगंज जिले का एक कस्बा है। यह जिला मुख्यालय से 06 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। धार्मिक रूप से थावे का अपना एक विशिष्ट स्थान है। यहॉ पर मॉ दुर्गा का एक भव्य मंदिर है। इस मंदिर में पूरे वर्ष श्रद्धालुओं का आगमन होता है तथा नवरात्रि के अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालु यहां आकर पूजा-अर्चना करते है। थावे जं. स्टेशन : यह बिहार राज्य में पूर्वोत्तर रेलवे स्टेशन का प्रमुख जं. स्टेशन है, यहॉ पर सीवान, छपरा कचहरी एवं कप्तानगंज से लाइनें आकर मिलती है। यह स्टेशन सीधी ट्रेन सेवा के माध्यम से लखनऊ, गोरखपुर, पटना, टाटानगर आदि नगरों से जुड़ा हुआ है। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने तथा थावे जं. के महत्व को देखते हुए भारतीय रेल द्वारा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, अमृत स्टेशन योजना के अन्तर्गत रू. 11.75 करोड़ की लागत से आधुनिक सुख-सुविधाओं से युक्त स्टेशन भवन विकसित किया गया है। 400 वर्ग मीटर में स्टेशन भवन तथा फसाड में सुधार का कार्य पूर्ण कर स्टेशन भवन को आकर्षक स्वरूप दिया गया है। यात्रियों को धूप एवं वर्षा से बचाव हेतु तीनों प्लेटफॉर्मों पर 28 बे के यात्री छाजन का प्रावधान किया गया है। इसके तीनों प्लेटफॉर्मों के सतह में सुधार किया गया तथा प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर कोटा स्टोन लगाया गया है।

प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा के मुद्दे पर सांसद राजीव प्रताप रूडी के प्रयासों को विदेश मंत्रालय की स्वीकृति

17 मार्च 2025 को श्री रूडी ने लोकसभा में नियम 377 के तहत प्रवासी श्रमिकों का मुद्दा उठाया

खाड़ी देशों में श्रमिकों की मौत और शव लाने में देरी पर जताई चिंता, कल्याण कोष व द्विपक्षीय समझौतों को मजबूत करने की मांग, विदेश मंत्रालय ने प्रवासी योजनाओं पर विस्तृत जवाब दिया मृतकों के शव लाने में दूतावासों की भूमिका की पुष्टि, महिला श्रमिकों की सुरक्षा के लिए विशेष उपायों का उल्लेख, बिहार के हित में श्री रूडी के सतत प्रयासों की एक कड़ी सांसद कार्यालय के नियंत्रण कक्ष में रोजाना सहायता कॉल आते हैं। भोजपुर, सिवान, गोपालगंज, दरभंगा आदि जिलों के श्रमिकों को दी गई सहायता। कई मामलों में श्री रूडी ने स्वयं हस्तक्षेप कर राहत दिलवाई

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय।। सारण के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री राजीव प्रताप रूडी ने बिहार के लाखों प्रवासी श्रमिकों की पीड़ा को संसद के पटल पर मजबूती से उठाया। 17 मार्च 2025 को लोकसभा में नियम 377 के तहत उन्होंने यह गंभीर मुद्दा रखा था कि कैसे खाड़ी देशों में काम करने वाले श्रमिक जो विशेष रूप से बिहार और उत्तर प्रदेश से होते है वो अमानवीय परिस्थितियों में कार्य कर रहे हैं और अनेक मामलों में उनकी मौत के बाद शवों को स्वदेश नहीं भेजा जाता, जिससे उनके परिवारों को भीषण मानसिक और आर्थिक संकट झेलना पड़ता है। श्री रूडी ने बताया कि 2012 से 2018 के बीच खाड़ी देशों में 24,570 भारतीय श्रमिकों की मृत्यु हुई, जो कि प्रतिदिन औसतन 10 मौतें है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि मृतकों के परिवारों के लिए एक विशेष कल्याण कोष स्थापित किया जाए और द्विपक्षीय समझौतों को सशक्त बनाया जाए जिससे श्रमिकों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकार सुनिश्चित किए जा सकें। इस पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर द्वारा हाल ही में भेजे गए विस्तृत उत्तर में सरकार की ओर से इस विषय पर किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। विदेश मंत्री ने बताया कि भारतीय दूतावासों और उच्चायोगों में स्थापित भारतीय सामुदायिक कल्याण निधि के माध्यम से प्रवासी भारतीयों को संकट की स्थिति में सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें कानूनी सहायता, शव की वापसी, आपातकालीन चिकित्सा देखभाल, और आवश्यक स्थिति में जुमार्ना अदा करना भी शामिल है।

इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा श्रमिक कल्याण समझौते, प्रवासन और गतिशीलता साझेदारी समझौते, और सामाजिक सुरक्षा समझौते जैसे उपायों के माध्यम से प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। खासकर महिला श्रमिकों और घरेलू कामगारों के लिए केवल राज्य सरकार द्वारा अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से विदेश भेजे जाने की नीति और न्यूनतम आयु 30 वर्ष की शर्त भी लागू की गई है, ताकि उनका शोषण रोका जा सके। बिहार में प्रवासी श्रमिकों के संबंध में श्री रूडी के प्रयास लगातार सक्रिय और व्यावहारिक रहे हैं। उनके कार्यालय द्वारा संचालित नियंत्रण कक्ष में प्रतिदिन बिहार के विभिन्न जिलों, जैसे भोजपुर, सिवान, गोपालगंज, वैशाली, दरभंगा, मधुबनी, शिवहर, रोहतास आदि से सहायता हेतु कॉल प्राप्त होते हैं। विदेशों में फँसे श्रमिकों, वेतन विवाद, मृत्यु की स्थिति में शव लाने, महिला श्रमिकों की सुरक्षा जैसी समस्याओं को प्राथमिकता से सुलझाया जाता है। कई मामलों में तो श्री रूडी ने स्वयं पहल कर परिजनों को राहत दिलाई है। इसी प्रकार का मामला सिवान निवासी एक प्रवासी श्रमिक की दुबई में मृत्यु के बाद, श्री रूडी ने भारतीय दूतावास से समन्वय कर न केवल शव स्वदेश मँगवाया बल्कि आर्थिक सहायता भी दिलवाई। भोजपुर जिले के एक युवक की ओमान में मृत्यु होने पर, सांसद ने तत्परता से शव मँगवाने की प्रक्रिया को तेज किया। दरभंगा जिले के एक श्रमिक की कतर में कानूनी फँसावट पर कानूनी सहायता उपलब्ध करवाई गई। गोपालगंज निवासी युवक की केरल के कोच्चि में दुर्घटना में मृत्यु पर सांसद ने स्थानीय प्रशासन से समन्वय कर शव को हवाई मार्ग से परिजनों तक पहुँचाया। वैशाली, मधुबनी और रोहतास के भी कई मामलों में सांसद ने विदेश मंत्रालय, दूतावासों और राज्य सरकारों से समन्वय कर पीड़ित परिवारों को सहायता दिलवाई है।

महिला संवाद कार्यक्रम से गूंज उठा सारण, कार्यक्रम में जुट रही है महिलाएं

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार के तत्वावधान में जीविका सारण द्वारा जिले के विभिन्न हिस्सों में महिलाओं की आवाज को मंच देने के लिए ह्महिला संवादह्व कार्यक्रम का आयोजन जोर-शोर से जारी है। इस पहल की शुरुआत 18 अप्रैल 2025 को जिलाधिकारी श्री अमन समीर (भा.प्रा.से.) ने जिला समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर की थी। इस अवसर पर 18 जागरूकता वाहन रवाना किए गए थे, जो इन दिनों गांव-गांव जाकर महिलाओं को सरकार की विभिन्न योजनाओं विशेषकर महिला सशक्तिकरण से जुड़ी पहलों की जानकारी दे रहे हैं। वीडियो फिल्मों, लिफ्लेट्स और संवाद सत्रों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। साथ ही, वे स्वयं अपने जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की कहानियां भी साझा कर रही हैं, जिससे अन्य महिलाएं भी प्रेरित हो रही हैं। आज जिले के 36 अलग-अलग स्थानों पर महिला संवाद का आयोजन हुआ, जहां महिलाओं ने खुलकर अपने गांव, पंचायत और प्रखंड से जुड़े विकास के मुद्दे और आकांक्षाएं साझा की। इन आयोजनों के माध्यम से अब तक कुल 30,581 आकांक्षाएं एक विशेष मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से संकलित की जा चुकी हैं। केवल आकांक्षाओं का संकलन ही नहीं, बल्कि महिला संवाद के दौरान सामने आई समस्याओं का त्वरित निष्पादन भी किया जा रहा है, जिससे कार्यक्रम की प्रासंगिकता और प्रभावशीलता और बढ़ गई है। इस अभियान के तहत मंगलवार तक कुल 1168 स्थलों पर महिला संवाद आयोजित हो चुका है, जबकि लहलादपुर और रिवीलगंज प्रखंड में इसका आयोजन 28 मई से प्रस्तावित है। पूरे कार्यक्रम की सतत निगरानी स्वयं जिलाधिकारी सारण द्वारा की जा रही है। अमनौर की गीता कुमारी ने महिला आरक्षण के लिए बिहार सरकार की सराहना करते हुए कहा कि आरक्षण ने महिलाओं को कम से कम 8 से 10 साल आगे बढ़ा दिया है। उन्होंने बताया कि वह आज एक शिक्षिका हैं और सम्मानजनक जीवन जी रही हैं, जिसका श्रेय वे राज्य सरकार की नीतियों को देती हैं। वहीं, बनियापुर प्रखंड की महिलाओं ने जीविका द्वारा शुरू किए गए सामाजिक बदलाव की तारीफ करते हुए कहा कि जीविका ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में हर संभव सहायता दी है। मांझी प्रखंड की महिलाओं ने स्थानीय स्तर पर कोल्ड स्टोरेज की आवश्यकता जताई, जबकि कुछ ने नल-जल योजना के खराब क्रियान्वयन को लेकर नाराजगी जाहिर की। कई महिलाओं ने नाली और सड़कों की खराब स्थिति की भी शिकायत की। महिला संवाद कार्यक्रम न केवल सरकारी योजनाओं के प्रचार- प्रसार का माध्यम बन रहा है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं की आवाज को नीतिगत बदलावों तक पहुँचाने का सशक्त प्लेटफॉर्म भी बनता जा रहा है। सारण जिले में महिलाओं की भागीदारी और उत्साह इस बात का प्रमाण है कि वे अब न केवल जागरूक हैं, बल्कि विकास की राह पर मजबूती से कदम बढ़ा रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

बिहार बदलाव यात्रा को लेकर जसुपा ने की बैठक

लहलादपुरः बिहार बदलाव यात्रा को लेकर श्रीढोढ़ानाथ मंदिर परिसर में जन सुराज पार्टी की एक बैठक प्रखंड अध्यक्ष सुजीत कुमार कुशवाहा के अध्यक्षता में हुई. बैठक में 22 मई 2025 को जन सुराज पार्टी के प्रणेता प्रशांत किशोर जी के आगमन को मद्देनजर तैयारियों की समीक्षा की गई. वक्ताओं ने कहा कि लहलादपुर प्रखंड में प्रशांत किशोर का भव्य स्वागत किया जायेगा. प्रखंड क्षेत्र के कटैया,चकदह, बनपुरा, बिहारी मोड़, ताजपुर टांड़, मिर्जापुर,धनेश छपरा, बसही,शोभीपुर, ताजपुर चटिया, सारण, लहलादपुर के ग्रामीणों का आशीर्वाद लेकर 2 बजे दिन में श्रीढोंढ़नाथ हाई स्कूल सह इंटर कॉलेज के मैदान में आम सभा करेंगे. जिसमें हजारों की संख्या में महिला-पुरुष भाग लेंगे. बैठक को विकास सिंह, डॉ ओ नगनारायण प्रसाद, ललित तिवारी, अशरफ रजा खान, दशरथ सिंह शाहशाह, बुटाई चौधरी आदि ने सम्बोधन किया.

भाकपा के शाखा सम्मेलन में महागठबंधन प्रत्याशी के पक्ष में लामबंद होने का लिया गया प्रस्ताव

मढ़ौरा भाकपा उजड़ी सेंदुआरी के 15 वे शाखा सम्मेलन में महागठबंधन प्रत्याशी के पक्ष में जनसंपर्क के जरिए अभी से जनता के बीच लगने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। शाखा सम्मेलन आयमा शेखपुरा ओल्हनपुर में मंगलवार को जमादार राय की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई ।इसके पूर्व सम्मेलन स्थल पर उपस्थित सदस्यों ने भाकपा जिला सचिव रामबाबू सिंह के नेतृत्व में एक जुलूस निकाल कर ग्राम भ्रमण किया एवं जनसमस्याओं के निराकरण संबंधी नारे लगाए । तत्पश्चात सम्मेलन स्थल पर सर्वप्रथम का विष्णुदेव राम खेत मजदूर नेता ने झंडोत्तोलन किया । इसके बाद शहीद वेदी पर पुष्पांजलि किया गया । सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए जिला सचिव रामबाबू सिंह ने कहा कि आज नीतीश मोदी की जनविरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए आनेवाले चुनाव में महागठबंधन प्रत्याशी को जिताने के लिए अभी से लग जाने की जरूरत है ।प्रो भूपेश भीम एवं प्रो रजाक हुसैन ने अभिनंदन किया ।शोक प्रस्ताव संजय कुमार सिंह ने पेश किया ।शाखा सचिव भारत राय ने प्रतिवेदन पेश किया । अगले सत्र के लिए सर्व सम्मति से भरत राय सचिव एवं संजीव कुमार सिंह तथा बिक्रमा महतो सहायक सचिव चुने गए । अंतरराष्ट्रीय गान के साथ सम्मेलन की कार्यवाही समाप्त की गई ।

पुलिस ने तीन शराबी को गिरफ्तार कर भेजा व्यवहार न्यायालय

परसा। स्थानीय थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांवो में शराब पीकर हंगामा कर रहे तीन शराबियों को परसा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया.तीनों गिरफ्तार शराबियों पर उत्पाद अधिनियम के तहत सनहा दर्ज करते हुए मंगलवार को भेजा छपरा व्यवहार न्यायालय. गिरफ्तार शराबियों में परसा थाना क्षेत्र के भिखारी छपरा गांव निवासी सुरेश महतो का पुत्र चंदन कुमार,चेतन परसा निवासी अहमद साईं का पुत्र मो समीम तथा डेरनी थाना क्षेत्र के खोजौली गांव निवासी भुटेली सिंह का पुत्र जितेंद्र सिंह बताया जाता है.

रात के अंधेरे में अवैध खनन भंडारण से चल रहा है सप्लाई का गोरखधंधा

पर्यावरण को भारी नुकसान, प्रशासन मौन

बगहा।वाल्मीकिनगर स्थित वीटीआर सेफ्टी जोन में खनन कर किए गए पत्थर,बालू भंडारण से मांग के अनुसार रात के अंधेरे में चोरी छिपे सप्लाई की जा रही है। बतादें की वीटीआर के सेफ्टी जोन में कई जगह अवैध खनन कर पत्थर बालू का भंडारण किया गया है जहां से रात के अंधेरे में विभिन्न योजनाओं व निजी चल रहे कार्यों में ट्रैक्टर ट्रॉली से आपूर्ति की जा रही है। सूत्रों की माने तो ये अवैध खनन भंडारण बगहा वाल्मीकिनगर मुख्य पथ हवाई अड्डा,कोतराहां,विजयपुर,भेरियानी सहित कई जगहों पर किया गया है।ये सभी जहां भी आपूर्ति करनी होती है,इन्हें मुख्य सड़क मार्ग होकर ही आपूर्ति करना होता है। इस मार्ग पर पुलिस की गश्ती गाड़ी बराबर मूवमेंट्स करते रहती है।इसके बावजूद खनन तस्करों की बलिहारी कहें कि पुलिस के आंखों में धूल झोंकर ये अवैध गोरखधंधा निर्बाध गति से चल रहा है। बतातें चलें कि वाल्मीकिनगर परिक्षेत्रों में आज भी बड़े बड़े गड्ढे अवैध खनन की गवाही दे रहे है।पर्यावरण के जानकार बतातें हैं कि वीटीआर परिक्षेत्र में किसी भी खनन का पर्यावरण पर बुरा असर डालता है और इसके दूरगामी परिणाम देखने को मिलेंगे।

मीना बाजार और आसपास के क्षेत्र में कुल 51.82 लाख की पांच योजनाएं पारित: गरिमा

- बेतिया राज कालीन इस ऐतिहासिक धरोहर को सुविधा संपन्न व और आकर्षक बनाने के लिए के प्रस्ताव को बोर्ड ने किया था पारित
- बीते अप्रैल माह में संपन्न नगर निगम बोर्ड की बैठक में पारित इन योजनाओं पर तत्काल कार्यान्वयन का महापौर ने दिया है आदेश

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि नगर में मीना बाजार जैसे ऐतिहासिक धरोहर को सुविधा संपन्न और आकर्षक बनाने के लिए कुल 51.82 लाख लागत वाली पांच योजनाओं को नगर निगम बोर्ड द्वारा पारित किया गया है। इसका विवरण बताते हुए श्रीमती सिकारिया ने बताया कि मीना बाजार के मीठा हट्टा और छोटा रमना मार्केट के चावल हट्टा में स्थित दो कुआं का जीर्णोद्धार शामिल है। वही मछलीहट्टा में भी एक सार्वजनिक मूत्रालय निर्माण कार्य सहित सभी पांच विकास योजनाओं को नगर निगम बोर्ड ने विगत अप्रैल माह में संपन्न बैठक में प्रशासनिक स्वीकृति दे दिया है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया ने बताया कि बेतिया राजकालीन कुआं जीर्णोद्धार के अलावा कावेरी होटल रोड स्थित मूत्रालय का जीर्णोद्धार एवं मीना बाजार स्थित मछलीहट्टा शेड का जीर्णोद्धार कार्य कराया जाना शामिल है। वही नगर में मीना बाजार के समीपवर्ती ट्रैफिक चौक पर मूत्रालय निर्माण के साथ ही मीना बाजार के समीपवर्ती पुराने टांगा स्टैंड में शौचालय एवं मूत्रालय निर्माण कार्य कराए जाने को स्वीकृति दी गई है। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि मीना बाजार में पानी टंकी से संतोष जी सोना चांदी दुकान तक सड़क निर्माण कार्य एवं लोहारपट्टी में प्रदीप जी की टॉफी दुकान से जंगली मिस्त्री के दुकान तक खस्ताहाल पीसीसी सड़क का नया निर्माण कराएं जाने को नगर निगम बोर्ड ने पारित किया है। इसके अलावा मीना बाजार परिसर में ही मीना बाजार मस्जिद से नीरज सोनार के दुकान तक नाला निर्माण कार्य को भी नगर निगम बोर्ड ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि मीना बाजार के सर्वांगीण विकास के लिए मैं प्रतिबद्ध हूँ।

वन विभाग ने पीड़ितों में मुआवजे की क्षतिपूर्ति राशि वितरण की

बगहा। वाल्मीकिनगर वन प्रमंडल 2 ने परिक्षेत्र के वैसे पीड़ितों के बीच क्षतिपूर्ति मुआवजे की राशि वितरित की जिनके फसल का नुकसान या मवेशियों की जानमाल वीटीआर के हिंसक जानवरों के द्वारा की गई है। रेंजर श्रीनिवासन नवीन ने बताया कि जंगल कैम्प से सटे होटल विहार के हॉल में हुए एक कार्यक्रम के दौरान पीड़ितों को क्षतिपूर्ति मुआवजे की राशि बांटी गई है।संतपुर सोहरिया निवासी मगरमच्छ हमला पीड़ित सुगंधा कुमारी,ई टाइप कॉलोनी निवासी रुकसाना तरन्नुम और एनपीसीसी निवासी मरियम खातून के तेंदुआ द्वारा इनके बकरी की मौत और ठाढ़ी निवासी मन्नू कुशवाहा को भी बकरी के मौत का मुआवजा दिया गया।तादें की वीटीआर जंगलों से सटे किसान व मवेशी पलकों के फसल या मवेशियों को वीटीआर के जानवरों,बाघ,भालू,तेंदुआ हाथी,गेंडा आदि से फसलों को नुकसान या मवेशियों को पूर्व में मौत के घाट उतार दिया गया है।वैसे पीड़ितों को आवेदन व साक्ष्य के साथ वन विभाग को इत्तला करने होते है,इसके बाद वनकर्मियों द्वारा आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य को आधार मानकर उल्लेखित घटनास्थल का मुआयना कर निर्धारित कटेगरी के अनुसार क्षतिपूर्ति राशि पूर्व से निर्धारित तय राशि स्वीकृत कर आवंटन के आधार पर पीड़ितों के बीच मुआवजे का चेक दिया जाता है।

इनर व्हील क्लब ने जरूरतमंदों को लगाया कृत्रिम पैर

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। इनर व्हील क्लब आफ सारण की अध्यक्ष शिल्पी कुमारी ने कोलकाता स्थित महावीर सेवा सदन में एक प्रेरणादायक पहल के तहत जरूरतमंदों को कृत्रिम अंग प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया । यह एक अंतर जिला संयुक्त परियोजना थी, जिसमें District 329 के 15 क्लबों और District 325 के 35 क्लबों ने मिलकर भाग लिया । इस सहयोगात्मक प्रयास के माध्यम से 17 जरूरतमंद लोगों को कृत्रिम पैर प्रदान किए गए ताकि वे फिर से अपने पैरों पर खड़े हो सकें और आत्मनिर्भर जीवन जी सकें। यह परियोजना आपसी समन्वय और सामाजिक जिम्मेदारी का एक बेहतरीन उदाहरण है। इस अवसर पर IWD 325 की ऊ्र अलकनंदा बक्सी, IWD 329 की ऊ्र इंद्राणी बसु मल्लिक, IPIIW संपादक एवं टट प्रभा रघुनंदन, PIIWR ललिता सेठ, DT निभा (D325), ऊ्रउ सीमा, DS अदिति (D329) सहित सहभागी क्लबों के कई सदस्य इस अवसर पर उपस्थित थे। IWC की अध्यक्ष चंद्रा ने सभी अतिथियों और सदस्यों का स्वागत एवं सम्मान किया । डिस्ट्रीक्ट चेयरमैन अलकनंदा बक्शी ने इस पहल में सहयोग देने वाले सभी क्लबों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इनर व्हील की यह संयुक्त पहल समाज सेवा के क्षेत्र में एक मिसाल है। वहीं दूसरी ओर इनर व्हील क्लब ऑफ सारण की अध्यक्ष शिल्पी कुमारी ने मां के सम्मान में हमारे घरों में काम करने वाली महिलाओं के साथ केक काटकर मदर्स डे मनाया और एक दूसरे को केक खिलाया । इस सम्मान को पाकर वे बहुत खुश हुई और अध्यक्ष का धन्यवाद दिया । अध्यक्ष का कहना है कि मां का एक दिन नहीं बल्कि हर दिन मां का होता है, एक मां का बलिदान परिवार और समाज में अहम भूमिका निभाता है । इसकी जानकारी क्लब की अध्यक्ष शिल्पी कुमारी ने दिया ।

जेपीयू के प्रोफेसर राजेश नायक को मिलेगा मिल्खा सिंह सम्मान

- कैलाश गौतम अवार्ड से सम्मानित हुए अविनाश भारती

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा सदर ।विगत रविवार को मुट्ठीगंज, प्रयागराज अवस्थित आर्य कन्या इंटर कॉलेज के भव्य सभागार में गुफ़्तगू पत्रिका का 23 वाँ वार्षिकोत्सव मनाया गया। इस मौके पर साहित्य, समाज, मीडिया, रंगमंच और खेलकूद के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा देने वाले देश के अलग-अलग प्रांतों से चुनिंदा विभूतियों को सम्मानित किया गया। वही सारण के प्रो राजेश नायक को मिल्खा सिंह सम्मान तो अविनाश कुमार भारती को गौतम अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह गौरतलब है कि ये दोनों महान व्यक्ति छपरा के जयप्रकाश विश्वविद्यालय में प्रोफेसर है। एक तरफ हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट सेवा देने के लिए अविनाश भारती को कैलाश गौतम अवार्ड से अलंकृत किया गया। तो दूसरे तरफ खेल में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रो राजेश नायक को मिल्खा सिंह अवॉर्ड दिया गया । ज्ञात हो कि अविनाश भारती युवा गजलकार और गजल-आलोचक के रूप में अपनी पहचान रखते हैं। अविनाश भारती हिन्दी गजल के ऊपर ही अपना शोध कार्य पूरा किया है। अब तक इनकी चार गजल-केंद्रित पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। सदैव हिन्दी गजल की बेहतरी के लिए प्रतिबद्ध और समर्पित रहने वाले अविनाश भारती वर्तमान में जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग में सेवारत हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बॉलीवुड और रंगमंच के जाने-माने अभिनेता राजेन्द्र गुप्ता उपस्थित थे। उन्होंने ही अविनाश भारती समेत अन्य हस्तियों को सम्मानित किया। अविनाश के सम्मानित होने पर वरिष्ठ गजलकार अनिरुद्ध सिन्हा, डॉ. भावना, डॉ. जियाउर रहमान जाफरी, संजीव प्रभाकर, विकास, डॉ. पंकज कर्ण, हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सिद्धार्थ शंकर,प्रोफेसर अजय कुमार,डॉ चंदन कुमार श्रीवास्तव,डॉ प्रियंका कुमारी,डॉ विद्या भूषण श्रीवास्तव,दीप शिखा ,अभिषेक कुमार सिंह, राहुल शिवाय आदि साहित्यकारों ने हर्ष व्यक्त किया है। वही जयप्रकाश विश्वविद्यालय का नाम प्रो राजेश नायक ने गौरवान्वित किया है। बताते चले कि डॉ. नायक जेपीयू के खेल निदेशक और इतिहास विभाग के प्राध्यापक है। प्रो राजेश नायक को सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक क्षेत्र की प्रतिष्ठित संस्था गुफ्तगू ने वर्ष 2025 का मिल्खा सिंह सम्मान 18 मई को प्रयागराज में आयोजित समारोह में दिया गया।

लियो क्लब छपरा टाऊन के सदस्यों ने किया सदर अस्पताल में रक्तदान

समाज के असली हीरो होते है रक्तदाता - मनीष कुमार मणि

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय ।सामाजिक संगठन लायंस क्लब की युवा इकाई लियो क्लब छपरा टाऊन के सदस्यों के द्वारा छपरा सदर अस्पताल के रक्तकोष में रक्तदान शिविर लगा कर रक्तदान किया गया। लियो अध्यक्ष मनीष कुमार मणि ने कहा कि हमारे संस्था के एक सदस्य उज्वल मिश्रा ने अपने जन्मदिन के मौके पर रक्तदान करने को कहा इस उत्सव मौके पर हमारी संस्था ने रक्तदान शिविर लगा कर रक्तदान किया, क्यों कि समाज में रक्तदाता ही एक सुपर हीरो की तरह होते है जो अपने रक्त से किसी के जान बचा सकते है। आज रक्तदान शिविर में इन्होंने किया रक्तदान नितेश प्रताप सिंह, उज्जवल मिश्रा, आशुतोष पाण्डेय, मनीष कुमार मणि इत्यादि। लायंस अध्यक्ष विकास कुमार ने कहा कि लियो क्लब के युवा सदस्य हमेशा से सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ के हिस्सा लेते है चाहे वो रक्तदान हो या किसी की मदद करना, ह्लरक्तदान तो महादान हैह्व जो प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को साल में दो बार या तीन बार करनी चाहिए इससे हमलोग कई गंभीर बीमारियों से बच भी सकते है। रक्तदान शिविर लायन गोविंद सोनी, अली अहमद, लियो अमित सोनी, आशीष सोनी, अनिल सोनी ने मिठाई खिला कर और जूस पिला कर रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया ।

लायंस क्लब ऑफ छपरा द्वारा गर्ल्स स्कूल में मासिक धर्म स्वच्छता पर कार्यशाला

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। लायंस क्लब ऑफ छपरा ने शहर के गर्ल्स स्कूल, छपरा में किशोरियों के स्वास्थ्य एवं जागरूकता को केंद्र में रखते हुए मासिक धर्म स्वच्छता एवं एचपीवी टीकाकरण पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य था–स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छता के प्रति जागरूकता और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर से बचाव हेतु आवश्यक जानकारी प्रदान करना। मुख्य वक्ता डॉ. किरण ओझा ने संवादात्मक शैली में छात्राओं को मासिक धर्म, व्यक्तिगत स्वच्छता और एचपीवी वैक्सीनेशन के विषय में सरल एवं प्रभावी जानकारी प्रदान की। उनके व्यावहारिक दृष्टिकोण और सहज भाषा ने छात्राओं को खुलकर अपनी जिज्ञासाएँ व्यक्त करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. ओझा का यह योगदान न केवल शैक्षिक था, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की एक सशक्त मिसाल भी बनी। लगभग 300 छात्राओं ने भाग लेकर इस कार्यशाला को सफल बनाया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय की संगीत शिक्षिका प्रियंका कुमारी द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुई, जिसने वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। विद्यालय के शिक्षक एवं कार्यक्रम के चेयरपर्सन लायन यशपाल सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा मंच का प्रभावशाली संचालन किया। लायंस क्लब ऑफ छपरा के अध्यक्ष लायन डॉ. विकाश कुमार सिंह ने किशोरियों के स्वास्थ्य सशक्तिकरण पर बल देते हुए क्लब की सेवा भावना को रेखांकित किया। उन्होंने छात्राओं से यह भी आग्रह किया कि वे आज प्राप्त की गई महत्वपूर्ण जानकारी को अन्य लाभार्थियों के साथ अवश्य साझा करें, क्योंकि यह जागरूकता ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बन सकती है। क्लब के सचिव लायन राकेश मिश्रा ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी से आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे सामाजिक सरोकारों के प्रति सदैव तत्पर रहते हैं, और उनके संयोजन व समर्पण से ही कार्यक्रम की रूपरेखा को प्रभावी ढंग से अमलीजामा पहनाया गया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक फोटो और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। लायंस क्लब ऑफ छपरा का यह प्रयास समाज में स्वास्थ्य संवाद और किशोरियों के सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल सिद्ध हुआ।

जिला शतरंज प्रतियोगिता 24-25 मई को

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। छपरा जिला शतरंज संघ के तत्वावधान में 32वीं जिला शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 24-25 मई को सेंट्रल पब्लिक स्कूल में आयोजित किया जाएगा ।इस प्रतियोगिता में सारण जिले का किसी उम्र का कोई भी खिलाड़ी भाग ले सकता है ।इस प्रतियोगिता में 7 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ी तथा दिव्यांग खिलाड़ियों का कोई प्रवेश शुल्क नहीं होगा । प्रतियोगिता के प्रथम 10 विजेताओं के साथ कुल 20 खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा । संघ के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार वर्मा संकल्प ने बताया कि इस प्रतियोगिता से चयनित प्रथम चार खिलाड़ी, 1 जून से 5 जून तक शेखपुरा में आयोजित बिहार राज्य शतरंज प्रतियोगिता में सारण का प्रतिनिधित्व करेंगे। संघ के सचिव अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए एक आयोजन समिति बनायी गई है जिसमें डॉ मनोज कुमार वर्मा संकल्प को आयोजन अध्यक्ष, अरविंद कुमार सिंह को आयोजन सचिव एवं यशपाल कुमार सिंह को आयोजन कोषाध्यक्ष, संजय कुमार को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया है ।सुशील कुमार वर्मा, डॉ विकास कुमार सिंह, विक्की आनन्द एवं श्वेतांक राय पप्पू प्रतियोगिता निदेशक होंगे । राष्ट्रीय निर्णायक कुमार शुभम प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक होंगे जबकि उपेंद्र कुमार सिन्हा, सनी कुमार सिंह, धनंजय कुमार, रणधीर कुमार सिंह,राजशेखर, रवि कुमार, सागर कुमार एवं आदित्य नंदन प्रतियोगिता के निर्णायक होंगे ।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

जवाहर टोला में महापौर ने लाखों की बजट से बनी तीन योजनाओं का किया उद्घाटन

दो समरसेबल ,स्टैंड पोस्ट एवं सामुदायिक शौचालय का किया उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। शहर के वार्ड संख्या-40 जवाहर टोला में मंगलवार को तीन योजनाओं का उद्घाटन हुआ। महापौर इंदु देवी ने जवाहर टोला में दो समरसेबल स्टैंड पोस्ट और एक सामुदायिक शौचालय का उद्घाटन किया। इस मौके पर महापौर इंदु देवी ने कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता आरा शहर का विकास करना है। आज तीनों योजनाओं के उद्घाटन होने से लोगों को काफी सहूलियत होगी। समरसेबल स्टैंड पोस्ट के उद्घाटन होने से लोगों को भीषण गर्मी में पीने के पानी की उपलब्धता होगी। वही शौचालय के उद्घाटन होने से स्थानीय लोगों को काफी फायदा होगा। इस मौके पर उपस्थित लोगों में वार्ड नंबर-40 के पार्षद राजीव कुमार उर्फ गुड्डू जी, मनीष चौधरी, विवेक कुमार, अमन कुमार, आदित्य सिंह आदि, पिंटू कुमार, नीरज कुमार , ननकी देवी, फूलपातू देवी , सोनिया देवी, मधु कुमारी, आलेखी कुमारी, धर्मेंद्र पासवान, समेत अन्य लोग मौजूद रहें।

सीएम ने समग्र शहरी विकास योजनान्तर्गत पश्चिम चम्पारण में करोड़ों की लागत से 23 योजनाओं का किया शिलान्यास

पटना में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम की लाईव स्ट्रीमिंग की गयी

प्रातः किरण संवाददाता

बेतिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड द्वारा क्रियान्वित मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजनान्तर्गत पश्चिम चम्पारण अंतर्गत 22.81 करोड़ की लागत से 23 योजनाओं का शिलान्यास ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर समाहरणालय सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में पटना में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम की लाईव स्ट्रीमिंग की गयी।इस अवसर पर विधायक राम सिंह, उमाकांत सिंह, रश्मि वर्मा, विधान पार्षद भीष्म सहनी, नगर निकायों के मुख्य पार्षद अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित जिला पदाधिकारी दिनेश कुमार राय, नगर आयुक्त, नगर निगम, बेतिया विनोद कुमार सिंह, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार कार्यपालक पदाधिकारी, सभी नगर निकाय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

तिलौथू प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को स्वास्थ्य कर्मियों ने दी भावुक विदाई

स्थानांतरण एक सरकारी प्रक्रिया है, लेकिन तिलौथू पीएचसी से जो सहयोग मिला, वह अविस्मरणीय रहेगा: डॉ. दयानंद प्रसाद

प्रात : किरण संवाददाता

तिलौथू (रोहतास)। स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रांगण में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. दयानंद प्रसाद के स्थानांतरण पर भावभीनी विदाई समारोह आयोजित हुई। अवसर पर विभिन्न स्वास्थ्य कर्मियों ने उन्हें फूल माला पहना अंगवस्त्र भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया, जबकि महिला स्वास्थ्य कर्मियों ने भी उन्हें भावुक होकर विदाई दी। कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने उनके कार्यकाल को सराहनीय और प्रेरणास्पद बताया। जबकि सभा संबोधन में डॉ. दयानंद प्रसाद ने कहा स्थानांतरण एक सरकारी प्रक्रिया है, लेकिन तिलौथू पीएचसी से जो सहयोग मिला, वह अविस्मरणीय रहेगा। स्टाफ के सहयोग से ही हमारा केंद्र जिले में कई उपलब्धियों में अग्रणी रहा। आकांक्षी प्रखंड के तहत किए गए कार्यों में भी तिलौथू पीएचसी ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया। मेरे कार्यकाल में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना हुई। उन्होंने बीएचएम अमरेंद्र कुमार के विशेष सहयोग के लिए उनका आभार प्रकट किया। जबकि डॉ. प्रभात कुमार ने कहा कि कोरोना महामारी जैसे संकट में डॉ. दयानंद ने पूरे प्रखंड को संभालते हुए कुशल नेतृत्व प्रदान किया। उनके मार्गदर्शन में पीएचसी ने बेहतरीन कार्य किया और मरीजों को समय पर समुचित इलाज मिला। मौके पर में डॉ. अनुज कुमार, एएनएम मंजू कुमारी, रविता कुमारी, निक्की कुमारी, शोभा कुमारी, सोनमती, रेनू, रंजू, पूनम, अश्वनी कुमार, मनोज, संतोष, संजय कुमार सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

बच्चों के बीच निःशुल्क स्वच्छता किट व पाठ्य सामग्री का किया गया वितरण

प्रातः किरण संवाददाता

तिलौथू (रोहतास) दिवंगत दिव्यांशु बाबू की पुण्य स्मृति में मंगलवार को स्वर्णकार गली स्थित निःशुल्क पाठशाला में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 30 बच्चों के बीच स्वच्छता किट,साबुन, टूथपेस्ट व ब्रश का वितरण किया गया।

स्वच्छता किट का यह वितरण शिशु संस्कार केंद्र, जयनगरा के उमेश शुक्ला के सौजन्य से किया गया।

कार्यक्रम के अगले चरण में प्रज्ञा ट्रेडर्स के प्रो. संजय कुमार तथा टीएसओ संदीप जायसवाल के सौजन्य से घड़ी सर्फ और साबुन कंपनी के सहयोग से तिलौथू प्रखंड में संचालित 15 निःशुल्क पाठशालाओं के 6 सौ बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मैकू राम ने अपने कर-कमलों से बच्चों को सामग्री वितरित की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हृसमाज के वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षित करना एवं उनके भीतर स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना अत्यंत सराहनीय कार्य है। कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता सह पत्रकार सत्यानंद कुमार ने किया। मौके पर कृति कुमारी, चंचल कुमारी, सरोज कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मासूम पुत्र के मुखाग्नि से पंचतत्व में विलीन हुए पत्रकार समरेश

शव के घर पहुंचते ही परिवार में मची चीत्कार, पत्रकारों ने दी श्रद्धांजलि

प्रातः किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास) काराकाट थाना क्षेत्र के दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार समरेश पांडे मंगलवार को अपने पैतृक गांव संसार डिहरी स्थित मुक्तिधाम में पंचतत्व में विलीन हो गए। जिनको मुखाग्नि उनके 6 वर्षीय बड़े पुत्र प्रियांश पांडे ने दिया। जहां सैकड़ों के तादाद में जिला क्षेत्र के विभिन्न समाचार पत्र के पत्रकारों के अलावा राजनीति, सामाजिक, बुद्धिजीवी सहित अन्य लोगों ने उनके दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया। मालूम हो कि पत्रकार समरेश पांडे कुछ समय से बीमार थे। जिनका दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में सोमवार को करीब 11बजे देहांत हो गया। जिनके असामयिक निधन की खबर मिलते ही रोहतास जिला के पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ पड़ी। जिस खबर को सुन लोग मर्माहत हो गए। वही मंगलवार की सुबह करीब 8 बजे पत्रकार समरेश का पार्थिव शरीर दिल्ली से एंबुलेंस द्वारा काराकाट के उनके पैतृक गांव संसार डिहरी लाया गया। शव पहुंचते ही परिजनों में चीत्कार मच गई। जिनके परिवार की चीख पुकार से पूरा गांव गमगीन हो गया। जिस शोकाकुल समय में सभी गांव के हर व्यक्ति की आंखे नम हो गई। जिनके शव का दाहसंस्कार गांव के ही मुक्तिधाम के शमशान घाट पर किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन धारण कर उनके दिवंगत आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना कर आंखों से अंतिम विदाई दी गई। अवसर पर बड़ी संख्या में पत्रकारों के अलावा पूर्व विधायक राजेश्वर राज,भाजपा नेता प्रो. बलिराम मिश्रा, काराकाट भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन, कांग्रेस जिलाध्यक्ष अमरेंद्र पांडेय ने दुःख व्यक्त की। वही पत्रकार समरेश पांडेय के असामयिक निधन हो जाने पर अनुमंडलीय पत्रकार संघ के पत्रकारों ने शोक संवेदना व्यक्त किया है। केन यूनियन बिक्रमगंज के प्रांगण में मंगलवार को एक शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस शोकसभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार पार्थ सारथी पाण्डेय ने कहा कि समरेश पांडे के निधन से पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षति हुई है इनके निधन से हम सभी मर्माहत हैं। हमने एक युवा होनहार पत्रकार को खो दिया है। वही वरिष्ठ पत्रकार दुर्गेश किशोर तिवारी ने कहा कि यह अत्यंत दुःखद एवं पत्रकारिता जगत की अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि हम सभी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना कर उनके दिवंगत पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान दें। शोक सभा में पत्रकार-पार्थसारथी पांडे,चंद्रमोहन चौधरी,रवि प्रकाश, पीके मिश्रा,नरेंद्र सिन्हा, संजय पांडे,संतोष भंडारी, चारोधाम मिश्रा,मनोज कुमार, जय प्रकाश शर्मा, अनिल कुमार गिरी,राजू रंजन दुबे, बीरेंद्र शर्मा,कौशल आदि थे

आंगनबाड़ी केंद्र की सेविकाओं को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया

पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों के सेविकाओं को तीन दिवसीय बैच वार करने का निर्देश प्राप्त है। प्राप्त निर्देश के आलोक में बाल विकास परियोजना कार्यालय आरा सदर के सभी संचालित आंगनबाड़ी केंद्र की सेविकाओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण सीडीपीओ श्री रेखा कुमारी द्वारा निर्गत पत्र के आलोक में कार्यक्रम स्थल भारती कंसलटेंसी, शहीद भवन रमना मैदान आरा में वरीय महिला पर्यवेक्षिका प्रतिभा कुमारी द्वारा सहयोगी महिला पर्यवेक्षिका प्रियंका कुमारी और मनोरमा कुमारी डाटा एंट्री ऑपरेटर प्रियंका कुमारी के साथ आयोजित किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम का सभी व्यवस्था लिपिक अरुण कुमार द्वारा किया गया

क्या मानसिक बीमारी की दवा जिंदगी भर चलती है?:अंकित श्रीवास्तव

इस विषय पर हर व्यक्ति की अलग-अलग राय होती है। कुछ लोगों का मानना होता है कि मानसिक बीमारी की दवा कभी नहीं छूटती और जीवन भर लेनी पड़ती है। मैं ऐसे सभी लोगों और मरीजों से यह स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूँ कि मानसिक बीमारी की दवाएं लंबे समय तक चल सकती हैं, लेकिन यदि आप मनोचिकित्सक की सलाह के अनुसार नियमित रूप से दवाएं लेते हैं, साथ ही नियमित काउंसलिंग, वॉकिंग, व्यायाम, ध्यान और योग करते हैं, तो दवाएं समय के साथ धीरे-धीरे कम भी की जा सकती हैं और कुछ मामलों में पूरी तरह बंद भी हो सकती हैं। इसलिए घबराने की कोई जरूरत नहीं है, और इस तरह की अफवाहों से दूर रहें।

112 देनदारों के विरूद्ध जारी हुआ बॉडी वारंट

बेतिया।नीलाम पत्र वाद को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सख्त रूख अख्तियार किया गया है। नीलाम पत्र से संबंधित वादों के निष्पादन को लेकर जिला पदाधिकारी द्वारा लगातार समीक्षा की जा रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में मंगलवार को नीलाम पत्र वाद से संबंधित नीलाम देनदार के विरूद्ध 112 बॉडी वारंट जारी किया गया है। जिला पदाधिकारी के निर्देशानुसार देनदारों के विरूद्ध कार्रवाई प्रारंभ कर दी गयी है। आज बेतिया पुलिस जिला के 96 एवं बगहा पुलिस जिला के 16, कुल-112 देनदारों के विरूद्ध बॉडी वारंट जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक, बेतिया एवं बगहा से अनुरोध किया गया है कि देनदारों के विरूद्ध जारी बॉडी वारंट के निष्पादन को लेकर संबंधित थानाध्यक्ष को निर्देशित करेंगे।

जिला मुख्यालय पर मांगों को ले धरना प्रदर्शन कार्यक्रम किया जाएगा

प्रात : किरण संवाददाता

10 केंद्रीय ट्रेड यूनियन,के राष्ट्रीय मंच, सेवा संगठन के आह्वान पर निर्धारित कार्यक्रम आम हड़ताल को स्टे करते हुए पूरे देश के जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन को जोरदार रूप से कार्यक्रम किया जाएगा, उदारीकरण, वैश्वीकरण, निजीकरण के परिणाम है कि आज सार्वजनिक क्षेत्र के तमाम सेक्टर को निजी कंपनियों के हाथो में बेचा जा रहा है आठवें वेतन आयोग का गठन नहीं होना, पुराना पेंशन योजना के बदले ४स्त्र२, ल्लस्त्र२ पूरे देश के कर्मचारियों को लागू किया जाना,सहित अन्य मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पर एक दिवसीय धरना दिया गया ।

उपस्थित ट्रेड यूनियन, सेवा संघ, कर्मचारियों ने जुलूस निकाला जो जे पी मूर्ति आरा से होते हुए विभिन्न मार्गों से स्टेशन परिसर में सभा में तब्दीली किया गया, कार्यक्रम के नेतृत्व बाल मुकुंद चौधरी,रामानंद ,धर्म कुमार, सुमन जी, वरूण कपूर, ेि शमीम, केदारनाथ सिंह, ेि इम्तियाज, संजय कुमार, अवधेश पासवान, मनोज कुमार, रमेश, ध्रुव पंडित, सुशांत कुमार, ने किया, धरना को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार के शासन के 11,साल में मेहनतकश लोगो की दुर्दशा चरम पर पहुंचे गई है बेरोजगारी, बदहाली और महंगाई आसमान छू रही है तो मजदूरी में भारी गिरावट आई है, और सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा तरस नहस हो गया है, श्रमिकों को 70,से 90,घंटे काम करने के लिए कार्पोरेट जगत शोर मचा रहे हैं, दूसरी तरफ इज ऑफ दुई ग बिजनेस,के नाम पर कार्पोरेट जगत को देश की सम्पत्ति और संसाधनों को लूटने की खुली छूट दी जा रही है ब्रिटिश शासकों के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम की समस्त उपलब्धियों को व्यवस्थित तरीके से खत्म किया जा रहा है, संविधान, अधिकारों से लेकर कल्याणकारी राज्य, सार्वजनिक सहकारी क्षेत्रों और सुरक्षित पक्की नौकरियों तक कड़ी मेहनत और कुबार्नी से हासिल सभी श्रम कानूनों को खत्म करके उनकी जगह पर 4 श्रम कोड लाने के बाद केन्द्र सरकार लागू करने के लिए जोरदार तैयारी चल रही है, श्रम कोड लागू होने से मजदूर वर्ग कार्पोरेट मालिक वर्ग का गुलाम बन जाएगा, ये कोड काम के घंटे, न्यूनतम मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, आदि सभी अधिकार छिन लेगे, काम पर रख मनमर्जी से निकलना हायर एंड फायर कानून बन जाएगा, यूनियन बनाने, सामुहिक सौदेबाजी और हड़ताल के अधिकार सहित सभी तरह के अभिव्यक्ति के अधिकार खत्म हो जाएगा, भारतीय न्याय संहिता बी एन ऐश सहित 3 नए आपराधिक कानून को लागू करने के साथ-साथ यू एपीए आदि है।

पी, एएम एल ए आदि का उद्देश्य मजदूरों को सामुहिक करवाई को आपराधिक बनाना है तीन आपराधिक कोड, 4 श्रम कोड का संयोजन देश मजदूर वर्ग के जीवन के लिए विनाशकारी होगा. उक्त बात जिला सचिव सुमन जी ने कहा, अध्यक्षता बाल मुकुंद चौधरी ने की, मुख्य मांगों में 4 श्रम कोड रद्द किया जाये, निजीकरण, निगमीकरण पर रोक लगाई जाए, राष्ट्रीय संपत्ति और बुनियादी ढांचे को बेचने पर रोक लगाई जाए, स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर योजना रद्द किया जाय, न्यूनतम मासिक मजदूरी 41 और डी ए के साथ मासिक पेंशन 1500०१२ ,किया जाय, न्यूनतम मजदूरी और मौजूदा श्रम कानून को लागू किया जाना चाहिए।

टेंट हाउस की दुकान में अचानक लगी आग में लाखों की संपत्ति राख

कुर्था (अरवल) स्थानीय थाना क्षेत्र के मखदुमपुर गांव में एक टेंट हाउस की दुकान में अचानक आग लग गई जिसमें लाखों रुपए के संपत्ति जलकर राख हो गया हालांकि अगलगी की सूचना पाते ही अग्निशमन विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मखदुमपुर गांव निवासी कमलेश यादव जो गांव में ही टेंट हाउस का दुकान चलाते थे शादी समारोह के बाद टेंट हाउस के सारा सामान दुकान में रखा था तभी अचानक आग लग गई। जिसमें टेंट हाउस में रखें 20 पीस पंखा, चार डीजे मशीन,पाँच साउंड बॉक्स, एक पीस पंखा बंनाने का मशीन, पाँच किलो बिजली तार, सजावट फूल, सजावट का कपड़ा, दर्जनों फाइबर कुर्सी, फाइबर पिलर व लगभग दस हजार रुपए का किराने का सामान टेंट हाउस में रखा हुआ था, वह जलकर पूरी तरह से राख हो गया। हालांकि मौके पर अग्निशमन विभाग की टीम ने जाकर किसी तरह से आग पर काबू पाया प्रत्यक्ष दर्शियों की माने तो समय पर अग्निशमन विभाग अगर नहीं आती तो आग की लपटे इतनी तेज थी कि कई घरों को आगोश में ले लेता।

यह सरकार अपराधी राज में तब्दील: भाकपा माले

आरा।भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि भाकपा माले का एक प्रतिनिधिमंडल आज सुबह मोती टोला में बिरजू राम के परिजनों से मुलाकात करने सुदामा राम के घर पहुंचा.ज्ञात हो कि 18 मई 2025 अपराधियों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी. सुदामा राम और उनकी पत्नी से मिलकर भाकपा माले का प्रतिनिधिमंडल घटना की जानकारी ली. भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि नीतीश भाजपा राज में लगातार महादलितों पर हमले तेज हो गये है आज का बिहार अपराधी राज में तब्दील हो गया है.भाकपा माले नेताओं ने कहा कि बिरजू राम का पुरा परिवार दहशत में जी रहा है. भाकपा माले नेताओं ने कहा कि पुलिस प्रशासन यथाशीघ्र अपराधीयों की गिरफ़्तार करें तथा पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान करें.भाकपा माले नेताओं ने पीड़ित परिवार को उचित मुआवजे के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी से बात की. भाकपा माले के प्रतिनिधि मंडल में भाकपा माले राज्य कमेटी सदस्य क्यामुद्दीन अंसारी, राज्य कमेटी सदस्य व आरा नगर सचिव सुघीर सिंह,आयरला नेता अमित कुमार बंटी तथा जिला कमेटी सदस्य दीना सिंह सामिल थे.

सेविका को दी गई अन्नप्राशन , गोदभराई, और टीकाकरण पर विस्तृत जानकारी

भोजपुर। पिरामल टीम कोइलवर प्रखंड में आंगनवाड़ी की पोषण भी पढ़ाई भी ट्रैनिंग में पहुंची। जहां सीडीपीओ सुषमा ट्रेनिंग को लीड कर रहीं थीं। लेडी सुपरवाइजर, विजया जी, मंजू कुमारी, रक्षा गुप्ता, अंजू कुमारी, विभा कुमारी, ब्लॉक कॉर्डिनेटर चंदन जी और आंगनवाड़ी सेविकाएं वहां मौजूद थी। पिरामल टीम द्वारा सेविका को अन्नप्राशन उत्र्ह ि८, गोदभराई, और टीकाकरण पर विस्तृत जानकारी दी। सेविका के साथ आंगनवाड़ी की 6 सेवाओं और साथ गृह भ्रमण पर बात किया। उनसे कुछ एक्टिविटी कराई। गर्भावस्था के 1000 दिन, पर चर्चा किया। 4 अठउ टेस्ट, पर विस्तृत जानकारी दिया। प्रस्वपूर्व जांच और प्रसव पश्चात जांच । फाइलेरिया के बारे में सबको जागरूक करने के आवश्यकता है पिरमल प्रतिनिधि रितेश राज ने बिसतीरीत जानकारी दिया फाइलेरिया और कलजार पर हाइड्रोसिल ऑपरेशन के बारे मे बताया, हाथी पाओ के मरीज के रख खाओ के बारे मे बताया। भोजपुर पिरामल टीम से उ्ट सोमनाथ ओझा, जी , उ्छ स्मृति कुमारी, आकाश राज , और राहुल महाराणा तथा रितेश राज शामिल रहे।

संवैधानिक अधिकार परिसीमन सुधार के संकल्प को हम पूरा करके ही दम लेंगे: उपेन्द्र कुशवाहा

गया।बिहार के गया में सोमवार को राष्ट्रीय लोक मोर्चा संवैधानिक अधिकार परिसीमन सुधार पर एक निजी होटल में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश महासचिव सुभाष चंद्रवंशी, कार्यकारी जिलाध्यक्ष जितेंद्र पासवान और प्रदेश संगठन सचिव शक्ति कुमार ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के निर्देश पर संवैधानिक अधिकार परिसीमन सुधार के संकल्प को लेकर प्रेस वार्ता की गई है। उन्होंने कहा कि भारत में 2026 में परिसीमन होना है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 82 देश में हर जनगणना के बाद परिसीमन आयोग का गठन कर लोकसभा सीटों का फिर से निर्धारण करने का अधिकार देता है।

जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन को सफल बनाने को लेकर हुई बैठक में की गई विस्तृत चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन को सफल बनाने पर चर्चा किया गया, बैठक में शामिल संघ के नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदर्शन के साथ जिला स्तर पर कर्मियों के ज्वलन्त समस्याओं का संलेख जिलाधिकारी महोदय,को भी दिया जाना चाहिए, ताकि लंबित समस्या से जिलाधिकारी महोदय को भी ध्यानाकर्षित कराया जाए, आज लंबित ूस्त्र,टूस्त्र,अनुकम्पा लाभ, विभागीय कार्रवाई समाप्त कर निलंबित कर्मियों को निलंबन से मुक्त किया जाना चाहिए, निगम निकाय कर्मचारियों को 6 वा7 वा वेतन मान लागू किया जाना चाहिए,मानदेय का बढ़ाया जाये, शिक्षकों का बकाया राशि का भुगतान किया जाना चाहिए, चौकीदारों के लंबित मामलों सामन्य प्रशासन विभाग में लंबित है, सिचाई विभाग में कार्यरत दैनिक मजदूरों को समय पर मानदेय भुगतान किया जाना चाहिए, जिला स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों को विभागीय वरीयता सूची का प्रकाशन होना चाहिए, राजस्व कर्मचारियों, पंचायत सेवक, जनसेवकों, चौकीदार ,सिंचाई कर्मचारियों, चिकित्सा कर्मी, ल्ले,आशा कार्यकताओं, कार्यपालक सहायक, पंचायत रोजगार सेवक, मलेरिया छिड़काव कर्मचारी, किसान सलाहकार, सुधा डेयरी कर्मी, चतुर्थ वर्ग कर्मचारी, उम्मीदवार अनुसेवक, रसोइया कर्मी, अनुबंध मानदेय कर्मी के साथ साथ,ू३४ के नेतृत्वकारी साथी बैठक में शामिल हुये, और अपने संबोधन में कहा कि 20. मई 25 का कार्यक्रम में अधिक संख्या में कर्मचारी उपस्थित होगे और जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा, कार्यक्रम को सुमन जी जिला सचिव बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ गोप गुट भोजपुर,बाल मुकुंद चौधरी, जिला सचिव,ू३४, मोहम्मद इम्तियाज जिला सचिव, ध्रुव पंडित सचिव पंचायत रोजगार सेवक संघ, रामानंद सिंह अध्यक्ष चौकीदार संघ ,तरुण कपूर राम उपाध्यक्ष नगर निगम निकाय कर्मचारी संघ, हरिवंश, सुधा डेयरी कर्मी संघ, मोहम्मद सामी म,जिला सचिव मलेरिया छिड़काव कर्मचारी संघ,सहित अन्य जितेंद्र, लीलावती, पूनम, सरवन, सजीव, नीतू, अरविंद कुमार, उपस्थित हुवे, भवदीय सुमन जिला सचिव कर्मचारी संघ भोजपुर

पारिवारिक विवाद को रूप ले रहा पेड़ कटाई का मामला

करपी। प्रखंड क्षेत्र के अईयारा पंचायत के रामपुर गांव में बीते 14 मई को भारी संख्या में पेड़ों की कटाई का मामला अब एक बड़ा पारिवारिक विवाद का रूप लेता दिख रहा है। रामपुर गांव निवासी रमेश शर्मा पिता- स्व गिरिजानंदन सिंह ने बताया कि उनके द्वारा अपने पैतृक जमीन पर वर्षों पहले पेड़ लगया गया था। जिसे हमारे ही बड़े भाई जो कि अब इस दुनिया में नहीं है उनके पत्नी और उनके दामाद वरुण कुमार के द्वारा जबरदस्ती भारी संख्या में हरे वृक्षों की कटाई करवा दी गई।रमेश शर्मा ने बताया कि चुकी मै पूर्ण रूप से विकलांग हु और रोजाना खेत पर नहीं पहुंच पाता और उसी का फायदा उठाते हुए बिना कोई सूचना के इन पेड़ों को कटवा दिया गया। उन्होंने कहा कि पेड़ की कटाई की सूचना तत्काल ही 112 नंबर पर दिया गया जिसके बाद पेड़ कटाई का काम बंद कर लोग भाग गए। रामपुर निवासी रमेश शर्मा ने बताया कि इसकी सूचना लिखित रूप से करपी थाना को भी दी गई है जिस पर अभी तक कोई कारवाई नहीं की गई । उन्होंने कहा कि प्रशासन का सहयोग नहीं मिलने से यह मामला बड़ा पारिवारिक विवाद का रूप ले सकता है ।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर एनडीए नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने निकाली तिरंगा यात्रा,जमकर की देशभक्ति नारेबाजी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई । जमुई/ई०अलीगंज,प्रखंड क्षेत्र के अलीगंज बाजार में मंगलवार को भाजपा प्रखंड अध्यक्ष दिलीप कुमार के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर तिरंगा यात्रा निकली गई,जिसमें क्षेत्रीय विधायक प्रफुल्ल कुमार मांझी एवं दर्जनों एनडीए कार्यकताओं ने इस तिरंगा यात्रा में शामिल हुए, यह तिरंगा यात्रा अलीगंज राजस्व कचहरी से निकल कर मेन बाजार होते हुए बीआरसी से स्टेट बैंक होते हुए अंबेडकर चौक पे समाप्ति हुई,वहीं तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों ने

यात्रा में भारत माता की जय, नरेंद्र मोदी ज़िंदाबाद,हिंदुस्तान जिंदाबाद,देश की सेना जिंदाबाद और पाकिस्तान मुदार्बाद के नारों से पूरा बाजार गूंज उठा। खास बात यह है कि इस आयोजन में लोगो ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और देशभक्ति का रंग और भी गहरा हो गया। वहीं क्षेत्रीय विधायक प्रफुल्ल मांझी एवं अन्य लोगों ने संविधान निमार्ता भीम राव अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किए, वहीं तिरंगा यात्रा के दौरान क्षेत्रीय विधायक प्रफुल मांझी ने बताया कि भारतीय सेना द्वारा मीशन आपरेशन सिंदूर की सफलता को लेकर यह तिरंगा यात्रा निकाला गया है।पहलगांव हमले में पर्यटकों पर पाकिस्तान के आतंकवादियों ने हमला किया था जिसमें कई पर्यटकों की जान गई,थी इसी के जवाब में हमारे देश के तरफ से जवानों ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए ऑपरेशन सिंदूर पर सफलता पाई, इस अवसर पर क्षत्रिय विधायक प्रफुल्ल मांझी,भाजपा जिला महामंत्री नानकिशोर सिंह, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष दिलीप कुमार, जदयू पूर्व प्रखंड अध्यक्ष शीतल मेहता, अल्पसंख्यक नेता मोहम्मद फखरुद्दीन राईन, मोहम्मद फारूक,महेश बरनवाल,उपेंद्र सिंह,रामबालक सिंह,हम जिलाध्यक्ष दामोदर मांझी,जिला संगठन सचिव रामजतन शर्मा,हम प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र मांझी,हम के प्रखंड प्रवक्ता राजेश पासवान,मिलेश कुमार,अनुज कुमार,ओंकार नारायण,सहित दर्जनों एनडीए नेता एवं कार्यकर्ता सहित प्रबुद्ध जन मौजूद थे

सीएम ने की संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के पूर्व तैयारियों की समीक्षा
अधिकारियों को दिये गए आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

गया।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मुख्य सचिवालय स्थित सभा कक्ष में संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक भी जुड़े रहे हैं इस बैठक में विकास आयुक्त सह आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने बिहार मौसम सेवा केन्द्र द्वारा तैयार की गयी मॉनसून ऋतु 2025 के लिये वर्षापात के पूर्वानुमान के संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष माह जून में सामान्य से कम वर्षापात होने की संभावना है। माह जुलाई, अगस्त एवं सितम्बर में सामान्य वर्षापात की संभावना है।

इस वर्ष जून से सितम्बर की अवधि में राज्य में सामान्य वर्षापात होने की संभावना है।आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ की पूर्व तैयारियों से संबंधित मुख्य बातों की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मानक संचालन प्रक्रिया एस०ओ०पी० के अनुसार संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के पूर्व सभी आवश्यक तैयारियाँ की जा रही हैं। सभी जिलों एवं संबद्ध विभागों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने नाव संचालन, पॉलिथिन शीट, राहत सामग्री की उपलब्धता, दवा, पशुचारा, बाढ़ आश्रय स्थल, सामुदायिक रसोई, ड्राई राशन पैकेट्स ष फूड पैकेट्स, जिला आपातकालीन संचालन केंद्र आदि की व्यवस्थाओं के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी। है उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निदेशानुसार जिस प्रकार सामुदायिक रसोई का संचालन किया जाता है, उसकी प्रशंसा पूरे देश में है।

बाढ़ राहत शिविर का संचालन, मुख्यमंत्री राहत कोष से की जानेवाली व्यवस्था, अनुग्रहिक अनुदान जी०आर० की भुगतान व्यवस्था, राज्य आपातकालीन संचालन केन्द्र के माध्यम से आपदा की स्थिति का आकलन और उसके लिये समन्वय कर त्वरित कार्रवाई के संबंध में भी उन्होंने जानकारी दी। जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव श्री संतोष कुमार मल्ल ने भी अपने विभाग द्वारा संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ की स्थिति से निपटने को लेकर की गई तैयारियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी है।

इस समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। राज्य सरकार बाढ़ और सुखाड़ की स्थिति में प्रभावितों को हरसंभव मदद करती है, इसे ध्यान में रखते हुये सभी संबद्ध विभाग और अधिकारी सतर्क रहें हैं मुख्यमंत्री ने कहा कि नवम्बर, 2005 से पहले आपदा प्रबंधन के लिए ठीक से काम नहीं होता था।

नवम्बर, 2005 में हमलोगों की सरकार बनने के बाद आपदा प्रबंधन एवं आपदा पीड़ितों को शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने के लिए गंभीरता से काम किया गया। वर्ष 2007 में जो बाढ़ आई थी उससे 22 जिलों के लगभग 2.5 करोड़ लोग प्रभावित हुए थे। प्रभावित लोगों के लिए बड़े पैमाने पर राहत का कार्य किया गया था। वर्ष 2008 में कोसी त्रासदी के दौरान 5 जिलों सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया एवं अररिया में लगभग 34 लाख लोग प्रभावित हुए थे जिनको राहत पहुँचाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया गया था। साथ ही विश्व बैंक से कर्ज लेकर राहत एवं पुनर्वास का काम किया गया था।

वर्ष 2016 से बाढ़ प्रभावित परिवारों को आनुग्रहिक अनुदान के अंतर्गत कुल 6 हजार रुपए की राशि भुगतान करने का निर्णय लिया गया जिसे वर्ष 2023 में बढ़ाकर 7 हजार रुपए किया गया। बाढ़ एवं अन्य आपदाओं में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को 4 लाख रुपए का अनुग्रह अनुदान देने की व्यवस्था की गयी है मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा के समय हमलोग लगातार बाढ़ एवं सुखाड़ प्रभावित क्षेत्रों में जाकर तथा एरियल सर्वे के माध्यम से भी स्थिति का जायजा लेते हैं ताकि लोगों को किसी तरह की समस्या नहीं हो।

महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाएं रख रही है अपनी समस्याएं

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। जिले में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम की गूंज सभी प्रखंडों के गांवों में गूंज रही है` यह संवाद ग्रामीण महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक बनाने और उन्हें अपने अधिकारों को जानने और आकांक्षाओं को व्यक्त करने का अवसर प्रदान कर रहा है। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाली महिलाएं सामाजिक और विकासात्मक विषयों पर खुलकर अपने विचार साझा कर रही हैं और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाली योजनाओं की सराहना कर रही हैं। महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाओं ने अपनी विभिन्न आकांक्षाओं को आयोजकों के समक्ष रखा है, जिनमें गाँव में सामुदायिक भवन, सामुदायिक पुस्तकालय, विद्यालय की उपलब्धता, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, नाली एवं जल निकासी की समस्याओं का समाधान, नल-जल और सड़कों की मरम्मत, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगार के अवसरों का विस्तार, वृद्धा पेंशन में बढ़ोतरी आदि की जरुरत पर चर्चा की जा रही है।जिले के पांचों प्रखंडों में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रमों में वीडियो और अन्य प्रचार सामग्री की मदद से विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है और विभिन्न विषयों पर संवाद द्वारा जागरूकता बढ़ाई जा रही है। महिलाओं ने शिक्षा के अवसरों में बढ़ोतरी एवं प्रोत्साहन, नौकरी एवं स्थानीय युवाओं में आरक्षण, राज्य में शराबबंदी, पुलिस की संख्या में बढ़ोतरी, स्वयं सहायता समूहों का गठन, की तारीफ की है। इस कड़ी में कलेर प्रखंड के जयपुर पंचायत के सिंघुआ गांव में भी महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है` इस संवाद कार्यक्रम में गांव कि महिलाएं भारी संख्या में पहुंची हैं इस संवाद में गांव कि स्थानीय महिला रेखा देवी सरकार की नौकरी में महिलाओं के आरक्षण के कदम को सराहते हुआ कहा कि आज उनकी बहू इसका लाभ लेते हुए पुलिस के पद पर सरकारी नौकरी प्राप्त की है` जिससे उनका परिवार आर्थिक रूप से सशक्त बना है` इसी कड़ी में पाना देवी ने भी सरकार की जीविका योजना की सराहना करते हुए कहा कि आज वह जीविका समूह से जुड़कर ऋण लेते हुए किराना दुकान चलाकर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहीं हैं` संवाद में आए हुए महिलाओं ने अपने अपने आकांक्षाओं और सुझावों को भी साझा किया` आकांक्षाओं में सड़क निर्माण, शौचालय निर्माण, नली नालों का निर्माण, की मांग रखीं गई हैं इस संवाद में जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमति रागिनी कुमारी ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा की महिलाये अधिक अधिक सरकार की योजना का लाभ उठाएं `महिला संवाद कार्यक्रमों में दहेज प्रथा और बाल विवाह की रोकथाम के लिए सामूहिक शपथ दिलाई जा रही है और नशा मुक्त समाज के निर्माण और घरेलू हिंसा की रोकथाम के प्रति संकल्प लिया जा रहा है।

गया कॉलेज के प्रबंधन विभाग में बजाज फिन्सर्व सीपीबीएफआई प्रशिक्षण कार्यक्रम में जागरूकता अभियान का सफल हुआ आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

गया। कॉलेज, गया के प्रबंधन विभाग द्वारा बजाज फिन्सर्व को लेकर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया है। इस बात की जानकारी देते हुए कॉलेज के जनसंपर्क पदाधिकारी डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि यह अभियान टाइम्स प्रो के सहयोग से संचालित हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को बैंकिंग, बीमा एवं वित्तीय सेवाओं में संभावित रोजगार अवसरों के प्रति जागरूक करना एवं उनके कौशल को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करना था।इस जागरूकता अभियान में टइअ एवं इइट के विद्यार्थियों की उल्लेखनीय भागीदारी रही, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि विद्यार्थी भविष्य निर्माण हेतु ऐसे प्रमाणन कार्यक्रमों को लेकर अत्यधिक उत्साहित हैं।इस सत्र में विद्यार्थियों को यह विस्तार से बताया गया कि कार्यक्रम उनके करियर विकास में कैसे सहायक सिद्ध हो सकता है। यह कोर्स से मान्यता प्राप्त है, तथा छात्रों को चार क्रेडिट अंक प्रदान करता है, जो उनकी अकादमिक योग्यता में जुड़ता है।इस अवसर पर टाइम्स प्रो की ओर से राहुल बसाक व वेद प्रकाश, क्लस्टर प्रबंधक, विशेष रूप से विभाग में उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों को कार्यक्रम की संरचना, उद्देश्यों, संभावित कैरियर विकल्पों और नामांकन प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों के जिज्ञासापूर्ण प्रश्नों का भी संतोषजनक उत्तर दिया है।प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र ने इस अवसर पर कहाः कि छात्रों को उद्योग के अनुरूप प्रशिक्षित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ये कार्यक्रम इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह जागरूकता सत्र निश्चित रूप से छात्रों के आत्मविश्वास और कौशल को बढ़ावा देगा।प्रबंधन विभागाध्यक्ष डॉ. अम्बरीष नारायण ने कहाःप्रबंधन विभाग हमेशा से छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इस प्रकार के प्रमाणन कार्यक्रम उन्हें सैद्धांतिक बनाता है।

निस्वार्थ भाव से ही होगी एक बेहतर समाज की परिकल्पना : डॉ अमित
किलकारी में मनाई गई आर्ट ऑफ गिविंग की 12वीं वर्षगांठ

प्रात : किरण, संवाददाता

गया।आर्ट ऑफ गिविंग के वर्षगांठ के अवसर पर किलकारी बिहार बाल भवन गया में बच्चों के बीच बहुत ही शानदार कार्यक्रम का आयोजन हुआ साथ ही साथ बच्चों के बीच चित्रकला एवं लेखन प्रतियोगिता भी करवाई गई है। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर हर्ष रंजन सोनी,

द्वितीय स्थान निशु प्रिया तथा तृतीय स्थान आदित्य राज ने प्राप्त किया है। लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान खुशी परवीन, द्वितीय स्थान मदीहा तथा तृतीय स्थान लकी सागर ने प्राप्त किया गया है।सभी चयनित बच्चों को मेडल,

तथा पुरस्कार से सम्मानित किया गया, इसमें लगभग 100 से भी ज्यादा बच्चों ने भाग लिया है । और सभी बच्चों के बीच पेन वितरण का भी कार्य किया गया है।

इसके साथ ही साथ इस कार्यक्रम में पौधारोपण का भी कार्य किया गया। कार्यक्रम में मौजूद आर्ट ऑफ गिविंग के डॉ अमित कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि अच्युत सामंत जी के द्वारा चलाया जा रहा यह आर्ट ऑफ गिविंग एक सुंदर पहल की धारणा है जो की एक बेहतर समाज का गठन करती है देने की कला सभी के अंदर होनी चाहिए और सही कदम में किसी को किया गया दान बेहद लाभकारी और निस्वार्थ होता है।गया कॉलेज गया कंप्यूटर विभाग के प्रोफेसर डॉ. मुकेश तिवारी ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं दी तथा किलकारी बिहार बाल भवन गया के प्रमंडल कार्यक्रम समन्वयक राजीव रंजन श्रीवास्तव उर्फ राजू भईया ने सभी बच्चों से बातें करते हुए कहा कि हम हमेशा एक सही दिशा की ओर आगे बढ़ सके, निस्वार्थ भाव से एक बेहतर समाज की नींव रख सके, और हमारा जीवन, हमारे लोग एक परोपकारी एवं विश्वसनीय व्यवहार के साथ आगे बढ़ सके यही हमारा उद्देश्य और इच्छा शक्ति है ।

आर्म्स एक्ट में फरार महिला को पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजी गयी जेल

शेरघाटी। मारपीट के दौरान पिस्टल भय दिखाने के आरोप में पुलिस ने आर्म्स एक्ट मामले में थाना क्षेत्र के घोड़जरा गांव के रहने वाली बबीता देवी पति उमेश यादव नामक महिला को गिरफ्तार जेल भेज दिया है, थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि आपसी विवाद को लेकर हुए मारपीट मामले में महिला के द्वारा ग्रामीणों के मारपीट करते हुए पिस्टल निकाल दी थी, इसमें दूसरे पक्ष के द्वारा इसकी सूचना दी गई थी जांच पड़ताल के दौरान यह सत्य पाया गया। इसके बाद महिला फरार चल रही गया,सूचना के आधार पर पुलिस ने करवाई करते हुए मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

बाल विवाह सामाजिक कुरीतियों के रोकथाम हेतु महिलाओं को ग्रामीण क्षेत्र के कपासिया पंचायत में जागरूक किया गया :आरती कुमारी

प्रातः किरण संवाददाता

गया ज़िला के परैया प्रखंड के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र के कपासिया पंचायत में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आज दिनांक 20.05.2025 को महिला एवं बाल विकास निगम गया के वन स्टॉप सेंटर तथा जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ विमेन कार्यालय द्वारा परैया प्रखंड के कपसिया पंचायत में महिलाओं , किशोरियों एवं पुरुषों की भागीदारी के साथ महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा से संबंधित योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया है।

इस कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की केन्द्र प्रशासक श आरती कुमारी द्वारा वन स्टॉप सेंटर के क्रियाकलापों के बारे मे विस्तृत रूप से बताया गया है।इसके साथ ही महिला हेल्पलाइन टॉल फ्री नंबर 181 के बारे में बताया गया है। किसी भी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क स्थापित कर सकते है एवं घरेलू हिंसा,बाल विवाह , दहेज प्रथा, छेड़छाड़ ,यौन शोषण,डायन प्रताड़ना, कन्या भ्रूण हत्या तथा अन्य सामाजिक कुरीतियों के रोकथाम हेतु महिलाओं को जागरूक किया गया है। महिलाओं और लड़कियों के सुरक्षा और अधिकार के लिए सरकार की कल्याणकारी योजनाओं तथा कानूनी प्रावधान की जानकारी दी गई है।ज़िला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ विमेन के जी.एस. विशाल कुमार वर्मा के द्वारा बताया गया कि महिला संवाद राज्यव्यापी पहल है जो महिलाओं को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने और नीति निर्माण में उनकी आवाज को प्रमुखता देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। यह परिवर्तनकारी अभियान विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को लक्षित करता है, और महिलाओं तथा सरकारी अधिकारियों के बीच दो-तरफा संवाद की व्यवस्था स्थापित करने का प्रयास करता है, ताकि उनकी जरूरतों और सुझावों को सीधे सुना और समझा जा सके। इसके साथ ही उनके जन्म से वृद्धावस्था तक अलग अलग विभागों द्वारा संचालित योजनाओं से अवगत किया गया है। इसके साथ ही इन सभी योजनाओं को लाभ लेने के लिए जिन आवश्यक दस्तावेजों को तैयार रखना है उसके बारे में बताया गया है।इस मौके पर महिला एवं बाल विकाश निगम गया के कर्मी आरती कुमारी, विशाल कुमार वर्मा एन.एन. एम. की ज़िला समन्वयक सबा सुलताना,जीविका के एरिया कॉर्डिनेटर पंकज कुमार अन्य कर्मी एवं ग्रामीण मौजूद थे।

विभिन्न मांगो को लेकर वार्ड पार्षदों ने दी अनिश्चितकालीन धरना की चेतावनी

प्रातः किरण संवाददाता

कुर्था (अरवल)कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा मनमानी ढंग से कार्य एवं तानाशाही को लेकर वार्ड पार्षदो ने कुर्था नगर पंचायत कार्यालय के समीप अनिश्चितकालीन धरना व प्रदर्शन किया इस मौके पर वार्ड पार्षद शैलेश कुमार ने बताया कि मुख्य पार्षद एवं वार्ड पार्षद के कहने पर भी कुर्था नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी अपने मनमाना ढंग से योजना का कार्य,आउटसोर्सिंग एवं आवास योजना का कार्य बिना वोर्ड के सहमती से कराते आ रहीं है जिसका साक्ष्य लिखित रूप में नगर विकास एवं आवास विभाग पटना एवं अरवल जिलाधिकारी को पूर्व में दिया गया है। जिलाधिकारी अरवल के द्वारा प्रतिनिधी के रूप में बंदोवस्त पदाधिकारी अरवल को मध्यस्था के लिए भेजा गया था लेकिन नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी पर किसी प्रकार का कोई असर नहीं हुआ। कार्यालय नगर पंचायत कुर्था के पत्रांक 221 दिनांक 17 मई 2025 को कार्यपालक पदाधिकारी के द्वारा बिना बोर्ड एवं सशक्त मे पारित किये वगैर कनिय अभियंता मृत्युंजय कुमार पर दवाव बनाकर एसटीमीट मांग रहीं है जब कनिय अभियंता के द्वारा बोर्ड एवं सशक्त में पारित नहीं होने का हवाला देने पर जिलाधिकारी को लिखित रूप से आवेदन देकर हटाने का धमकी दिया जाता है।

भिखूभाई एक कुशल संगठनकर्ता, मार्गदर्शक और समर्पित कार्यकर्ता हैं:डॉ मनीष

गया।भाजपा नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने संगठन महामंत्री भिखूभाई दलसानिया को जन्मदिन की दी शुभकामनाए भारतीय जनता पार्टी के बिहार संगठन महामंत्री भिखूभाई दलसानिया के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि भिखूभाई दलसानिया का पार्टी संगठन में अत्यंत ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वे संगठन की रीढ़ की हड्डी के समान हैं, जिन्होंने अपने विचारों, कर्मठता और दूरदर्शिता से पार्टी को बिहार में सुदृढ़ बनाया है।

अपने शुभकामना संदेश में डॉ. मिश्रा ने कहा, भिखूभाई जी एक कुशल संगठनकर्ता, मार्गदर्शक और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उनके जन्मदिवस पर हम सभी कार्यकर्ता गर्व और प्रसन्नता अनुभव कर रहे हैं। संगठन को मजबूत बनाने में उनका योगदान प्रेरणादायी है।जन्मदिन के अवसर पर भाजपा कार्यकताओं के बीच हर्षोल्लास का माहौल रहा है। पार्टी कार्यालय में एकत्रित कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मुँह मीठा कराकर शुभकामनाएं दीं और भिखूभाई की लंबी आयु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।कार्यक्रम के दौरान डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने भी कार्यकताओं के साथ मिलकर भिखूभाई दलसानिया के योगदान को याद किया और कहा कि ऐसे समर्पित नेता ही पार्टी की वास्तविक ताकत होते हैं।जन्मदिन के इस अवसर पर पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने भी भिखूभाई जी को शुभकामनाएं दीं और उनके नेतृत्व में संगठन को और ऊंचाइयों तक पहुँचाने का संकल्प लिया है। बधाई और शुभकामनाएं देने वालों में पूर्व जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता पूर्व मीडिया प्रभारी संतोष ठाकुर राणा रणजीत सिंह विजय प्रसाद उर्फ काला नाग मंटू कुमार महेश यादव बबलू गुप्ता आदि लोगों ने जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दी ।

ई रिक्सा टोटो से ठेकेदारी लेना बंद हो :कॉग्रेस

गया।बिहार प्रदेश कॉग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता प्रो विजय कुमार मिट्ठू, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कॉग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, राम प्रमोद सिंह, दामोदर गोस्वामी, प्रद्युम्न दुबे, विपिन बिहारी सिन्हा, कुंदन कुमार, मोहम्मद शमीम आलम, मुन्ना मांझी, मोहम्मद समद, साधु शरण सिंह, राजीव कुमार सिंह उर्फ लबी सिंह आदि ने कहा कि हाथ रिक्सा की जगह सम्पूर्ण गया के घर, घर, गली- गली, सहित सभी प्रमुख सड़कों पर 24 घंटे चलने वाले आमजनों का लाइफ लाइन ई रिक्सा टोटो से स्टेशन, चौक, सिकडीया मोड़, पंचायती अखाड़ा, मुफस्सिल मोड़, मगध मेडिकल सहित शहर के दर्जनों जगह से 100 से 150 रुपया प्रतिदिन ठेकेदारी लेने से ई रिक्सा चालकों में भारी आक्रोश है, इसके साथ ही साथ उनके कमाई का 25 प्रतिशत हिस्सा ठेकेदारी में ही चाला जाता है, जबकि इन ठेकेदारी स्थानों पर कोई भी ना तो जन सुविधाएं उपलब्ध है, नाही ई रिक्सा लगाने तथा खडा करने का कोई जगह है।

राहुल बना मिस्टर प्रेशर तो सिमरन बनी मिस फ्रेशर

प्रातः किरण संवाददाता

गया।गया कॉलेज, गया के कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग में विद्यार्थियों के द्वारा आज मुंशी प्रेमचंद सभागार में एमसीए सत्र 23 -25 के विद्यार्थियों के द्वारा एमसीए 24 - 26 एवं बीसीए 24-27 के विद्यार्थियों के आगमन पर उनको फ्रेशर्स दिया गया।

विद्यार्थियों ने कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सतीश सिंह चंद्र, विभाग अध्यक्ष डॉक्टर अमित कुमार कॉलेज के जनसंपर्क पदाधिकारी डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार , कुमार शेखर सिंह, सत्येंद्र कुमार ,डॉ अश्वनी, मोहम्मद उस्मान गनी अनंत कुमार कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया उसके बाद विद्यार्थियों के द्वारा प्रधानाचार्य का स्वागत पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह के द्वारा किया गया है ।उद्घाटन सत्र के मौके पर कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र ने कहा कि आप सभी विद्यार्थी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने इस कड़ी धूप में महाविद्यालय परिसर में फ्रेशर्स का आयोजन किया है आप सभी विद्यार्थियों से हम यही उम्मीद करेंगे की आप अपनी पूरी लगन और परिश्रम से अपने-अपने विषय में समझ बनाएंगे जिससे गया कॉलेज की तरह आप भी अपनी ऊंचाइयां हासिल कर सकें इसके बाद महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें बच्चों ने खूब तालियां बटोरी और एक से एक बढ़ चढ़कर प्रस्तुति की गई है अंत में सभी प्रतिभागियों से चयन कर मिस्टर प्रेशर मिस प्रेशर का चयन किया गया।

जगजीवन महाविद्यालय के शिक्षक संघ का चुनाव संपन्न, प्राचार्य ने दी बधाई

प्रातः किरण संवाददाता

गया।जगजीवन महाविद्यालय के शिक्षक संघ का बहुप्रतीक्षित चुनाव संपन्न हो गया है। दिनांक 20.5.2025 को संपन्न हुए इस चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए डॉ. मोहम्मद अयूब एवं सचिव पद के लिए डॉ. संगीता कुमारी, डॉ. श्वेता पांडे आमने-सामने थीं। अध्यक्ष पद पर डॉ. मोहम्मद अयूब का निर्विरोध चुनाव कर लिया गया, वहीं सचिव के पद पर दोनों प्रत्याशियों ने एक-दूसरे को कांटे की टक्कर देने की पूरी कोशिश की है। भूगोल विभाग की डॉ श्वेता पांडे को कुल 11 मत प्राप्त हुए हैं। दर्शनशास्त्र विभाग की डॉ. संगीता कुमारी ने 14 मत प्राप्त कर विजय का पताका लहराया है। यह चुनाव इसलिए भी मायने रखता है क्योंकि दोनों ही प्रत्याशियों के घोषणा पत्र में संघ का पंजीकरण, जिन विभागों में शौचालय की व्यवस्था नहीं है, वहां शौचालय की व्यवस्था करवाना, शिशु ग्रह का निर्माण करवाना ताकि महिला प्राध्यापक महाविद्यालय में रहते हुए अपने बच्चों की समुचित देखभाल कर सकें। एक अहम बात यह भी थी कि शिक्षकों में अकादमिक प्रगति निरंतर होती रहे इसके लिए मासिक स्तर पर एक आम बैठक करने की भी बात की गई है।दोनों ही प्रत्याशियों के मनभावन घोषणा पत्र की वजह से चुनाव काफी रोमांचक हो गया था। परिणाम आने से पहले तक यह कहना बड़ा मुश्किल था कि किस प्रत्याशी को कितने मत प्राप्त होंगे। जीत का सेहरा किसके सिर बंधेगा। चुनाव संपन्न कराने में डॉ. रतिकांत दास, अर्थशास्त्र विभाग, पुर्णेन्दु कुमार, अंग्रेजी विभाग, डॉ. मनीष कुमार सिंह, गणित विभाग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन्होंने चुनाव अधिकारी के पद पर रहते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया का समुचित पालन किया है।

महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सत्येंद्र प्रजापति ने दोनों विजेता-अध्यक्ष एवं सचिव को बधाई दी तथा भविष्य में महाविद्यालय के हित में काम करने की प्रेरणा भी दी है। अध्यक्ष के पद पर चयनित डॉ. मोहम्मद अयूब ने सभी शिक्षकों के साथ मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है।वही सचिव पद पर निर्वाचित घोषित की गई डॉ. संगीता कुमारी ने कहा कि कोई भी काम समूह के बिना संभव नहीं है। हम अपने शिक्षक साथियों के समूह की ताकत को पहचानते हैं। लिहाजा भविष्य में उनके साथ के बिना हम आगे नहीं बढ़ सकते। इस मौके पर मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अनुरानी, जंतुविज्ञा के अध्यक्ष डॉ. आचार्य शंकर, रसायनशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. रश्मि कुमारी, हिंदी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. संगीता कुमारी, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार, मनोविज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. राजीव रंजन, गणित विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. धर्मेंद्र कुमार, भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. सत्येंद्र सिंह चंद्र, अर्थशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रियंका सिन्हा, अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. एजाज असलम आदि ने विजेता दोनों- अध्यक्ष एवं सचिव को जीत की बधाई दी एवं बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए शुकामनाएं प्रेषित कीं है।

हरित सफर अभियान के अंतर्गत गयाजी में नुक्कड़ नाटक का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

गयाजी। गया के ऐतिहासिक गांधी मैदान में ब्लेसिंग्स संस्था द्वारा हरित सफर अभियान के तहत एक जागरूकता नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस प्रभावशाली नाटक के माध्यम से शहरी आवागमन की जटिलताओं और आम नागरिकों की रोजमर्रा की चुनौतियों को उजागर किया गया है। नाटक में विशेष रूप से साइकिल लेन, फूटपाथ, इलेक्ट्रिक बस जैसी आवश्यक बुनियादी सुविधाओं की मांग को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गयाजी शहर को अधिक हरित, सुरक्षित और सुगम बनाने की दिशा में जनचेतना फैलाना था। नाटक ने यह संदेश दिया कि यदि शहर की सड़कों को सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक बनाया जाए, तो सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण को एक नई दिशा दी जा सकती है।

इस अवसर पर संस्था की सचिव डॉ. प्रियंका यादव ने कहा, सुगम, सुरक्षित और सतत यातायात व्यवस्था कोई विलासिता नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। गयाजी जैसे ऐतिहासिक और जनसंख्या घनत्व वाले शहर में यह और अधिक आवश्यक हो जाता है कि हर व्यक्ति चाहे वह बच्चा हो, बुजुर्ग हो या दिव्यांग स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक यातायात का लाभ उठा सके। इसके लिए हमें सामूहिक रूप से अपनी आवाज उठानी होगी।

इस आयोजन को सफल बनाने में ब्लेसिंग्स संस्था की पूरी टीम मैक्स, रोहित, रंजन सिंह, रिशव राज, अनुराग सौरभ, अमित कुमार, किरण कुमारी, स्वाति कुमारी, नंदिनी कुमारी, विभव कुमार, रजाल कुमार, उत्तम कुमार, अजीत कुमार, विकास कुमार, अंकित कुमार ने सक्रिय रूप से भाग लिया है।

ब्लेसिंग्स संस्था ने स्थानीय प्रशासन से अपील की है कि वे गया शहर को एक हरित, स्वच्छ और सबके लिए सुगम नगर बनाने की दिशा में आवश्यक कदम शीघ्र उठाएं और शहरवासियों को बेहतर यातायात सुविधाएँ उपलब्ध कराएं।

अगले चार दिन में पूरी सफाई नहीं होती है तो आपदा के तहत किसी अन्य एजेंसी को कार्य सौंपते हुए एजेंसी पर कार्यवाही की जाएगी: नगर आयुक्त

■ नगर आयुक्त द्वारा शहर के प्रमुख नालों की हो रही सफाई का औचक स्थल निरीक्षण किया गया

प्रातः किरण संवाददाता

गया ।नगर आयुक्त कुमार अनुराग द्वारा शहर के प्रमुख नालों की सफाई की समीक्षा एवं औचक स्थल निरीक्षण किया गया है। स्थल निरीक्षण के दौरान सबसे पहले वार्ड 45 से गुजरते हुए मानसरवा नाला की समीक्षा की गई है। वहां नगर निगम द्वारा मशीन एवं मानव बल दोनों का इस्तेमाल किया जा रहा है।स्थल पे बीच दोपहर में भी पाया गया कि मजदूर कार्य कर रहे है एवं नाला में फंसे कचरे एवं मलवे को हटा रहे हैं। इसके साथ मानसरवा नाला में निगम की ओर से एक जेसीबी एवं पोकलेन लगी हुई पाई गई है।

इसके बाद रामसागर पूर्वी में हो रहे नालों की सफाई का निरक्षण किया गया है। वहां उपस्थित स्वच्छता पदाधिकारी ने बताया कि ये एक हॉटस्पॉट जहां तेज बारिश के कुछ घंटे के लिए जल जमाव की स्थिति उत्पन्न होती है। इसका मुख्य कारण ये है कि नाला यहां संकीर्ण तो है हीं साथ हीं साथ जल आपूर्ति का पाइप बुडको द्वारा यहां से ले जाया गया है जिससे कि नाला और भी संकीर्ण हो गया है। नादरगंज नाला से पानी निकलने के पश्चात हीं, यहां से पानी निकल पाता है। पूरी प्रक्रिया में एक से डेढ़ घंटा का वक्त लगता है।

इसके आलोक में नगर आयुक्त द्वारा स्वच्छता पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि वैसे स्थान को चिन्हित कर लीजिए जहां दूसरे एजेंसी से समन्वयक की जरूरत है एवं दो दिनों के अंदर इसकी बैठक रखी जा सके। जीबी रोड से होते हुए बॉटम नाला का

भ्रमण किया गया। यहां भी सफाईकर्मी नाला साफ करते हुए पाए गए हैं।

स्वच्छता पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि बसावटों के कारण बॉटम नाला में इस क्षेत्र में मशीन से सफाई मुमकिन नहीं है। जितना भी खुला क्षेत्र है, वहां मानव बल के माध्यम से हीं सफाई कराई जा रही है।

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि निगम बोर्ड द्वारा जो शहर के चिन्हित नाले हैं, उनको तीन केटेगरी में बांटा गया है:

वार्ड के अंतर्गत छोटे नाले। ऐसे नालों की संख्या कुल 270 है।

कई वार्डों से होते हुए बड़े नाले। ऐसे नालों की संख्या कुल 17 है। वार्ड अंतर्गत मध्य नाले जहां मशीनों एवं मानव बल के माध्यम से सफाई कराया जाता है। कुल 45 नाले।

इसके अतिरिक्त वार्डों में भिन्न छोटे छोटे नाले हैं जिसके लिए अतिरिक्त मानव बल दिया जाता है। अभी की स्थिति के अनुसार लगभग 25 से 30 प्रतिशत हीं कार्य पूर्ण हुआ है। इसके लिए मानव बल हेतु चयनित एजेंसी है जिनके माध्यम से सफाई कर्मियों को भुगतान होता है। समीक्षा में पाया गया कि भुगतान के अभाव में पर्याप्त मानव बल एजेंसी के द्वारा नहीं लगाया जा रहा है जबकि एजेंसी को निगम के स्तर से भुगतान की प्रक्रिया की जा रही है।

एजेंसी को शख्त निर्देश है कि साप्ताहिक कार्य का विपत्र समर्पित करें और भुगतान निगम से लें। पूर्व में एक स्पष्टीकरण एजेंसी को हुआ था। इसके पश्चात कार्य में कुछ तेजी आई है और सुधार हुआ है। परन्तु, अभी भी कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं है। आज की समीक्षा के बाद एजेंसी को एक और स्पष्टीकरण किया गया है एवं तीन दिन के बाद पुनः एजेंसी द्वारा दिए जा रहे मानव बल की समीक्षा की जाएगी।

नगर आयुक्त द्वारा एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि अगर मानव बल में वृद्धि अगले चार दिन में नहीं होती है तो इस दर पर आपदा के तहत किसी अन्य एजेंसी को कार्य सौंपते हुए एजेंसी पे कार्यवाही की जाएगी। इस आलोक में एजेंसी द्वारा बताया गया कि मानव बल में वृद्धि हुई है और अगले तीन दिनों में और ज्यादा संख्या में सफाई कर्मी लगाया जाएगा।

इसके साथ ही नाला सफाई के मानव बल का लक्ष्य अगले 15 दिनों में पूर्ण कर लिया जायेगा।

नगर आयुक्त ने स्वच्छता पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रतिदिन नाला सफाई के कार्यों की समीक्षा एवं स्थल निरीक्षण करेंगे।

लाल निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजार

मुंबई, एजेंसी। इससे पहले बीते कारोबारी सत्र में लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बीएसई सेंसेक्स 1,200.18 अंक या 1.48 फीसदी उछलकर सात महीने के उच्चतम स्तर 82,530.74 अंक पर बंद हुआ था।

शेयर बाजार में नरमी के साथ क्लोजिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को सेंसेक्स 200.15 अंकों की गिरावट के साथ 82,330.59 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में 42.30 अंकों की गिरावट के साथ 25,019.80 के स्तर पर समापन हुआ। आइए जानते हैं बाजार का हाल।

सेंसेक्स 800 से अधिक अंक टूटा, निफ्टी 24,689 के स्तर पर

मुंबई, एजेंसी। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन आज यानी मंगलवार, 20 मई को सेंसेक्स में 800 अंक से अधिक की गिरावट आई है, ये 81,215 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी भी 256 अंक लुढ़का है, ये 24,689 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन आज यानी मंगलवार, 20 मई को सेंसेक्स में 800 अंक से अधिक की गिरावट आई है, ये 81,215 के

स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी भी 256 अंक लुढ़का है, ये 24,689 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 में से 20 शेयरों में तेजी है। टाटा स्टील, इंफोसिस और टेक महिंद्रा 1त्न ऊपर हैं। पावर ग्रीड, और रिलायंस का शेयर 1 प्रतिशत गिरा है। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई करीब 200 अंक चढ़कर 37,700 पर और कोरिया का कोस्पी करीब 10 अंक ऊपर 2,610 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स करीब 300 अंक ऊपर है, 23,630 पर कारोबार कर रहा है। चीन का शंघाई कंपोजिट 13 अंक चढ़कर 3,380 पर है। 19 मई को अमेरिका का डाउ जोन्स 137 अंक चढ़कर 42,792 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट और फ्लैट 19,215 और 5,963 बंद हुए। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन आज यानी सोमवार, 19 मई को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 271 अंक नीचे 82,059 पर बंद हुआ। निफ्टी में 74 अंक की गिरावट रही, ये 24,945 पर बंद हुआ।

भारत-यूएस ट्रेड डील को लेकर आया ये बड़ा अपडेट

पीयूष गोयल की अमेरिकी मंत्री से मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर वार्ता तेज हो गई है। इसी क्रम में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वॉशिंगटन में अपने अमेरिकी समकक्ष हावर्ड लुटनिक से मुलाकात की और समझौते के पहले चरण को शीघ्र अंतिम रूप देने पर चर्चा की।

गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि, भारत–अमेरिका व्यापार समझौते के पहले चरण में तेजी लाने की दिशा में मंत्री हावर्ड लुटनिक के साथ सार्थक चर्चा हुई।

यह उच्चस्तरीय बैठक 22 मई तक चलेगी, जिसमें दोनों देशों के मुख्य वार्ताकार वस्तुओं में अंतरिम व्यापार व्यवस्था के तहत 'शीघ्र पारस्परिक लाभ' सुनिश्चित करने के प्रयासों पर विचार करेंगे। लक्ष्य है कि शरद ऋतु (सितंबर–अक्टूबर) तक पहले चरण का समझौता पूरा कर लिया जाए।

अमेरिका ने भारत पर लगाए गए 26त्न अतिरिक्त शुल्क को अस्थायी रूप से 9 जुलाई तक निलंबित किया है। यह शुल्क इस्पात, एल्युमीनियम और ऑटो पार्ट्स जैसे उत्पादों पर लागू है। भारत और अमेरिका 90 दिनों की शुल्क विराम अवधि का लाभ उठाकर वार्ता को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

चीन के फैसले से एशियाई शेयर चढ़े

मूडीज के कदम से अमेरिका में चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रंप के व्यापार युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। जहां चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था मजबूत करने के लिए ब्याज दरों में कटौती की। वहीं अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग घटने से निवशकों में चिंता देखने को मिली।

चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ब्याज दरों में कटौती की, जिससे एशियाई शेयरों में उछाल आया। यह कदम चीन ने व्यापार युद्ध से बिगड़ी स्थिति से निपटने के लिए उठाया गया। चीन की कंटेम्पररी एम्परेक्स टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड (सीएटीएल), जो दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक बैटरी कंपनी है के शेयरों में तेजी आई। हांगकांग में कारोबार के दौरान सीएटीएल के शेयरों में 13 प्रतिशत का उछाल आया। कंपनी ने इस साल दुनिया के सबसे बड़े आईपीओ में लगभग 4.6 अरब डॉलर जुटाए हैं। शंघाई के बाद छोटे शेयर बाजार शेन्जेन में सीएटीएल की शेयरों में दिन की शुरुआत में गिरावट के बाद 0.1 प्रतिशत की बढ़त हुई।

चीन के केंद्रीय बैंक ने सात महीनों में पहली बार प्रमुख ब्याज दरों में कटौती की है। इस कदम का निवेशकों ने स्वागत किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ नीति के कारण निवेशक दबाव में है, चीन के इस फैसले से वह

थोड़ी राहत महसूस कर रहें है। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने एक साल के ब्याज दर में कटौती की है। सभी नए रिफ्रेंस रेट के ब्याज और बकाया फ्लोटिंग ब्याज दरों को घटाकर 3.1 प्रतिशत से 3 प्रतिशत कर दिया गया है। साथ ही पांच साल के ब्याज दरों को घटाकर 3.6 प्रतिशत से 3.5 प्रतिशत कर दिया गया है। चीन को चिंता है कि मांग में कमी होने के कारण मंहगाई के बजाए अपस्फीति की स्थिति पैदा हो सकती है। अर्थशास्त्री चीन से ऐसे ही कदम की उम्मीद कर रहे थे। सोमवार को जारी हुए डेटा के अनुसार ट्रंप के व्यापार युद्ध के कारण अर्थव्यवस्था दबाव में है। साथ ही, खुदरा ब्रिकी और फैक्ट्री उत्पादन धीमा हो रहा है और संपत्ति निवेश में गिरावट जारी है। कैपिटल इकोनॉमिक्स की जिचुन हुआंग ने एक रिपोर्ट में कहा कि मंगलवार की कटौती शायद इस साल की आखिरी कटौती नहीं होगी।

मंगलवार की सुबह हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.9 प्रतिशत बढ़कर 23,542.46 पर पहुंच गया, जबकि शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में 0.1 प्रतिशत का उछाल आया। टोक्यो में, निक्केई 225 0.5 प्रतिशत बढ़कर 37,685.09 पर पहुंच गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.6 प्रतिशत बढ़कर 8,343.30 पर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.1 प्रतिशत बढ़कर 2,606.58 पर पहुंच गया, जबकि ताइवान का ताइएक्स 0.4 प्रतिशत ऊपर रहा।

सोमवार को अमेरिकी शेयर, बॉन्ड और डॉलर के मूल्य में उतार-चढ़ाव दिखा। यह अस्थिरता मूडीस रेंटिंग्स की ओर से अमेरिका पर की गई टिप्पणी के कारण आई। मूडीज ने कहा है कि अमेरिकी सरकार अब शीर्ष-स्तरीय एएए रेटिंग की हकदार नहीं है।

एपल ने फिर दिखाया भारत पर भरोसा

झोंका अरबों का निवेश, ट्रंप की चेतावनी का नहीं हुआ असर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत में आईफोन उत्पादन पर आपत्ति जताने के बावजूद, एपल के सीईओ टिम कुक ने अपनी रणनीति में कोई बदलाव नहीं किया है। कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग साझेदार फॉक्सकॉन और होन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री, जिसे फॉक्सकॉन के नाम से जाना जाता है) ने भारत में बड़े पैमाने पर निवेश की घोषणा की है।

पिछले पांच दिनों में फॉक्सकॉन ने 1.48 अरब डॉलर (करीब 12,800 करोड़) का निवेश किया है, जबकि होन हाई ने भारत में 1.5 अरब डॉलर (12,500 करोड़ से अधिक) के निवेश की पुष्टि की है। दोनों कंपनियों ने

यह जानकारी अपनी स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी है।

फॉक्सकॉन ने यह निवेश अपनी सिंगापुर यूनिट के जरिए तमिलनाडु स्थित युजान टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में किया है। 14 मई से 19 मई के बीच किया गया यह निवेश एपल की भारत में आईफोन उत्पादन बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है।

दूसरी ओर, होन हाई ने अपने ताइवानी निवेशकों को सूचित किया है कि वह चीन से प्रोडक्शन शिफ्ट कर भारत में निर्माण बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। टिम कुक ने हाल में कहा कि जून तिमाही से अमेरिका में बिकने वाले अधिकांश आईफोन भारत में बने होंगे। चीन, जहां अब व्यापार और शुल्क को लेकर अनिश्चितता है, वहां अब मुख्य रूप से अन्य बाजारों के लिए निर्माण होगा। भारत में फॉक्सकॉन, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पेगाट्रॉन जैसे बड़े मैन्युफैक्चरिंग प्लेयर एपल के लिए काम कर रहे हैं। टाटा ग्रुप ने हाल ही में विस्ट्रॉन इंडिया का अधिग्रहण किया है और पेगाट्रॉन के भारतीय ऑपरेशंस को भी संभाल रहा है।

म्यूचुअल फंड उद्योग ने छुआ नया शिखर, एयूएम 65.74 लाख करोड़ और एसआईपी निवेश में 45 प्रतिशत की छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी। 2024-25 में म्यूचुअल फंड उद्योग का एयूएम 23त्न बढ़कर 65.74 लाख करोड़ रुपये पहुंचा। मजबूत निवेश प्रवाह और बाजार वृद्धि के चलते यह रिकॉर्ड बना। एसआईपी निवेश में भी 45त्न उछाल आया, जिससे इसकी परिसंपत्तियां 13.35 लाख करोड़ और हिस्सेदारी 20.31त्न हो गई। म्यूचुअल फंड उद्योग की संपत्तियों (एयूएम) का आकार 2024-25 में सालाना आधार पर 23 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 65.74 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। 2023-24 में एयूएम 53.40 लाख करोड़ था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, इक्विटी एवं डेट बाजारों में तेजी के बीच शुद्ध 8.15 लाख करोड़ के मजबूत प्रवाह और निवेश के बाजार मूल्य (एमटीएम) में वृद्धि से होने वाले लाभ के कारण एयूएम बढ़ा है।

संपत्ति आधार में तेज उछाल निवेशकों और म्यूचुअल फंड कंपनियों की बढ़ती संख्या में भी देखने को मिला है। इस अवधि में म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या रिकॉर्ड 23.45 करोड़ पहुंच गई और निवेशक आधार भी करीब 5.67 करोड़ हो गया।

हजारों खाताधारकों को तगड़ा झटका

आरबीआई की सख्ती से बंद हुआ ये बैंक, ग्राहकों के पैसे फंसे

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के हजारों खाताधारकों के लिए सोमवार की शाम एक चौंकाने वाली खबर लेकर आई। भारतीय रिजर्व बैंक ने एचसीबीएल को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने यह सख्त कदम बैंक की खराब वित्तीय हालत और भविष्य की संभावनाओं के अभाव को देखते हुए उठाया है।

आरबीआई के मुताबिक, बैंक के पास न तो पर्याप्त पूंजी है और न ही मुनाफा कमाने की कोई ठोस संभावना। बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत जरूरी शर्तों को पूरा करने में विफल रहने के कारण इस पर रोक लगाई गई है। रिजर्व बैंक ने साफ कहा है कि एचसीबीएल का संचालन आगे जारी रखना ग्राहकों और जमाकर्ताओं के हित में नहीं है।

लाइसेंस रद्द होने के साथ ही बैंक का सारा कामकाज ठप कर दिया गया है। अब ग्राहक न तो अपने खातों में पैसे जमा कर सकेंगे और न ही निकासी कर पाएंगे। हालांकि घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन के तहत 5 लाख रुपये तक की राशि बीमा कवर में सुरक्षित है।

बैंक के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 98.69त्न खाताधारक अपनी पूरी जमा राशि प्राप्त करने के योग्य हैं। 31 जनवरी 2025 तक छ्ढ्ढष्टत्नष्ट पहले ही 21.24 करोड़ की बीमित राशि का भुगतान कर चुका है। आरबीआई ने उत्तर प्रदेश के को-ऑपरेटिव कमिश्नर और रजिस्ट्रार को निर्देश दिया है कि बैंक को पूरी तरह बंद कर दिया जाए और एक लिक्विडेटर (परिसमापक) नियुक्त किया जाए, जो बैंक की संपत्तियों और दायित्वों को निपटाएगा। यह पहली बार नहीं है जब आरबीआई ने किसी सहकारी बैंक पर कार्रवाई की हो। अप्रैल 2025 में भी अहमदाबाद के कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक, औरंगाबाद के अजंता अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक और जालंधर के इंपीरियल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के लाइसेंस रद्द किए गए थे।

शेयर बाजार में गिरावट के बीच छोटू शेयर ने मचाया धमाल, लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। गिरते बाजार में जब बड़ी–बड़ी कंपनियों के शेयर फिसल रहे हैं, तब एक पेनी स्टॉक ने सभी को चौंका दिया है। कैसर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शेयरों में मंगलवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। कंपनी के शेयर 5त्न के अपर सर्किट तक पहुंच गए। निवेशकों के चेहरे खिल उठे, क्योंकि यह उछाल एक अहम कारोबारी समझौते के बाद आया है, जिससे कंपनी को करोड़ों की आय होने की उम्मीद है। कंपनी का स्टॉक 6.60 रुपए पर खुला और कुछ ही समय में 5त्न के अपर सर्किट को छू गया। सोमवार को यह शेयर 6.33 रुपए पर बंद हुआ था। कैसर की सहायक कंपनी ज़िकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने वार्डविज़ार्ड इनोवेशन एंड मोबिलिटी लिमिटेड के साथ एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर साइन किया है। वार्डविज़ार्ड भारत की अग्रणी इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनियों में से एक है। इस साझेदारी के तहत ज़िकॉन इंटरनेशनल वर्ष 2025–26 और 2026–27 में वार्डविज़ार्ड से कुल 7,500 इलेक्ट्रिक स्कूटर किराए पर लेगी।

लियो ड्राईफ्रूट्स एंड स्पाइसेज़ ने जीता ईआईएच का ट्राइडेंट, ओबेरॉय और मुंबई फ्लाइट सर्विसेज कॉन्ट्रैक्ट!

मुंबई, एजेंसी। लियो ड्राइफ्रूट्स एंड स्पाइसेज ट्रेडिंग लिमिटेड जो प्रीमियम गुणवत्ता वाले मसाले, सूखे मेवे और ग्रॉसरी उत्पादों की सोर्सिंग, प्रोसेसिंग, ट्रेडिंग और मार्केटिंग में एक विश्वसनीय नाम है, ने लक्ज़री हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में अपनी पकड़ और मजबूत करते हुए ईआईएच लिमिटेड के साथ एक अनुबंध हासिल किया है, जो भारत की प्रमुख लक्ज़री हॉस्पिटैलिटी कंपनियों में से एक है। यह समझौता के तहत, लियो मुंबई में ट्राइडेंट होटल्स, ओबेरॉय होटल्स एंड रिजॉर्ट्स, और ओबेरॉय फ्लाइट सर्विसेज़ को अपनी विशिष्ट मसालों और सूखे मेवों की रेंज उपलब्ध कराएगा। यह अनुबंध लियो के प्रीमियम होटल सेगमेंट पर बढ़ते फोकस को दर्शाता है और ताज होटल समूह से हाल ही में प्राप्त हुए उनके समझौतों पर आधारित है। जहाँ उत्पाद दरें निर्धारित हो चुकी हैं, वहीं आपूर्ति की मात्रा अनुबंध की अवधि के दौरान अलग-अलग क्रय आदेशों के माध्यम से तय की जाएगी। कंपनी अनुबंध की प्रभावी तिथि से पहले बारह महीनों में लगभग 3 करोड़ के कुल आदेशों की उम्मीद कर रही है। कौशिक शाह, लियो ड्राईफ्रूट्स एंड स्पाइसेज ट्रेडिंग लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ने कहा, हमें ईआईएच लिमिटेड द्वारा मुंबई के उनके ट्राइडेंट होटल्स, ओबेरॉय होटल्स एंड रिसॉर्ट्स और ओबेरॉय फ्लाइट सर्विसेज के लिए हमारे प्रीमियम मसाले और ड्राई फ्रूट्स की आपूर्ति करने के लिए चुना जाना सम्मान की बात है। यह अनुबंध लियो के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और हमारे लक्ज़री हॉस्पिटैलिटी सेक्टर पर ध्यान केंद्रित करने की प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करता है।

हिंदुजा परिवार ने लगातार चौथे वर्ष 2025 की यूके रिच लिस्ट में शीर्ष स्थान बरकरार रखा

मुंबई, एजेंसी। श्री गोपीचंद हिंदुजा, 110 वर्ष पुराने बहुराष्ट्रीय समूह हिंदुजा ग्रुप के चेयरमैन के नेतृत्व में हिंदुजा परिवार ने 35.3 अरब पाउंड की संपत्ति के साथ लगातार चौथे वर्ष संडे टाइम्स रिच लिस्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया है। संडे टाइम्स रिच लिस्ट यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले सबसे धनी व्यक्तियों और परिवारों की वार्षिक रैंकिंग है, जिसमें 2025 के संस्करण में 350 प्रविष्टियाँ शामिल हैं। वैश्विक चुनौतियों और नीतिगत बदलावों के बावजूद, हिंदुजा परिवार ने असाधारण व्यावसायिक दृढ़ता और वैश्विक नेतृत्व का प्रदर्शन जारी रखा है।

इंडसइंड बैंक के 6 अधिकारियों के खिलाफ जांच

कमियों को जानने के बाद भी स्टॉक बेचने का आरोप

मुंबई, एजेंसी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) इंडसइंड बैंक के छह अधिकारियों की ओर से किए गए ट्रेड के समय की जांच कर रहा है, ताकि यह पता लग सके कि क्या इस बिक्री के जरिये बैंक के नियमों और आंतरिक आचार संहिता का उल्लंघन किया गया है। जांच अभी शुरुआती चरण में है।

सेबी इनसाइडर ट्रेडिंग मामले में इंडसइंड बैंक के छह अधिकारियों के खिलाफ जांच कर रहा है। इसका मकसद यह पता लगाना है कि इन अधिकारियों ने बैंक में अकाउंटिंग से जुड़ी खामियों के बारे में जानकारी होने के बावजूद स्टॉक ऑप्शन बेचे थे, जबकि बैंक में सार्वजनिक रूप से इनका खुलासा नहीं किया गया था।

मामले से जुड़े दो सूत्रों ने बताया, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) इन छह अधिकारियों की ओर से किए गए ट्रेड के समय की जांच कर रहा है, ताकि यह पता लग सके कि क्या इस बिक्री के जरिये बैंक के नियमों और आंतरिक आचार संहिता का उल्लंघन किया गया है। जांच अभी शुरुआती चरण में है। हालांकि, सेबी ने अभी तक इन अधिकारियों एवं बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी नहीं किया है और न ही कोईजवाब मांगा है। इस मामले की फॉरेंसिक जांच करने वाली ऑडिट एवं सलाहकार फर्म ग्रांट थॉर्नटन ने खुलासा किया था कि बैंक के दो अधिकारिकों को अकाउंटिंग संबंधी चूक के बारे में जानकारी थी। इसके बाद भी उन्होंने सार्वजनिक किए जाने से पहले शेयरों में ट्रेडिंग की। सेबी ने बैंक ने रिपोर्ट की एक कॉपी मांगी है।

लगातार दो साल से शेयरधारिता विवरण साझा नहीं करने पर बाजार नियामक सेबी ने अदाणी समूह में निवेश करने वाले मॉरीशस के दो फंड्स को लाइसेंस रद्द करने और जुर्माना लगाने की चेतावनी दी है। 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों के बाद से भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) अदाणी समूह और उसके 13 ऑफशोर निवेशकों की जांच कर रहा है। सेबी के 28 मार्च के एक दस्तावेज के मुताबिक, मॉरीशस के दो फंड्स एलारा इंडिया ऑपर्च्युनिटीज फंड्स और वेस्पेरा फंड को 2023 से अपने सभी शेयरधारकों के बारे में जानकारी देने को कहा जा रहा है।लेकिन, दोनों विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने बिना किसी कारणअभी तक यह जानकारी मुहैया नहीं कराई है।

अमेजन फैशन ने अपने जेन ज़ी ऑनलाइन स्टोर को सर्व के रूप में किया रीब्रांड

बेंगलुरु, एजेंसी। अमेजन फैशन ने जेन ज़ी को खास तौर पर ध्यान में रखते हुए अपने ऑनलाइन स्टोरफ्रंट को एक बार फिर से लॉन्च किया है. इस स्टोरफ्रंट को इससे पहले नेक्स्ट जेन स्टोर के नाम से जाना जाता था। अब इसे नए स्टाइलिश स्वरूप में सर्व के नाम से पेश किया गया है। सर्व की बात करें तो इस शब्द का अर्थ खुद को पूरे कॉन्फिडेंस और स्टाइल के साथ पेश करना, वो भी इस अंदाज़ में कि लोग देख कर इंप्रेस हो जाएं। ये शब्द आज के जेन ज़ी की ज़ुबान में खूब इस्तेमाल होता है, और अब हर उम्र के लोग इसे अपनाने लगे हैं. ये शब्द फैशन, ब्यूटी और अपनी पहचान को खुलकर दिखाने वाले पूरे एटीट्यूड को दिखाता है, यानी ऐसा स्टाइल जो भीड़ में अलग नजर आए। 'सर्व' सिर्फ एक ऑनलाइन स्टोर नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां हमेशा लेटेस्ट ट्रेंड, स्टाइल और खुद को एक्सप्रेस करने के नए तरीके मिलते हैं. इसका मकसद है – फैशन और ब्यूटी के जरिए अपनी पहचान को बेझिझक दिखाना। इस ऑनलाइन स्टोर पर जेन ज़ी ग्राहकों की संख्या में 3 गुना का इजाफा देखने को मिला है. वहीं चंडीगढ़, कोच्चि, पटना, नागपुर, जयपुर और सूरत जैसे टियर–2 और टियर–3 शहरों से शॉपिंग करने वालों की संख्या 4 गुना तक बढ़ी है. 'सर्व' आज के युवा ग्राहकों के लिए फैशन से जुड़ने का तरीका पूरी तरह से बदलने वाला है जहां स्टाइल सिर्फ ट्रेंड नहीं, खुद को एक्सप्रेस करने का जरिया बनता जा रहा है.

आईपीएल-2025

लखनऊ समेत 5 टीमें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर

मुंबई की टीम कैसे क्वालिफाई कर सकती है?

मुंबई की टीम के दो मैच बाकी हैं। उन्हें 21 मई को दिल्ली कैपिटल्स से मुंबई में और 26 मई को पंजाब किंग्स से जयपुर में भिड़ना है। इन दोनों मैचों में जीत मुंबई को प्लेऑफ में पहुंचा देगी। यहां तक कि मुंबई की दिल्ली पर जीत उन्हें प्लऑफ में पहुंचा देगी। अगर मुंबई की टीम दिल्ली को हरा देती है तो उनके 16 अंक हो जाएंगे। वहीं, दिल्ली के भी दो मुकाबले बचे हैं। हालांकि, मुंबई से हारने के बाद उनका सफर समाप्त हो जाएगा। आखिरी मुकाबला जीतने पर भी उनके 15 ही अंक हो पाएंगे और टीम मुंबई की बराबरी नहीं कर पाएगी। दिल्ली पर जीत के बाद अगर मुंबई की टीम अपने आखिरी मैच में पंजाब से हार भी जाती है तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा। दिल्ली के खिलाफ हार मुंबई के समीकरण को बिगाड़ सकती है। फिर उन्हें पंजाब के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी, साथ ही यह मनाना होगा कि दिल्ली अपने आखिरी मैच में पंजाब से नहीं जीते। इस स्थिति में मुंबई के 16 और दिल्ली के 15 ही अंक रह जाएंगे और मुंबई की टीम क्वालिफाई कर जाएगी।

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 अब दिलचस्प मोड़ तक पहुंच चुका है। प्लेऑफ के लिए जंग दिलचस्प हो चली है। अब तक तीन टीमों ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है, जबकि पांच टीमें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं। सोमवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स भी सनराइजर्स हैदराबाद से हारकर इस दौड़ से बाहर हो गई। अब सिर्फ दो टीमों के बीच चौथे स्थान के लिए टक्कर है। ये दो टीमें हैं मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स। अब मुंबई और दिल्ली के बीच 21 मई को होने वाला मुकाबला वर्चुअल नॉकआउट होगा। अगर इस मैच में दिल्ली की टीम हारी तो प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी। उनके लिए जीत ही एकमात्र विकल्प होगा।

इससे पहले रविवार को डबल हेडर ने तीन टीमों के लिए प्लेऑफ का रास्ता साफ कर दिया। गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया है। हालांकि, प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली टीमों का फिलहाल पायदान तय नहीं है और यह आगे के कुछ मुकाबलों के बाद तय हो जाएगा। वहीं, प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली टीमों में लखनऊ के अलावा राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स शामिल हैं।

गुजरात, पंजाब और बेंगलुरु ने कैसे किया क्वालिफाई?

17 मई को आरसीबी का कोलकाता के खिलाफ मुकाबला बारिश से धुल गया था। दोनों टीमों को एक-एक अंक मिले थे। इससे बेंगलुरु के 12 मैचों में 17 अंक हो गए थे। इसके बाद रविवार को गुजरात ने दिल्ली को और पंजाब ने राजस्थान को हराकर दो-दो अंक बटोरे। इससे गुजरात के 12 मैचों में 18 अंक और पंजाब के 12 मैचों में 17 अंक हो गए। इन तीनों टीमों के अभी दो-दो और मैच बाकी हैं। ऐसे में ये टीमें 20 अंक का आंकड़ा भी पार कर सकती हैं। अन्य टीमों में सिर्फ मुंबई ही है जो 17 अंक को पार सकती है। दिल्ली अधिकतम 17 अंक तक पहुंच सकती है। वहीं, लखनऊ अधिकतम 16 अंक तक पहुंच सकती है। ऐसे में आरसीबी और पंजाब ने क्वालिफाई कर लिया।

बेंगलुरु, गुजरात और पंजाब ने बनाया रिकॉर्ड

बेंगलुरु ने पिछले छह सीजन में पांचवीं बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है। वहीं, गुजरात ने पिछले चार सीजन में तीसरी बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। हालांकि, यह पंजाब के लिए बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि टीम ने 11 वर्षों में पहली बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया। टीम ओवरऑल तीसरी बार प्लेऑफ में पहुंची है। श्रेयस आईपीएल में पहले कप्तान बन गए हैं, जिसने तीन टीमों को प्लेऑफ में पहुंचाया है। पंजाब से पहले वह दिल्ली के कप्तान (2019, 2020) रहते हुए और 2024 में कोलकाता के कप्तान रहते हुए प्लेऑफ में पहुंच चुके हैं।

ऋषभ पंत की अगुवाई वाली एलएसजी के आईपीएल 2025 से बाहर

भावुक टीम मालिक ने शेयर किया दिल का दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2025 के 61वें मैच में अभिषेक शर्मा के अर्धशतक और हेनरिक क्लासेन की 47 रनों की पारी की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हराकर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने के बाद टीम के मालिक संजीव गोयनका ने सोशल मीडिया पर एक भावुक नोट साझा किया।

लखनऊ को खिताबी मुकाबले में बने रहने के लिए जीत की दरकार थी लेकिन अभिषेक और क्लासेन ने इस पर पानी फेर दिया। लखनऊ ने मिशेल मार्श (65) और एडेन मार्करम (61) के शानदार अर्धशतकों की बदौलत 205/7 का मजबूत स्कोर बनाया। इसके जवाब में सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल इतिहास में पहली बार एकाना स्टेडियम में 200 से ज्यादा रनों का लक्ष्य हासिल किया जिसमें अभिषेक शर्मा ने महज 20 गेंदों पर 59 रनों की शानदार पारी (18 गेंदों पर अर्धशतक) खेली। क्लासेन की धमाकेदार पारी की बदौलत टीम ने 18.2 ओवर में 206/4 का स्कोर बनाते हुए मैच को अपने नाम कर लिया। प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने पर स्त्त के मालिक संजीव गोयनका ने सोशल मीडिया पर लिखा, सीजन का दूसरा भाग चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन इसमें बहुत कुछ है जिससे हम हिम्मत रख सकते हैं। जोश, प्रयास और उत्कृष्टता के क्षण हमें आगे बढ़ने के लिए बहुत कुछ देते हैं। दो मैच बचे हैं। आइए गर्व के साथ खेलें और मजबूती से खत्म करें। गौर हो कि लखनऊ हार के बाद 12 मैचों में 10 अंकों के साथ सातवें स्थान पर खिसक गई जबकि सनराइजर्स ने सीजन की चौथी जीत दर्ज करते हुए 9 अंक हासिल किए।

पंत यह स्वीकार करने वाले पहले व्यक्ति होंगे कि उनका सत्र अच्छा नहीं रहा :मार्श

लखनऊ (एजेंसी)। ऋषभ पंत 27 करोड़ रुपए की भारी भरकम कीमत के बावजूद एक बेहतरीन मैच विजेता की अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके और लखनऊ सुपर जाइंट्स के मिचेल मार्श ने टीम के आईपीएल से बाहर होने के बाद कहा कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज यह स्वीकार करने वाला पहला व्यक्ति होगा कि इस लुभावनी टी20 लीग में उनका सत्र अच्छा नहीं रहा।

सुपर जाइंट्स को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सोमवार को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा और इसके साथ टीम प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो गई जबकि उसके दो और मैच बचे हैं। सुपर जाइंट्स के कप्तान पंत ने 12 मैच में 135 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 100 से कम है। यह 2016 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए पदार्पण करने के बाद से उनका सबसे खराब आईपीएल सत्र रहा है।

अब तक पांच अर्धशतक से 443 रन बनाने वाले मार्श ने संवाददाताओं से कहा, 'वह यह कहने वाले पहले व्यक्ति होंगे कि उनका सत्र वैसा नहीं रहा जैसा उन्हें पसंद होता लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूं कि कभी-कभी क्रिकेट इसी तरह चलता है। मार्श ने उम्मीद जताई कि पंत सुपरजाइंट्स के आखिरी दो मैच में अच्छा प्रदर्शन करेंगे, हालांकि ये महज औपचारिकता के मुकाबले होंगे। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं, बेहद कुशल और बेहद प्रतिभाशाली है इसलिए वह वापसी करेगा।

सत्र के सकारात्मक पहलुओं के बारे में पूछे जाने पर मार्श ने कहा कि 14वें लीग मैच के खत्म होने के बाद सभी के प्रदर्शन की जांच की जा सकती है। मार्श ने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद इस सत्र के बाद आत्मचिंतन का समय आएगा। मेरा ध्यान बस अपनी टीम और अपनी फ्रेंचाइजी के लिए अगले दो मैच जीतने में योगदान देने की कोशिश करने पर है। जैसा कि मैंने कहा कि आईपीएल एक बहुत बड़ा टूर्नामेंट है और इसमें जीत का अंतर बहुत कम होता है। उन्होंने कहा, 'हमने पूरे सत्र में कुछ करीबी मैच गंवाए जो अब हमें नुकसान पहुंचा रहे हैं, लेकिन हां, अब यह सब इस बारे में है कि हम जितना संभव हो सके इस सत्र को मजबूती से खत्म करें।

सनराइजर्स हैदराबाद ने पिछले सत्र में केवल आक्रमण करने के अपने सिद्धांत के

साथ टी20 बल्लेबाजी की नई परिभाषा लिखी थी लेकिन इस सत्र के दौरान यह कारगर नहीं रहा जहां टीम पहले ही प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है जबकि अभी उसके दो मैच बचे हुए हैं। मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने कहा, 'लोगों ने इस बारे में बात की है कि जाहिर तौर पर हम इस वर्ष आक्रामक होने की प्रतिष्ठा के साथ आए थे और फिर पहले मैच में हमने 280 रन बनाए। इस बात की चर्चा थी कि यह जारी रहेगा। मुझे लगता है कि हमारे लिए यह सिर्फ परिस्थितियों के बारे में सीखना और यह समझना है कि हम उन परिस्थितियों में कैसे खेलते हैं और कुछ बार हम लड़खड़ा गए।

इस पूर्व दिग्गज स्पिनर ने कहा कि टीम के लिए हालात से सामंजस्य बैठाना एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया। विटोरी ने कहा, 'शायद (हम) उतनी जल्दी सामंजस्य नहीं बैठा पाए जितना हम चाहते थे और ऐसा खेल खेला जो उन तरह के विकेटों के अनुकूल नहीं था इसलिए यह प्रमुख सीख है।

हर्षल पटेल ने आईपीएल में बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया, मलिंगा और बुमराह को छोड़ा पीछे

लखनऊ (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सोमवार को एकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ एकमात्र विकेट लेकर 150 आईपीएल विकेट पूरे किए। हैदराबाद के ज्यादातर गेंदबाजों की तरह हर्षल भी महंगे साबित हुए। फिर भी वह कैश-रिच लीग के इतिहास में सबसे कम गेंदों में यह उपलब्धि हासिल करने में सफल रहे।

हर्षल को खेल का अपना एकमात्र विकेट लेने के लिए 16वें ओवर तक इंतजार करना पड़ा। चौथी गेंद पर उन्होंने गति से रहित एक निर्दोष यॉर्कर को अंजाम देकर एडेन मार्करम को बोल्ड किया और 61 (38) के स्कोर पर क्रीज पर उनकी शानदार बल्लेबाजी का अंत किया। हर्षल ने चार ओवरों का पूरा कोटा फेंकने के बाद 1/49 के आंकड़े के साथ लौटे। हर्षल ने अपना 150वां आईपीएल विकेट मनाया और 2381 गेंदों में उपलब्धि हासिल की, जो टूर्नामेंट के इतिहास में किसी खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज है।

चालाक तेज गेंदबाज ने लसिथ मलिंगा के 2444 के टैली को बेहतर रिकॉर्ड बनाया। इसी के साथ ही उन्होंने युजवेंद्र चहल (2543), ड्वेन ब्रावो (2656) और जसप्रीत बुमराह (2832) को पीछे छोड़ते हुए रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करवाया। हालांकि, 2021 और 2024 के पर्पल कैप विजेता के ऐतिहासिक क्षण को मिशेल मार्श और एडेन मार्करम ने फीका कर दिया जिन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से स्त्त को हराकर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया।

आज प्लेऑफ के लिए दावा मजबूत करने उतरेंगे मुंबई और दिल्ली

मुंबई (एजेंसी)। एकमात्र उपलब्ध प्ले ऑफ स्थान के लिए चुनौती पेश कर रही मुंबई इंडियन्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुधवार को जब यहां आमने-सामने होंगी तो दोनों की नजरें इस मुकाबले को जीतकर अपना दावा मजबूत करने पर टिकी होंगी। मुंबई का पलड़ा हालांकि भारी नजर आ रहा है। टीम ने बेहद खराब शुरुआत के बाद जोरदार वापसी की और अब शीर्ष चार में शामिल है।

दिल्ली की शुरुआत काफी अच्छी रही थी लेकिन टीम अपने पिछले छह मैच में सिर्फ एक जीत दर्ज कर पाई है। सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लखनऊ सुपरजाइंट्स की हार के साथ टीम की प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीद भी खत्म हो गई जिससे अब मुकाबला मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होगा। गुजरात टाइटन्स, पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहले ही नॉकआउट में जगह पक्की कर ली है।

मुंबई इंडियंस (14 अंक) और दिल्ली कैपिटल्स (13 अंक) दोनों के पास प्लेऑफ में जगह बनाने का मौका है। लेकिन वानखेड़े स्टेडियम में मेजबान टीम प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। मुंबई की जीत से उनके 16 अंक हो जाएंगे और टीम अक्षर पटेल की अगुवाई वाली टीम की पहुंच से बाहर हो जाएगी। वहीं दिल्ली

कैपिटल्स को आगे बढ़ने के लिए अपने बचे हुए दोनों मुकाबले जीतने की जरूरत है। दोनों टीमों को अपने आखिरी मुकाबले पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलने हैं।

मुंबई इंडियंस की फॉर्म और गहराई उनके पक्ष में है। टीम को हालांकि लगभग दो सप्ताह पहले गुजरात टाइटन्स के खिलाफ करीबी मैच में हार का सामना करना पड़ा था। लगातार छह जीत के बाद मुंबई को यह हार झेलनी पड़ी थी। जीत के साथ मुंबई की टीम प्लेऑफ में पहुंच जाएगी लेकिन हार की स्थिति में उनका भाग्य 24 मई को दिल्ली और पंजाब के बीच होने वाले मुकाबले के नतीजे पर निर्भर करेगा। महेला जयवर्धने के मार्गदर्शन में खेल रही टीम हालांकि दिल्ली को हराकर अगर-मगर पर विराम लगाना चाहेगी।

मुंबई के सुपरस्टार रोहित शर्मा पर सभी की नजरें होंगी क्योंकि टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद यह उनका पहला मैच होगा। यह अनुभवी बल्लेबाज अपनी पूरी ताकत झोंकने और अपनी टीम को जीत दिलाने के लिए उत्सुक होगा। मुंबई की टीम अपने मौजूदा संयोजन का भी पूरा लाभ उठाना चाहेगी जिसमें रेयान रिकेल्टन और कॉर्बिन बॉश प्रमुख भूमिकाओं में हैं। प्लेऑफ से पहले ये दोनों दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़ने के लिए रवाना होंगे।

सूर्यकुमार यादव बल्ले से अपनी बेहतरीन फॉर्म को जारी रखना चाहेंगे लेकिन मुंबई को तिलक वर्मा के लय हासिल करने की उम्मीद होगी। बाएं हाथ का यह बल्लेबाज मौजूदा सत्र में प्रभाव छोड़ने में विफल रहा है और पिछले पांच मैच में तीन बार दोहरे अंक में भी नहीं पहुंच पाया। इस ब्रेक से जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट जैसे गेंदबाजों को जरूरी आराम और थकान से उबरने का मौका मिला होगा।

दिल्ली को गुजरात के खिलाफ पिछले मैच में अपने शीर्ष तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क (14 विकेट) की कमी खली जो आईपीएल के बहाल होने पर वापस नहीं लौटे। स्टार्क की गैरमौजूदगी में दिल्ली ने गुजरात के खिलाफ पिछला मैच 10 विकेट से गंवाया। दिल्ली की टीम लोकेश राहुल (493 रन) के प्रदर्शन पर काफी निर्भर है जिन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शानदार शतक बनाया था।

इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी की कमजोरियां उजागर हो गईं लेकिन स्टार्क की जगह आए मुस्ताफिजुर रहमान ने शानदार गेंदबाजी की। दिल्ली ने आईपीएल की शुरुआत छह में से पांच मैच जीतकर की थी लेकिन दूसरे हाफ में उसका प्रदर्शन काफी खराब रहा है। कुलदीप यादव (12 विकेट) ने एक छोर से नियंत्रण बनाया है लेकिन कप्तान अक्षर के लिए यह सत्र काफी हद तक निराशाजनक रहा है जिन्होंने अब तक 263 रन बनाने के अलावा सिर्फ पांच विकेट चटकाए हैं।

टीमें

मुंबई इंडियंस – हार्दिक पांड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, रॉबिन मिंज, रेयान रिकेल्टन, श्रीजीत कृष्णन, बेवन जैकब्स, तिलक वर्मा, नमन धीर, विल जैक्स, मिचेल सेंटनर, राज अंगद बावा, रघु कुमार, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, कर्ण शर्मा, दीपक चाहर, अश्विनी कुमार, रीस टॉपले, वीएस पेनमेत्सा, अर्जुन तेंदुलकर, मुजीब उर रहमान और जसप्रीत बुमराह।

दिल्ली कैपिटल्स – अक्षर पटेल (कप्तान), मुस्ताफिजुर रहमान, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकांडे, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

समय–शाम 7.30 बजे।

मुम्बई इंडियंस के प्लेऑफ में पहुंचने पर टीम में शामिल होंगे ये तीन धमाकेदार खिलाड़ी

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रैंचाईची मुंबई इंडियंस ने इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो, रिचर्ड ग्लीसन और श्रीलंका के चरित असलंका को विल जैक्स, रयान रिकलटन और कॉर्बिन बॉश के स्थान पर अस्थायी तौर पर टीम में जगह दी है।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मुम्बई इंडियंस ने बेयरस्टो को 5.25 करोड़ रुपए, तेज गेंदबाज ग्लीसन को एक करोड़ और असलंका को 75 लाख रुपए में अनुबंधित किया है। ये खिलाड़ी मुंबई इंडियंस प्लेऑफ में जगह बनाने पर टीम के साथ उपलब्ध रहेंगे।

मुम्बई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच बुधवार प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए भिड़ंत होगी। जैक्स 26 मई को मुम्बई इंडियंस का अंतिम लीग मैच खेलने के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की एकदिवसीय श्रृंखला के कारण टूर्नामेंट बीच में ही छोड़ देंगे। वहीं रिकलटन और बॉश वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की तैयारी के लिए दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे।

दिग्वेश-अभिषेक पर गिरी गाज, एक पर बैन तो दूसरे पर भारी जुर्माना, चलते मैच में हाथापाई करने चले थे

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के स्पिनर दिग्वेश राठी और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को सोमवार को आईपीएल 2025 के मैच के दौरान हुई तीखी नोकझोंक के लिए सजा मिली है। दोनों खिलाड़ियों के बीच नोकझोंक इस कदर बढ़ गई थी कि हाथापाई तक पहुंच गए थे। लेकिन साथी खिलाड़ी बीच बचाव में आ गए और स्थिति संभल गई।

आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए दिग्वेश पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह इस सीजन में अनुच्छेद 2.5 के तहत एलएसजी स्पिनर का तीसरा लेवल 1 अपराध था और इसलिए उनके दो डिमिट पॉइंट मिले जिसके परिणामस्वरूप उन पर एक मैच का बैन लग गया। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर सोमवार को एकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल के मुताबिक, यह इस सीजन में अनुच्छेद 2.5 के तहत उनका तीसरा लेवल 1 अपराध था और इसलिए उन्हें दो डिमेरिट अंक मिले हैं, इसके अलावा उन्होंने पहले तीन डिमेरिट अंक जमा किए थे 01 अप्रैल 2025 को पंजाब किंग्स के खिलाफ एक डिमेरिट अंक और 04 अप्रैल 2025 को मुंबई इंडियंस के खिलाफ दो डिमेरिट अंक। चूंकि अब उनके पास इस सीजन में पांच डिमेरिट अंक हैं जिसके परिणामस्वरूप एक गेम का निलंबन बनता है, दिग्वेश अब स्त्त के 22 मई 2025 को अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ होने वाले मैच के लिए निलंबित रहेंगे।

वैभव सूर्यवंशी के साथ मॉर्फ्ड फोटो देख भड़का प्रीति जिंटा का गुस्सा, अभिनेत्री ने लगाई फटकार

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस और आईपीएल टीम पंजाब किंग्स की सह-मालिक प्रीति जिंटा इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल एक फेक फोटो को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फोटो में उन्हें राजस्थान रॉयल्स के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को गले लगाते हुए दिखाया गया है। हालांकि, प्रीति ने इस फोटो को पूरी तरह से फर्जी बताया है और इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने इस वायरल फोटो को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने साफ किया कि यह तस्वीर मॉर्फ की गई है और इसके पीछे कुछ न्यूज चैनल्स का हाथ है। प्रीति ने एक्स पर लिखा, 'यह तस्वीर पूरी तरह से फर्जी और मॉर्फ की गई है। हैरानी की बात है कि अब न्यूज चैनल्स भी ऐसी फर्जी इमेज को न्यूज आइटम बनाकर परोस रहे हैं।

प्रीति ने वैभव से मिलाया था हाथ – दरअसल 18 मई को पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए मैच के बाद अभिनेत्री ने खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी के साथ सिर्फ हाथ मिलाया था, जिसकी तस्वीर राजस्थान रॉयल्स के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर भी की गई लेकिन इस तस्वीर को मॉर्फ करके इंटरनेट पर वायरल कर दिया गया। इस मैच में प्रीति की टीम पंजाब किंग्स ने जीत दर्ज करते हुए प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की की। मैच के बाद प्रीति जिंटा मैदान पर बेहद एक्साइटेड नजर आईं और खिलाड़ियों को बधाई दी।

सोशल मीडिया पर लोगों की तीखी प्रतिक्रिया – प्रीति के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की भी प्रतिक्रिया सामने आने लगी है। कई यूजर्स ने एक्ट्रेस का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें इस मामले को कोर्ट तक ले जाना चाहिए। एक यूजर ने लिखा, 'ये मीडिया के कुछ हिस्सों की गिरती साख का उदाहरण है, बस व्यूज और टीआरपी के लिए किसी की छवि के साथ खेलना गलत है।' वहीं एक दूसरे यूजर ने सवाल उठाया कि आखिर यह खबर बनी क्यों? उन्होंने कहा कि अगर किसी से हाथ मिलाना भी खबर बन जाए और उस पर मॉर्फिंग की जाए, तो यह मीडिया की विश्वसनीयता पर बड़ा सवाल है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

जज भी इंसान ही होते हैं और उनसे गलती हो जाना स्वाभाविक हैः जस्टिस अभय एस ओका

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस अभय एस ओका ने कहा कि अदालत में फैसला करते समय भी गलती हो सकती है। उन्होंने कहा कि जज भी इंसान ही होते हैं और उनसे गलती हो जाना स्वाभाविक है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बॉम्बे हाई कोर्ट के जज रहते हुए उनसे भी गलती हुई थी। साल 2016 में घरेलू हिंसा के एक मामले में उनसे सही बात समझने में गलती हो गई। जस्टिस ओका ने कहा कि जजों के लिए लगातार सीखने का सिलसिला चलता रहता है। जस्टिस ओका ने कहा कि यह मानते हुए कि सीआरपीसी की धारा 482 के तहत घरेलू हिंसा कानून की धारा 12 (1) के तहत दी गई याचिका को भी खारिज किया जा सकता है। हालांकि यह कानून कहता है कि कोई भी महिला भुगतान, मुआवजा या फिर अन्य राहत के लिए मजिस्ट्रेट का रुख कर सकती है। जस्टिस ओका और जस्टिस उज्जल भुयान की बेच ने इस मामले में फैसला सुनाया था। वहीं जस्टिस ओका का विचार एकदम अलग था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हाई कोर्ट को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि घरेलू हिंसा के खिलाफ कानून महिलाओं को न्याय देने के लिए बनाया गया है। ऐसे में धारा 482 के तहत अगर अर्जी खारिज करने की बात आती है तो हाई कोर्ट को गहनता से विचार करना चाहिए। जब तक यह नहीं स्पष्ट होता है कि केवल कानून का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है या फिर केस पूरी तरह से गलत है, इस तरह की याचिका को खारिज नहीं

करना चाहिए।

बेंच की तरफ से फैसला लिखने वाले जस्टिस ओका ने कहा, इस फैसले के साथ यह बताना जरूरी है कि मैं 27 अक्टूबर 2016 को बॉम्बे हाई कोर्ट के एक फैसले में भी शामिल था जिसमें कहा गया था कि घरेलू हिंसा के कानून के सेक्शन 12 (1) के मामले में सीआरपीसी की धारा 482 के तहत मुकदमा खारिज करने का प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा, मेरी इस बात पर हाई कोर्ट की पूरी बेंच सहमत नहीं थी। ऐसे में हमारा कर्तव्य था कि हम अपनी गलती को सुधारें।

जस्टिस ओका ने कहा कि उन्हें अपना फैसला सुधारना पड़ गया। उन्होंने कहा कि यह कहना कि घरेलू हिंसा के मामले में धारा 482 के तहत मुकदमा खारिज करने का प्रावधान ही नहीं है, एक तरह से गलत था। ऐसे में यह लगता था कि मामला केवल सिविल नेचर का ही होगा। हालांकि परिस्थिति के अनुसार धारा 482 के तहत फैसला किया जा सकता था। यह विचार सुप्रीम कोर्ट की बात से भी अलग था। सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा था कि यह कानून महिलाओं को न्याय देने के लिए हैं। ऐसे में हाई कोर्ट का फैसला पूरी तरह से सही साबित नहीं होता था। इसमें सुधार किया गया।

नई तकनीक ने कानून के अध्ययन में ला दी क्रांति- जस्टिस ओका

जस्टिस ओका ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में हजारों न्यायिक निर्णयों का देश की कई भाषाओं में अनुवाद किया गया है। टीएमसी लॉ कॉलेज की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में उनके हवाले से कहा गया, पिछले 30 वर्षों से महाराष्ट्र में जिला अदालत तक में मराठी में काम किया जा रहा है। जस्टिस ओका ने कहा कि नयी प्रौद्योगिकी ने कानूनी अध्ययन में क्रांति ला दी है। उन्होंने कहा, आज उपलब्ध सुविधाओं के साथ, कानून का अध्ययन करना, शोध करना, इसका अर्थ समझना और कम समय में कई निर्णयों को समझना बहुत आसान हो गया है। छात्रों को इनका प्रभावी ढंग से उपयोग करना चाहिए।

सीएम भजनलाल शर्मा की बैठक में एसडीओ सस्पेंड एसडीएम और तहसीलदार पर गिरी गाज!

जयपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान भ्रष्टाचार के मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए त्वरित कार्रवाई के आदेश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें कलेक्टर और एसपी सहित कई उच्चाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान रायपुर (ब्यावर) के एसडीओ गुलाब चंद वर्मा को भ्रष्टाचार की शिकायत के चलते तत्काल सस्पेंड कर दिया गया, वहीं रामसर (बाड़मेर) के एसडीएम अनिल कुमार जैन को एपीओ (अवैतनिक प्रतीक्षा आदेश) पर भेजा गया। साथ ही रायपुर (ब्यावर) तहसीलदार पुष्पेंद्र पंचाल और रामसर (बाड़मेर) तहसीलदार अशोक कुमार मेघवाल दोनों को एपीओ किया गया। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतें संज्ञान में आने के बाद बैठक के दौरान ही की गई, जिससे प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई। मुख्यमंत्री शर्मा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

प्रोफेसर अली खान पर महिला आयोग का दावा- उनके परिवार का सदस्य पाकिस्तान में करता है फंडिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी पर महिला आयोग ने नए दावे किए हैं। हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने कहा ने इनके परिवार के एक सदस्य पाकिस्तान की किसी पार्टी को फंडिंग करते हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में भाटिया ने कहा, इंस्टाग्राम स्टोरी पर उन्होंने (प्रोफेसर खान) जो पोस्ट किया, उसका मायने निकालकर देखिए। क्या अंग्रेजी में लिखे हुए का हिंदी में मतलब बदल जाता है? क्या एक महिला का अपमान हिंदी में बोलने से अलग और इंग्लिश में बोलने से अलग हो जाता है? अगर किसी बेटी का अपमान हुआ है तो मैं ऐक्शन लूंगी। देश की बेटी का अपमान सहन नहीं किया जा सकता। मैं अपना दायित्व पूरी तरह से समझती हूं।

रेणु भाटिया ने कहा कि बॉर्डर से चंद किलोमीटर दूर बैठा यह व्यक्ति (प्रोफेसर खान) फ्रेम करने में लगा है। वो भी ऐसे समय जब ऑपरेशन सिंदूर चल रहा हो। हम सब यह देखने के लिए उत्सुक रहते हैं कि शाम को कब विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी आएंगी और ये बताएंगी कि युद्ध में क्या हुआ। आप इन बेटियों के लिए ऐसा बोल रहे हैं। आप उनकी सारी पोस्ट देखिए तो पता चलेगा कि वह किस तरह के व्यक्ति हैं। वह पहले भी ऐसी बातें कर चुके हैं। उन्होंने कहा, मैंने पढ़ा कि इनके परिवार के एक सदस्य पाकिस्तान की किसी पार्टी को फंडिंग भी करते हैं। इससे इनकी सोच का पता चलता है। एक तरफ ऑपरेशन सिंदूर, एक तरफ फंडिंग और एक तरफ देश की बेटी के लिए ऐसा बोलना। इन सबको मिलाकर देखिए तो पता चलेगा।

यूनिवर्सिटी में चेकिंग को लेकर प्रदर्शन पर सवालः हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष ने प्रोफेसर महमूदाबाद की ओर इशारा करते हुए कहा कि राजा बाबू आप अपने घर पर होंगे। हम नहीं मानते। किसी भी पार्टी के व्यक्ति या पुरुष को किसी महिला के बारे में हल्का बोलने की छूट नहीं है। जो भी कार्रवाई होगी, वो की जाएगी। मैंने अपने हरियाणा में यह किया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, मैंने न्यूज में पढ़ा कि अशोका यूनिवर्सिटी में एक बार प्रोटेस्ट हुआ था और यह सिक्योरिटी को लेकर था। मैंने वाइस चांसलर और दूसरों से इस बारे पूछा तो पता चला कि उसमें भी अली खान शामिल थे। आखिर बच्चों ने चेकिंग के लिए प्रोटेस्ट क्यों किया? यूनिवर्सिटी में ऐसा क्या आता-जाता है कि बच्चे चेकिंग रोकना चाहते हैं? अगर ऐसा कुछ नहीं तो चेकिंग के खिलाफ प्रदर्शन क्यों किया गया? इसका जवाब दिया जाना चाहिए।

क्या 65 की उम्र तक पढ़ाएंगे कॉलेज शिक्षक? हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान उच्च न्यायालय ने कॉलेज शिक्षकों की रिटायरमेंट उम्र को 60 वर्ष से 65 वर्ष तक बढ़ाने वाली याचिका पर नोटिस कर सरकार से जवाब मांगा। याचिकाकर्ता अशोक कुमार अग्रवाल की तरफ से उनके अधिवक्ता अक्षय दत्त शर्मा व सुप्रिय ने पैरवी की। अधिवक्ता अक्षय दत्त शर्मा ने बताया कि याचिका पर राज्य सरकार, विधि व उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव, कॉलेज शिक्षा आयुक्त और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के चेयरमैन को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने पूछा है कि क्यों न प्रदेश के कॉलेज शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष कर दी जाए। यह आदेश हाईकोर्ट की खंडपीठ न्यायाधीश इन्द्रजीत सिंह और न्यायाधीश आनंद शर्मा ने सोमवार को दिया। प्रार्थीपक्ष की ओर से अधिवक्ताओं सुप्रिय और अक्षय दत्त शर्मा ने अदालत को बताया कि केंद्र सरकार और यूजीसी की ओर से कॉलेज शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष निर्धारित की गई है, जिसे देश के अनेक राज्यों ने अपनाया है।

महाराष्ट्र में नई कार लेना हुआ मुश्किल, राज्य सरकार ने बना दिया नया नियम

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में अब नई कार लेना और भी ज्यादा मुश्किल होने वाला है। राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने सोमवार को यह घोषणा की है कि जब तक खरीदार संबंधित नगर निकाय में पार्किंग स्थान का प्रमाण पत्र नहीं दे देता, तब तक उसके नाम पर नए वाहन का पंजीकरण नहीं किया जाएगा। यह निर्णय मुख्य रूप से मुंबई महानगर क्षेत्र में बढ़ते पार्किंग संकट से निपटने के लिए लिया गया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य की नई पार्किंग नीति पर हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद यह घोषणा की गई है। बैठक के बाद मंत्री सरनाईक ने कहा, हम पार्किंग स्थल बनाने पर विचार कर रहे हैं। विकास नियमों का पालन किया जाना चाहिए और डेवलपर्स को फ्लैटों के साथ पार्किंग की जगह भी देनी चाहिए। अब जो नए खरीदार होंगे उनके पास यदि नगर निकाय से पार्किंग आवंटन प्रमाण पत्र नहीं है, तो उनके नाम से नए वाहनों का पंजीकरण नहीं किया जाएगा। मुंबई महानगर क्षेत्र में पार्किंग की जगह की भारी कमी को स्वीकार करते हुए कहा कि शहरी विकास विभाग शहर के बड़े मनोरंजन स्थलों के नीचे पार्किंग प्लाजा के निर्माण की अनुमति देने पर काम कर रहा है। इसके अलावा सरनाईक ने पॉड टैक्सी नेटवर्क को लेकर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि हम इस पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पॉड टैक्सी परियोजना पर एक डिजाइन मेरे सामने रखा गया था। मैंने वडोदरा का दौरा किया है, जो दुनिया की पहली पॉड-कार परियोजना की मेजबानी करने को तैयार है।

सुक्खू सरकार की बड़ी सौगात- 1000 पशु मित्रों की भर्ती समेत कई कर्मियों का मानदेय बढ़ा, गौवंश चारे का अनुदान भी बढ़ा

शिमला, एजेंसी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में सोमवार को राज्य सचिवालय में हुई हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में पशु मित्र नीति-2025 को मंजूरी देते हुए पशुपालन विभाग में 1,000 मल्टी-टास्क वर्कर (पशु मित्र) की भर्ती को हरी झंडी दी गई। मंत्रिमंडल ने शिक्षा विभाग में स्कूल लाइब्रेरी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 100 जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (लाइब्रेरी) के पद भरने की स्वीकृति दी गई है। वहीं राजस्व विभाग में भी 10 सीनियर असिस्टेंट और 15 जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (आईटी) के पद सृजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि हमीरपुर स्थित राज्य परिवहन अपीलीय अधिकरण में विभिन्न श्रेणियों के 5 पदों को भरने का निर्णय लिया गया है। साथ ही आयुष विभाग में 5 आयुर्वेदिक फार्मेसी अधिकारियों की भर्ती बैच आधार पर करने का भी फैसला किया गया। प्रवक्ता ने कहा कि राज्य सरकार ने गौसदनों में रखे गए गौवंश के लिए चारे की अनुदान राशि को 700 रुपये से बढ़ाकर 1200 रुपये प्रति मवेशी प्रति माह करने का निर्णय लिया है, जिससे गोसेवा से जुड़ी संस्थाओं को राहत मिलेगी।

स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत कर्मियों के लिए राहत भरी घोषणा करते हुए कैबिनेट ने ऑपरेशन थिएटर सहायकों का मानदेय 17,820 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये और रेडियोग्राफर एवं एक्स-रे तकनीशियनों का मानदेय 13,100 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये करने की मंजूरी दी।

प्रवक्ता के मुताबिक पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अहम पहल करते हुए मुख्यमंत्री ग्रीन एडॉप्शन योजना को मंजूरी दी गई है। इस योजना के तहत निजी उद्यमियों को सीएसआर फंडिंग के माध्यम से जर्जर वन भूमि पर पौधारोपण करने की अनुमति दी जाएगी, जिससे वन क्षेत्र में बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने कहा कि शहरी विकास को संतुलित रखने के उद्देश्य से हिमाचल प्रदेश टाउन एंड कंट्री प्लानिंग नियमावली 2014 में संशोधन किया गया है। अब शिमला नगर निगम क्षेत्र में घाटी की ओर बनने वाले भवन सड़क स्तर से कम से कम एक मीटर नीचे होंगे।माता तारा देवी मंदिर के आसपास के वन क्षेत्र को शिमला विकास योजना के हरित क्षेत्र में शामिल करने का भी निर्णय लिया गया है जिससे इस धार्मिक स्थल के आसपास का क्षेत्र पर्यावरणीय दृष्टि से संरक्षित रह सके। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्वरोजगार के अधिक अवसर देने के लिए राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्टअप योजना-2023 के अंतर्गत ई-टैक्सियों की खरीद हेतु व्यापक दिशा-निर्देश तैयार किए जाएंगे।

लोक निर्माण विभाग में डिज़ाइन विंग को सिविल विंग में विलय करने का निर्णय भी लिया गया है। इससे विभाग की कार्यप्रणाली और अधिक दक्ष एवं प्रभावी हो सके। इसके अलावा कुल्लू जिले के निरमंड विकास खंड में स्थित पशु औषधालय सराहन का नाम बदलकर बगा सराहन किया गया है।

इंडियाना में पुलिस अधिकारी की हत्या के दोषी व्यक्ति को मौत की सजा, घातक इंजेक्शन लगाकर दिया गया मृत्युदंड

मिशिगन सिटी, एजेंसी। अमेरिका के इंडियाना राज्य में एक व्यक्ति को वर्ष 2000 में एक पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या करने के मामले में दोषी ठहराया गया। उसे मंगलवार को एक घातक इंजेक्शन देकर मृत्युदंड दे दिया गया। राज्य में 15 वर्षों में यह दूसरा ऐसा मामला है, जिसमें किसी को मृत्युदंड की सजा दी गई है। अमेरिका के इंडियाना राज्य में एक व्यक्ति को वर्ष 2000 में एक पुलिस अफसर की हत्या के मामले में मौत की सजा दी गई है। यह पिछले 15 सालों में इस राज्य में दी गई दूसरी मौत की सजा है। जानकारी के मुताबिक, घटना के दौरान आरोपी बेंजामिन रिची और उसके साथियों ने इंडियाना के बीच ग्रोव शहर में एक कार चुराई थी। जब पुलिस अधिकारी टोनी ने रिची का पीछा किया, तब रिची ने उन पर चार गोलियां चलाईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बता दें कि, 45 वर्षीय बेंजामिन रिची को साल 2002 में पुलिस अधिकारी बिल टोनी की हत्या के जुर्म में सजा सुनाई गई थी। बिल टोनी बीस ग्रोव

पुलिस विभाग में काम करते थे और 31 साल के थे। वह दो बच्चों के पिता थे। इस घटना के बाद 22 साल बाद आरोपी बेंजामिन रिची को इंडियाना के मिशिगन सिटी में स्थित राज्य कारागार में मंगलवार आधी रात के बाद घातक इंजेक्शन लगाकर मृत्युदंड दिया गया।

रात 12-46 बजे उसे मृत घोषित किया गया। वहीं मौत की सजा से पहले आरोपी रिची ने पैरोल बोर्ड (रिहाई बोर्ड) से कहा, मैंने अपनी और दूसरों की जिंदगियां बर्बाद कर दीं। उस रात के लिए मैं बेहद शर्मिंदा हूं। काश मैं अपने उस 20 साल के खुद को रोक पाता, जो किसी की सुनता ही नहीं था। मृत्युदंड से पहले रिची के वकीलों ने कोर्ट में यह दलील दी कि वह बचपन से मानसिक बीमारियों से पीड़ित था। उसकी मां ने गर्भावस्था के दौरान शराब और नशे का सेवन किया। रिची को फीटल अल्कोहल स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एफएएसडी) और बचपन में सीसे के जहर का सामना करना पड़ा था। साल 2005 में उसे बाइपोलर डिसऑर्डर (मिजाज बदलने की बीमारी) का भी इलाज हुआ था। रिची के वकीलों ने उसकी सजा माफ करने की अपील की थी। लेकिन इंडियाना के नए रिपब्लिकन गवर्नर माइक ब्रौन ने इसे ठुकरा दिया।

रिवेंज पोर्न को लेकर अमेरिका में बना कानून, ट्रंप और मेलेनिया ने किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलेनिया ट्रंप ने सोमवार को रिवेंज पोर्न को रोकने से संबंधित एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए। इस कानून के जरिए किसी व्यक्ति की सहमति के बिना उसकी निजी तस्वीरों, वीडियो या रिवेंज पोर्न को शेयर करने की हरकतों पर सजा दी जा सकेगी। इस बिल को पास करवाने के लिए मेलेनिया ट्रंप मार्च में सीनेट के सदस्यों से बात करके इस बिल के पक्ष में सहमति बनवाने में कामयाबी हासिल की थी। वाइट हाउस की तरफ से इस मुद्दे पर मीडिया को जवाब देते हुए प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि फर्स्ट लेडी मेलेनिया ट्रंप ने इस कानून को पास करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यह कानू किसी भी व्यक्ति की सहमति के बिना उसकी अंतरंग तस्वीरों, वीडियोज को इंटरनेट पर शेयर करना या शेयर करने की धमकी देने के संघीय अपराध बनाता है। एआई टेक्नोलॉजी को ध्यान में रखते हुए इस बिल में डीप फेक को भी शामिल किया गया है। इस कानून के तहत शिकायत होने पर किसी भी वेबसाइट, सोशल मीडिया प्लेटफार्म को संबंधित वीडियो या तस्वीर 48 घंटे के अंदर हटाना होगा। इसके अलावा डुप्लीकेट सामग्री को हटाने के लिए भी कदम उठाने होंगे। आपको

बता दें कि अमेरिका में संघीय सरकार के फैसला लेने के पहले ही कई राज्य इस तरह के रिवेंज पोर्न पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। हालांकि ट्रंप प्रशासन का टेक इट डाउन एक्ट इंटरनेट कंपनियों के ऊपर एक दुर्लभ प्रतिंबध है। सीनेट की सर्वसम्मति से पारित हुए इस विधेयक को आलोचना का भी सामना करना पड़ा।

हमसे जो हो सकता है, हम कर रहे, राष्ट्रपति ट्रंप ने व्लादिमीर पुतिन को बताया सज्जन व्यक्ति

वॉशिंगटन, एजेंसी। रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर उन्होंने कहा कि इस युद्ध में हर सप्ताह पांच हजार युवा सैनिक मारे जा रहे हैं। ट्रंप ने रूस यूक्रेन युद्ध के लिए पिछली बाइडन सरकार को निशाने पर लिया और कहा कि ये सब पिछली सरकार में हुआ और उन्होंने ये होने दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर बात की, जिसमें युद्धविराम को लेकर चर्चा की गई। मंगलवार को केनेडी सेंटर बोर्ड डिनर में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति की जमकर तारीफ की और उन्हें सज्जन व्यक्ति बताया। ट्रंप ने कहा कि एक दिन पहले ही मेरी एक सज्जन व्यक्ति जिनका नाम व्लादिमीर पुतिन है, उनसे बात हुई है। हमारे बीच अच्छी बातचीत हुई और बातचीत में थोड़ी बहुत तरक्की भी हुई है। रूस यूक्रेन युद्ध को लेकर उन्होंने कहा कि इस युद्ध में हर सप्ताह पांच हजार युवा सैनिक मारे जा रहे हैं। ट्रंप ने रूस यूक्रेन युद्ध को नरसंहार बताया और कहा कि क्या आप यकीन कर सकते हैं? पांच हजार! ये आंकड़े और भी ज्यादा हो सकते हैं क्योंकि हमलों में आम नागरिक भी मारे जा रहे हैं। हम इसे रोकने की कोशिश कर रहे हैं और जो हम कर सकते हैं कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि मैंने सैटेलाइट तस्वीरें देखी हैं, जिनमें तबाही दिखाई दे रही है। ट्रंप ने रूस यूक्रेन युद्ध के लिए पिछली बाइडन सरकार को निशाने पर लिया और कहा कि ये सब पिछली सरकार में हुआ और उन्होंने ये होने दिया। ट्रंप ने कहा कि वैसे तो रूस-यूक्रेन युद्ध से अमेरिका का कोई वास्ता नहीं है फिर भी हम लड़ाई रुकवाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी तरह पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई भी अमेरिका की नहीं है, लेकिन फिर भी हम कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने अपने पश्चिम एशियाई दौरे को बेहद सफल बताया, जहां उन्होंने 1.5 खबर डॉलर के सौदे किए।

दुनियाभर की जेलों में 23456 पाकिस्तानी कैद; दुष्कर्म

हत्या-नशा और धोखाधड़ी के मामलों में हुई है सजा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के 23,000 लोग दुनियाभर में दुष्कर्म, हत्या, मादक पदार्थों की तस्करी और धोखाधड़ी समेत विभिन्न अपराधों में जेल की सलाखों के पीछे बंद है। यह बात पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने नेशनल असेंबली को सूचित करते हुए बताई। उसने कहा, वर्तमान में 23,456 पाकिस्तानी नागरिक विदेशों में सलाखों के पीछे कैद हैं। इनमें से सबसे अधिक 12,156 कैदी सऊदी अरब में बंद हैं।

पाकिस्तान के डॉन अखबार ने यह जानकारी विदेश मंत्रालय के हवाले से जारी की है। डॉन ने बताया कि निचले सदन के प्रश्नकाल के दौरान विदेश मंत्रालय ने यह बयान दिया है। डॉन ने बताया, एक लिखित जवाब में मंत्रालय ने कहा कि यूएई में दूसरे नंबर पर सबसे ज्यादा 5,292 पाकिस्तानी कैदी हैं। चीन में कैद 400 पाकिस्तानियों में से अधिकांश को ड्रग तस्करी, दुष्कर्म, डकैती, हत्या और जाली मुद्रा के मामलों में दोषी ठहराया गया है। बहरीन में कैद 450 पाकिस्तानियों को ड्रग तस्करी, ड्रग्स रखने और धोखाधड़ी के मामलों में दोषी ठहराया गया था। अफगानिस्तान ने 88 पाकिस्तानियों को निर्धारित अवधि से अधिक समय तक रहने और सुरक्षा संबंधी अपराधों के लिए दोषी ठहराया है।

सऊदी अरब और यूएई को छोड़ दें तो पश्चिम एशिया के अन्य देशों में भी पाकिस्तानियों का ट्रैक रिकॉर्ड खराब बना हुआ है। यहां कतर में 338 और ओमान में 309 पाकिस्तानी नशा तस्करी, हत्या, डकैती और यौन उत्पीड़न में दोषी ठहराए गए हैं। मलयेशिया में ऐसे अपराधों के लिए 255 पाकिस्तानियों को दोषी ठहराया गया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने स्वीकार किया कि अन्य देश जहां पाकिस्तानियों को कैद किया गया, उनमें कनाडा में नौ, डेनमार्क में 27 शामिल हैं। मित्र देश तुर्किये में 147 कैदी और अजरबैजान में 16 में से 11 कैदी संगीन मामलों में दोषी साबित हुए हैं।

पाकिस्तान में 50प्रतिशत मस्जिदें आतंकियों का अड्डा : वहीं, जम्मू कश्मीर गिलगित बाल्टिस्तान व लद्दाख के लिए राष्ट्रीय समानता पार्टी के अध्यक्ष प्रोफेसर सज्जाद राजा ने पाकिस्तानी कब्जे वाले इलाके में जीवन की कठोर वास्तविकताओं का खुलासा किया। ऑपरेशन सिंदूर पर बात करते हुए उन्होंने पाकिस्तान में आतंकवाद को समर्थन पर प्रकाश डाला। राजा ने कहा, ऑपरेशन ने आतंकी गुटों व पाकिस्तानी सेना को अधिक सतर्क बना दिया है। वह बोले, पाकिस्तान में 50प्रतिशत मस्जिदें आतंकवाद के लिए मोर्चे का काम कर रही हैं। प्रोफेसर सज्जाद राजा ने कहा, सेना खुद नहीं मरती। यह मरने के लिए कठपुतलियों को भेजती है, इसलिए वे डरे हुए नहीं हैं। अब वे निश्चित रूप से अधिक सतर्क होंगे क्योंकि उनका पर्दाफाश हो गया है। आतंकी शिविरों के अस्तित्व पर उन्होंने कहा, पीओजेके और पूरे पाकिस्तान में अभी भी कई आतंकी शिविर चल रहे हैं। वास्तव में, पाकिस्तान में लगभग 50प्रतिशत मस्जिदें आतंकवाद का मोर्चा बन गई हैं। यहां अभी भी लोगों को हमलों के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। विकास की तुलना में आतंकवाद के प्रति पाकिस्तान के जुनून को समझाते हुए राजा ने कहा, देश में सेना की नीति अर्थव्यवस्था और समाज पर हावी है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129